www.navpradesh.com
दैनिक नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल

रायपुर, रविवार, 27 सितंबर 2026 | कृष्ण पक्ष-प्रतिपदा, | विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 228 | पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

भारत को एक दिन में कबड्डी के दो गोल्ड, एशियन गेम्स में महिला-पुरुष टीमें चैंपियन

■ दोनों ने फाइनल में ईरान को हराया, भारत ने अब तक 4 गोल्ड, 11 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज सहित 28 मेडल जीते

नागोया (जापान)/ए.। भारत ने एशियन गेम्स में आज का दूसरा गोल्ड जीत लिया है। मेंस कबड्डी टीम ने फाइनल में ईरान को 40-34 से हराकर 10वीं बार एशियाड में मेडल अपने नाम किया।

इससे पहले महिला कबड्डी टीम ने भी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

शूटिंग में इस एडिशन का 11वां मेडल आया, सिल्वर मिला

महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन कैटेगरी में भारतीय टीम दूसरे स्थान पर रही। इस टीम में आशी चौकसे, तिलोत्तमा सेन और विदार्शा विनोद के नाम शामिल रहे। इंडिया को शूटिंग में 11वां मेडल मिला है। इससे पहले एक गोल्ड, 5 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मिल चुके हैं।

पुरुष मैराथन में 44 साल बाद मिला मेडल

लंबी दूरी के धावक सावन बरवाल ने पुरुष मैराथन 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड की टाइमिंग के साथ सिल्वर दिलाया। इस इवेंट में भारत को 44 साल बाद मेडल मिला है। 1982 के दिल्ली एशियन गेम्स में इंडिया को ब्रॉन्ज मिला था। बता दें कि मैराथन दौड़ 42 किलोमीटर की होती है, जबकि हाफ मैराथन 21.097 किलोमीटर होती है।

छत्तीसगढ़ की बेटी संजू देवी ने बढ़ाया देश-प्रदेश का गौरवः सीएम साय

■ मुख्यमंत्री ने कहा- संजू देवी की उपलब्धि प्रदेश की बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए बनेगी प्रेरणा

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य एवं छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की निवासी सुश्री संजू देवी को फोन कर इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने संजू देवी से संवाद करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि उनकी इस उपलब्धि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

बेटियां प्रतिभा और सामर्थ्य का परचम लहरा रहीः साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां आज शिक्षा, खेल सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परचम लहरा रही हैं। कोरबा की संजू देवी ने अपनी मेहनत और खेल कौशल के बल पर राष्ट्रीय टीम में स्थान बनाया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया है। उनकी सफलता प्रदेश के उन हजारों युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा है।

आज बेबाक

पहले ईवीएम को मुन्नी की तरह बदनाम करने वाले हारे हुए जुआरियों की जमात अब हाथ धोकर मुख्य चुनाव आयुक्त के पीछे पड़ गई है। चुनाव आयोग की हालत गरीब की उस लुगाई जैसी हो गई है जिसको सभी भौजाई समझ कर छेड़ते रहते हैं। सीधी सी बात है, अगर चुनाव आयुक्त की निष्पक्षता पर भरोसा ही नहीं है तो सबूतों के साथ राष्ट्रपति के पास जाओ या संसद में चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाओ। या फिर चुनाव बहिष्कार करने की हिम्मत जुटाओ। खाली - पीली लोगों के दिमाग का दही करने से बाबाजी का ठुल्लू ही हाथ लगेगा।

आफत की बारिश : इंद्रावती, महानदी, खारून और शिवनाथ का रौद्र रूप, तटीय इलाकों में अलर्ट

बारिश का कहर, बैराजों से छोड़ा गया पानी, नदियों में आया उफान

रायपुर/नवप्रदेश। 36 घंटे की लगातार बारिश से छत्तीसगढ़ में हालात बिगड़ते नजर आ रहे हैं। प्रदेश की प्रमुख नदियां महानदी, शिवनाथ, खारून और अरपा उफान पर हैं। नदी किनारे बसे गांवों में बाढ़ के खतरे को देखते हुए अलर्ट जारी किया गया है। भारी बारिश के बाद धमतरी के गंगरेल, राजनांदगांव के मोंगरा और बालोद के तांदुला समेत कई जलाशयों और बैराजों से पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। राजधानी रायपुर में महादेव घाट पुल के ऊपर से पानी बहने के कारण रायपुर-पाटन मार्ग पर आवागमन बंद कर दिया गया है। वहीं रायपुर-बेमेतरा को जोड़ने वाला पठारी घाट भी बंद है। रायपुर-दुर्ग के बीच अकोला मार्ग पर भी पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ है। बस्तर क्षेत्र में इंद्रावदी नदी उफान पर है। नदी का पानी जगदलपुर शहर में घुस गया है। लगातार बढ़ते जलस्तर ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। जिला प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

महादेवघाट में पुल के ऊपर बह रहा पानी, पाटन-रायपुर मार्ग बंद

अमलेश्वर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में करीब 36 घंटे हुई लगातार बारिश के बाद अब बारिश थम गई है। रायपुर समेत कई हिस्सों में पानी भर गया है। महादेवघाट पुल से 2 फीट ऊपर पानी बह रहा है। रायपुर से पाटन मार्ग बंद है। वहीं खारून नदी तट के किनारे बसे 150 परिवारों का रेस्क्यू किया गया है। हालात को देखते हुए यहां अगली सूचना तक मूर्ति विसर्जन पर रोक लगा दी गई है।

तांदुला जलाशय से छलकने लगा पानी

बालोद। बालोद का जीवनदायिनी कहे जाने वाला तांदुला जलाशय आखिरकार छलक उठा है। जलाशय लबालब होने के बाद इसका पानी ओवरफ्लो प्वाइंट से छलकने लगा। तांदुला के छलकते ही यहां का नजारा बेहद खूबसूरत हो गया है। तेज धार के साथ बहता पानी चारों ओर बारिश का माहौल और जलाशय का यह मनमोहक दृश्य अब लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गया है।

शिवरीनारायण-गिधौरी मार्ग बंद, प्रशासन अलर्ट

शिवरीनारायण। महानदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश तथा गंगरेल बांध से पानी छोड़े जाने के कारण महानदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जलस्तर में बढ़ोतरी को देखते हुए शिवरीनारायण-गिधौरी शबरी सेतु पर आवागमन रोक दिया गया। प्राप्त ताजा जानकारी के अनुसार दोपहर 2 बजे तक महानदी का पानी पुल को छुने लगा था। स्थिति को देखते हुए प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा मौके पर सतत निगरानी रखी जा रही है। सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। जलस्तर बढ़ने की सूचना के बाद कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक द्वारा मौके का निरीक्षण किया।

राजनांदगांव में बाढ़ जैसे हालात, बांधों से 18,190 क्यूसेक पानी छोड़ा गया

राजनांदगांव/नवप्रदेश। लगातार दूसरे दिन हो रही बारिश से नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। शिवनाथ नदी और मोहरा नदी उफान पर हैं, वहीं शहर की निचली बस्तियों में पानी घुसने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। नदी-नालों में भी तेज बहाव के कारण प्रशासन अलर्ट मोड पर है। 26 सितंबर बैराजों से कुल 18,190 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसमें मोंगरा बैराज से 6,000 क्यूसेक, घुमरिया से 3,250 क्यूसेक, सुखानाला से 6,300 क्यूसेक और खट्टूटोला से 2,640 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

120 लोगों का किया गया सुरक्षित रेस्क्यू

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिले में बाढ़ के हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। महानदी का जलस्तर बढ़ने के साथ ही नदी किनारे के गांवों में पानी घुसने का खतरा बढ़ गया है। हालांकि प्रशासन की सतर्कता और आपदा राहत टीम की मुस्तैदी से अब तक 120 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कसडोल के बल्दाकछार में 38, पलारी के अमेठी में 44, मोहान में 23 और सिमगा के गणेशपुर में 15 लोगों को सुरक्षित निकाला गया।

शिवनाथ उफान पर, 160 का रेस्क्यू

दुर्ग। दुर्ग जिले में लगातार हो रही बारिश अब आफत बनती जा रही है। दुर्ग की जीवनदायिनी कही जाने वाली शिवनाथ नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं और निचली बस्तियों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम को भी राहत और बचाव कार्य में लगाया गया है। इसी कड़ी में कुम्हारी थाना क्षेत्र के परसदा और अमलेश्वर थाना क्षेत्र के मटिया खार समेत अन्य स्थानों से करीब 160 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सुबह शिवनाथ नदी क्षेत्र का दौरा किया। मोंगरा बैराज से पानी छोड़ने की वजह से दुर्ग के शिवनाथ नदी का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। जिला प्रशासन ने धमधा, बेमेतरा, पथरिया-सहगांव क्षेत्र के गांवों में मुनादी कराई है। बेमेतरा जिले के बेरला क्षेत्र की ग्राम

खतरे के निशान से सात फीट ऊपर इंद्रावती, शहर के बीच पहुंचा पानी

जगदलपुर/नवप्रदेश। तीन दिन से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और इंद्रावती के उफान ने बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर को बाढ़ की चपेट में ले लिया है। इंद्रावती नदी खतरे के निशान से करीब सात फीट ऊपर बह रही है। नदी के रौद्र रूप ने शहर के निचले इलाकों से लेकर तटवर्ती गांवों तक तबाही का मंजर खड़ा कर दिया है। ओडिशा में इंद्रावती जलाशय और मुरान बांध से जल निकासी के साथ लगातार बारिश ने हालात और गंभीर कर दिए हैं। जगदलपुर को ओडिशा से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे दूर तक फैला बाढ़ का पानी समुद्र जैसा दृश्य प्रस्तुत कर रहा है। महादेव घाट, डोंगाघाट और प्रवीर वार्ड के माता मंदिर तक पानी पहुंच चुका है। प्रवीर वार्ड का कोहकापाल क्षेत्र पूरी तरह जलमग्न हो गया है।

महासमुंद में बिगड़े हालात महानदी का बढ़ता जलस्तर बना खतरा

महासमुंद/नवप्रदेश। बारिश के साथ महानदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से नदी-नाले उफान पर हैं और नदी किनारे बसे गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। गंगरेल बांध के 14 गेट खोले जाने के बाद महानदी में पानी का प्रवाह बढ़ा है। निचले इलाकों में प्रशासन की निगरानी बढ़ा दी गई है। जिला मुख्यालय से करीब 7 किमी दूर ग्राम पंचायत बम्हनी में स्थित सरकारी शराब दुकान चारों ओर से बाढ़ के पानी से घिर गई। दुकान की सुरक्षा में तैनात दो सुरक्षाकर्मी छगन लाल कुर्रे और ईद कुमार टंडन बढ़ते पानी के बीच फंस गए। रास्ता बंद होने पर दोनों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी स्थिति बताई। वीडियो वायरल होने के बाद इसकी सूचना प्रशासन तक पहुंची। प्रशासन ने नगर सेना की टीम को तत्काल मौके पर भेजा।

पाकिस्तान के डेरा इस्माइल खान में धमाका, 11 मौतें

इस्लामाबाद/ए.। पाकिस्तान के डेरा इस्माइल ख़ान के दराज़िंदा क्षेत्र में आयोजित एक अमन मेले के पास हुए ज़ोरदार धमाके में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए हैं। धमाके की सूचना मिलते ही दराज़िंदा स्टेशन की राहत एवं बचाव टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं और तुरंत राहत कार्य शुरू कर दिया। ज़िला अधिकारी मोहम्मद आरिफ़ ख़ान के निर्देश पर डेरा इस्माइल ख़ान से चार अतिरिक्त एंबुलेंस और अतिरिक्त स्टाफ भी मौके पर भेजा गया। बीबीसी न्यूज़ उर्दू के मुताबिक, रेस्क्यू अधिकारियों का कहना है कि अब तक हादसे में घायल 30 लोगों को प्राथमिक उपचार देने के बाद विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया जा चुका है।

गरमा-गरम

एसआईआर में जिनका नाम छूटा अधिकारी घर जाकर लेंगे दस्तावेज

■ मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्तों की बैठक में निर्णय

नई दिल्ली/ए.। भारतीय चुनाव आयोग की शनिवार को हुई बैठक में मतदाता सूची से जुड़े विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनावी प्रक्रियाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इस बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी शामिल हुए।

जारी प्रेस रिलीज में चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि जिन मतदाताओं को नामांकन में विसंगति या अन्य कारणों से नोटिस जारी किया गया है, उनके घर पर ही बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) जाकर दस्तावेज इकट्ठा करेंगे और उन्हें ईसीआईनेट पोर्टल पर अपलोड करेंगे। ऐसे मामलों में सामान्य तौर पर मतदाताओं को ईआरओ कार्यालय में सुनवाई के लिए नहीं बुलाया जाएगा। आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) को निर्देश दिया है कि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

झीरमकांडः राहुल गांधी से मिले कांग्रेस के नेता व पीड़ित परिवार

■ हमले से पहले की सुरक्षा का पूरा ब्यौरा जुटाएगी कांग्रेस, सीनियर वकीलों से लेंगे कानूनी सलाह

रायपुर/नवप्रदेश। झीरम घाटी मामले को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने राहुल गांधी से मुलाकात की। यह बैठक करीब 45 मिनट चली। 10 जनपथ में हुई इस बैठक में मामले को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। इसमें मुख्य रूप से दो बातें सामने आई हैं।

कांग्रेस ने झीरम हमले से पहले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत जानकारी जुटाने की बात कही है। झीरम हमला कांग्रेस की परिवर्तन ■ शेष पृष्ठ 6 पर

2027 में आखिरी वर्ल्ड कप खेलूंगा, जीतना लक्ष्यः कोहली

■ ट्रॉफी के लिए सब कुछ दांव पर लगा दूंगा, वनडे में सबसे ज्यादा 54 शतक लगाने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली/ए.। विराट कोहली ने कहा कि 2027 का वर्ल्ड कप भारत के लिए उनका आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उन्होंने कहा कि वे ट्रॉफी जीतने के लिए अपना सबकुछ दांव पर लगाने को तैयार हैं।

कोहली ने कहा, मैं मैदान पर अपना 100% देना चाहता हूं। लक्ष्य बिल्कुल साफ है- वर्ल्ड कप जीतना। 37 साल के कोहली सिर्फ वनडे ■ शेष पृष्ठ 6 पर

50 ओवर का मैच, ढाई टी-20 क्रिकेट के बराबर

कोहली ने 50 ओवर के वर्ल्ड कप की शारीरिक और मानसिक चुनौती भी बताई। उनके मुताबिक एक वनडे में खिलाड़ी को करीब ढाई टी-20 मैच जितनी क्रिकेट खेलनी पड़ती है। 2027 वर्ल्ड कप विदेशी परिस्थितियों में होगा। अलग-अलग मैदानों और विरोधी टीमों के खिलाफ लगातार मैच खेलने से चुनौती और बढ़ेगी।

यूएन में शरीफ के फर्जी दावों की भारत ने उड़ाई धज्जियां

■ कश्मीर राग अलापने पर भारत ने सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली/ए.। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर कश्मीर और आतंकवाद को लेकर तीखी बयानबाजी देखने को मिली। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भाषण के बाद भारत ने राइट टू रिप्लाई का इस्तेमाल किया। भारत की ओर से संयुक्त राष्ट्र में प्रथम सचिव पेटल गहलोत ने पाकिस्तान के रुख पर जवाब दिया।

गहलोत ने शहबाज शरीफ के भाषण को भारत के अनुसार तथ्यों से परे बताते हुए पाकिस्तान के आतंकवाद, कश्मीर और सिंधु जल संधि से जुड़े बयानों पर सवाल उठाए। भारत का आधिकारिक रुख पहले भी रहा है कि सीमा पार आतंकवाद और हिंसा के माहौल में भारत-पाकिस्तान संबंधों में सामान्य सहयोग संभव नहीं है।

राइट टू रिप्लाई के दौरान पेटल गहलोत ने कहा कि महासभा ने पाकिस्तान के प्रतिनिधि की ओर से कुछ ऐसी टिप्पणियां ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अच्छी खबर : दक्षिण छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में नया अध्याय, रावघाट तक पहुंची रेल पटरी : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

दल्लीराजहरा-रावघाट का अंतिम 17.5 किमी रेल लाइन तैयार

■ ताड़ोकी-रावघाट खंड का कार्य पूरा, मुख्यमंत्री साय ने बताया ऐतिहासिक उपलब्धि

रायपुर-बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचलों को देश के व्यापक रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना के अंतिम 17.5 किलोमीटर लंबे ताड़ोकी-रावघाट खंड का कार्य पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इसे दक्षिण छत्तीसगढ़ और विशेष रूप ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पर्यटन, निवेश और अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी अपने साथ विकास की अनेक संभावनाएं लेकर आती है। रावघाट तक रेल संपर्क से क्षेत्र में पर्यटन और निवेश की संभावनाओं को बल मिलेगा तथा स्थानीय व्यापार एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों का विस्तार होगा। दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों को व्यापक रेल नेटवर्क से जोड़ने से लोगों के लिए बाजारों तक पहुंच आसान होगी।

दल्लीराजहरा से रावघाट तक से 95 किमी रेललाइन

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना की कुल लंबाई 95 किलोमीटर है। इसके अंतिम 17.5 किलोमीटर लंबे ताड़ोकी-रावघाट खंड का कार्य पूरा कर लिया गया है। यह सिंगल लाइन विद्युतीकृत ब्रॉड गेज रेल खंड है। नई रेल लाइन को परिचालन के लिए तैयार करने की निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत इस खंड का रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण एवं गति परीक्षण किया गया है। इस दौरान रेल लाइन, पुल-पुलियों, विद्युतीकरण, सिग्नलिंग सहित सुरक्षा और तकनीकी व्यवस्थाओं की जांच की गई।

शिक्षा, रोजगार और व्यापार के नए अवसर खुलेंगे

“दल्लीराझरा-रावघाट रेल लाइन परियोजना क्षेत्र के लोगों के लिए आवागमन के साथ शिक्षा, रोजगार, व्यापार और विकास के नए अवसरों के द्वार खोलेगी। दल्लीराझरा-ताड़ोकी के बीच पहले से यात्री रेल सेवा उपलब्ध है। ताड़ोकी-रावघाट के 17.5 किलोमीटर लंबे अंतिम खंड के पूर्ण होने से दल्लीराझरा से रावघाट तक रेल संपर्क और विस्तारित हुआ है।

- तोखन साहू, केंद्रीय राज्यमंत्री, भारत सरकार

“प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना के विस्तार को अभूतपूर्व गति मिली है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को भी आधुनिक कनेक्टिविटी से जोड़ने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। दूरस्थ अंचलों की दूरियां घटेंगी, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के नए अवसरों के द्वार खुलेंगे।

-विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, राजपत्र लेकर गांव पहुंचे उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, 'चंदनपुर' को मिली नई पहचान

गांव का नाम केवल पहचान नहीं, जनभावनाओं से जुड़ा होता है: उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर/नवप्रदेश। तेज बारिश के बीच शुक्रवार देर रात उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा गांव की नई पहचान का राजपत्र लेकर चंदनपुर पहुंचे। लंबे समय से नाम परिवर्तन की मांग कर रहे ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उन्होंने राजपत्र की प्रति सौंपते हुए उन्हें बधाई दी। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण स्वागत के लिए जुटे रहे। मांग पूरी होने की खुशी में ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और उप मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। कबीरधाम जिले के ग्राम चंडालपुर का नाम अब आधिकारिक रूप से बदलकर चंदनपुर कर दिया गया है।

नाम परिवर्तन की खुशी के बीच

उप मुख्यमंत्री ने गांव के विकास कार्यों के लिए सीसी रोड और सामुदायिक भवन के लिए 11.70 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सुविधा के लिए विशेष शिविर लगाया जाएगा। इसमें आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों में गांव का नाम बदलने की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी, ताकि ग्रामीणों को इसके लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। छत्तीसगढ़ शासन ने ग्राम चंदनपुर के नाम परिवर्तन का राजपत्र में विधिवत प्रकाशन कर दिया है। इसके साथ ही गांव का नया नाम अब सरकारी अभिलेखों और शासकीय वेब पोर्टल में स्थायी रूप से दर्ज रहेगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि: ग्रामवासियों की ओर से लंबे समय से गांव का नाम बदलने की मांग की जा रही थी। स्थानीय लोगों की भावना और मांग को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया। इसके बाद मंत्रिमंडल स्तर पर चर्चा हुई, राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हुई और अंततः राजपत्र में इसका प्रकाशन किया गया। उन्होंने कहा कि राजपत्र में प्रकाशन के बाद अब 'चंदनपुर' नाम सरकारी अभिलेखों और संबंधित शासकीय वेब पोर्टलों में दर्ज रहेगा।

उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे भी अपने दैनिक व्यवहार और बोलचाल में गांव के नए नाम 'चंदनपुर' का उपयोग करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां इसी नाम से गांव को जानें और इसकी पहचान आगे भी कायम रहे।

स्वीकृति के बाद राजपत्र में हुआ प्रकाशित

ग्रामवासियों की ओर से लंबे समय से गांव का नाम बदलने की मांग की जा रही थी। स्थानीय लोगों की भावना और मांग को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया। इसके बाद मंत्रिमंडल स्तर पर चर्चा हुई, राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हुई और अंततः राजपत्र में इसका प्रकाशन किया गया। उन्होंने कहा कि राजपत्र में प्रकाशन के बाद अब 'चंदनपुर' नाम सरकारी अभिलेखों और संबंधित शासकीय वेब पोर्टलों में दर्ज रहेगा। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे भी अपने दैनिक व्यवहार और बोलचाल में गांव के नए नाम 'चंदनपुर' का उपयोग करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां इसी नाम से गांव को जानें और इसकी पहचान आगे भी कायम रहे।

गांव के नाम से जुड़ी होती अपनी संस्कृति

गांवों के नाम केवल किसी स्थान की पहचान नहीं होते, बल्कि उनमें स्थानीय इतिहास, संस्कृति, परंपरा और जनभावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चंदनपुर नाम से गांव को नई पहचान मिलना ग्रामवासियों की लंबे समय से चली आ रही भावना और मांग के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नाम परिवर्तन से क्षेत्र की स्थानीय पहचान और ग्रामवासियों की भावनाओं को मजबूती मिलेगी।

नियमित राशन से परिवारों को राहत

रायपुर/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनकल्याणकारीयोजनाएँ जरूरतमंद परिवारों के जीवन में राहत पहुँचा रही हैं। बलरामपुर की जया देवी और शिवमाला देवी के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना तथा मुख्यमंत्री खाद्यान्न सुरक्षा योजना से मिलने वाला नियमित राशन घर चलाने का संबल बना है। बलरामपुर के वार्ड क्रमांक 11 निवासी जया देवी को शासकीय उचित मूल्य दुकान से हर महीने चावल, चना और नमक मिल रहा है। वे बताती हैं कि पहले महीने भर के राशन का इंतजाम बड़ी चिंता थी।

न्यूज गैलरी

रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य की प्रथम महिला खुली जेल का शुभारंभ

रायपुर/नवप्रदेश। डीजी, जेल हिमांशु गुप्ता के कर कमलों से केंद्रीय जेल, रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य की पहली महिला खुली जेल (वीमेन ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूशन - ओ.सी.आई.) का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर योगेश सिंह क्षत्री (जेल अधीक्षक), खुशबू मिश्रा (महिला ओपन जेल प्रभारी) एवं जेल विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ राज्य में पहली बार इस प्रकार की महिला ओपन जेल प्रारंभ की गई है। रायपुर जेल में उपलब्ध अधोसंरचना का उपयोग करते हुए ओपन जेल खोला गया है।इस ओपन जेल में 25 महिला बंदिनियाँ रहेंगीस ये महिला बंदिनी सुबह विभिन्न कार्य करने के लिए जेल के बाहर निकलेंगी तथा शाम को कार्य पूर्ण कर लॉकअप होने के पूर्व जेल में वापस आ जाएंगी। महिला बंदिनियों को जेल की ऊंची दीवारों के बाहर मंदिर के पास स्थित परिसर में सिलाई सेन्टर, ब्यूटी पार्लर एवं जेल उत्पादों के बिक्री केंद्र में रोजगार दिया जाएगा। उनके लिए रोजगार के अन्य वैकल्पिक साधन भी उपलब्ध रहेंगे।

बीएमएस ने सरकार के सामने रखीं 24 प्रमुख मांगें

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की 1 अक्टूबर को प्रस्तावित महा रैली, धरना और प्रदर्शन से पहले श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। बीएमएस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के समक्ष श्रमिकों से जुड़े 24 प्रमुख मुद्दे रखे। मांगों पर आगे की कार्रवाई और समाधान के लिए मंत्रिस्तरीय उपसमिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने 1 अक्टूबर की महा रैली से पहले सरकार की ओर से मांगों पर विस्तृत जवाब देने का आश्वासन दिया। बीएमएस ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं और मध्यान्ह भोजन रसोइयों के मानदेय में वृद्धि की मांग की। ठेका एवं संविदा कर्मचारियों के लिए निगम गठित कर सीधे भुगतान की व्यवस्था करने तथा न्यूनतम 30 हजार रुपए मासिक वेतन निर्धारित करने की मांग भी रखी गई। निर्माणी मजदूरों के श्रम कार्ड के लिए ट्रेड यूनियनों को मान्यता देने की मांग की गई।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को स्कॉच गोल्ड अवार्ड

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अभिनव 'रक्षक' पाठ्यक्रम को SKOCH गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया है। आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा के नेतृत्व में तैयार इस पहल को बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। यह सम्मान SKOCH ग्रुप के चेयरमैन समीर कोचर ने प्रदान किया। इस अवसर पर पर्यावरणविद सु सुनीता नारायण, पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफइंडिया की सु पूनम मुटरेजा, भारत सरकार के पूर्व सचिव संजय कुमार और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के पूर्व महासचिव भरत लाल उपस्थित थे। डॉ. शर्मा ने बताया कि पुरस्कार की चयन प्रक्रिया में आयोग ने जूरी के समक्ष 'रक्षक' पाठ्यक्रम का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। मूल्यांकन के बाद इस पहल को गोल्ड श्रेणी में चुना गया। 'रक्षक' यानी पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा इन प्रोटेक्शन ऑफचाइल्ड राइट्स एक वर्षीय, दो सेमेस्टर का पाठ्यक्रम है। इसमें प्रवेश की न्यूनतम योग्यता स्नातक है। इसका उद्देश्य बाल संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करना है। पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक अध्ययन के साथ फील्ड वर्क, केस स्टडी और प्रोजेक्ट रिपोर्ट को शामिल किया गया है। विद्यार्थी बाल कल्याण समितियों, किशोर न्याय बोर्ड, बाल देखरेख संस्थाओं और स्वैच्छिक संगठनों के कार्यों से सीधे जुड़कर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे।

सेवा संकल्प अभियान: पहले दिन 97 हजार से अधिक लोगों की सहभागिता

आंगन मिलन सेवा से उत्सव स्थल बने आंगनबाड़ी केंद्र

- **प्रदेश में 2,262 स्थानों पर हुए 12,698 आयोजन, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुंगेली के मदकू में कार्यक्रम में हुए शामिल**

रायपुर/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रदेश में शुक्रवार से शुरू हुई 'आंगन मिलन सेवा' के पहले दिन आंगनबाड़ी केंद्रों में उत्सव जैसा माहौल रहा। राज्यभर में 2,262 स्थानों पर 12,698 गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें 97,471 लोगों ने सहभागिता की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी मुंगेली जिले के मदकू में आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में शामिल हुए और माताओं एवं बच्चों के पोषण का संदेश दिया। आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्भवती माताओं का स्वागत किया गया।

स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों, दालों और हरी सब्जियों का प्रदर्शन कर परिवारों को संतुलित भोजन के बारे में बताया गया। सुपोषित थाली के माध्यम से महिलाओं ने जाना कि रोजमर्रा के भोजन में विविध खाद्य पदार्थ शामिल कर माताओं और बच्चों का पोषण कैसे बेहतर बनाया जा सकता है।

कार्यक्रमों में बच्चों के अभिभावकों ने भी भाग लिया और पोषण तथा मातृ स्वास्थ्य से जुड़े अनुभव साझा किए। महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लाभार्थियों ने बताया कि योजनाओं से मिली सहायता से वे अपनी और अपने परिवार की जरूरतें पूरी कर पा रही हैं। आंगन मिलन सेवा के माध्यम से परिवारों और समुदाय को आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ते हुए बच्चों के पोषण को साझा जिम्मेदारी बनाने पर जोर दिया गया।

नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से बेटियों के सपनों को मिला संबल

- **पुष्पांजलि प्रशासनिक सेवा की तैयारी में जुटीं, अनीता ने फिर शुरू की कॉलेज की पढ़ाई**

रायपुर/नवप्रदेश। बलरामपुर जिले की दो बेटियाँ अपने सपनों की ओर नए भरोसे के साथ बढ़ रही हैं। ग्राम बदर की कुमारी पुष्पांजलि ऋषि प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती हैं, जबकि ग्राम पंचायत सुरा की कुमारी अनीता नाग शिक्षिका बनकर गाँव के बच्चों को पढ़ाना चाहती हैं।

आर्थिक कठिनाइयों के बीच मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से दोनों को 20-20 हजार रुपये की सहायता मिली है। कुमारी पुष्पांजलि का परिवार कृषि और मजदूरी पर निर्भर है। उच्च शिक्षा का खर्च जुटाना कठिन होने लगा था, लेकिन पढ़ाई के साथ पीएससी की तैयारी करने का उनका संकल्प बना रहा। योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने आवेदन किया। सहायता राशि बैंक खाते में पहुँचने के बाद वे अपनी पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में लगन से जुटी हैं। कुमारी अनीता की कॉलेज की पढ़ाई आर्थिक कारणों से प्रभावित हो रही थी।

आगे पढ़ने की इच्छा के बावजूद खर्च की चिंता उनके सामने थी। योजना के तहत सहायता मिलने पर उन्होंने दोबारा कॉलेज में प्रवेश लिया और पढ़ाई शुरू कर दी।कुमारी अनीता पढ़ाई पूरी करके शिक्षिका बनना चाहती हैं, ताकि गाँव के बच्चों का भविष्य संवारने में योगदान दे सकें।

दोनों बेटियों ने कहा कि इस सहायता से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। सेवा संकल्प अभियान के दौरान सामने आई कुमारी पुष्पांजलि और कुमारी अनीता की कहानियाँ दिखाती हैं कि समय पर मिला सहयोग बेटियों को शिक्षा जारी रखने और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का अवसर देता है।

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर बस्तर में राहत-बचाव और स्वास्थ्य सेवाएं तेज

एनएच-30 पर बाढ़ में फंसे ट्रक चालकों का सुरक्षित रेस्क्यू, राहत शिविरों में स्वास्थ्य जांच और दवाइयों का वितरण

रायपुर/नवप्रदेश। बस्तर संभाग में भारी बारिश और बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और राहत एवं बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय हैं। बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के साथ राहत शिविरों में भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पानी उतरने के बाद संभावित जलजनित एवं संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की कमी न रखने के निर्देश दिए हैं। प्रभावित परिवारों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य विभाग की टीमों को लगातार निगरानी रखने के लिए कहा गया है। इसी क्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर सोनारपाल के पास बाढ़ के बीच फंसे करीब आधा दर्जन ट्रक चालकों और परिचालकों को राहत एवं बचाव दल ने सुरक्षित बाहर निकाला। जगदलपुर-रायपुर मार्ग पर कई

फीट पानी भर जाने से लगभग पांच ट्रक फंस गए थे। लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण चालकों और परिचालकों ने ट्रकों की छत पर शरण ली और वीडियो के माध्यम से प्रशासन से मदद की अपील की। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और बचाव दल ने स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से अभियान शुरू किया। तेज बहाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद लाइफ जैकेट एवं अन्य बचाव उपकरणों की मदद से सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेस्क्यू के बाद उन्हें गणेश मंदिर पहुंचाया गया, जहां सूखे कपड़े, गर्म भोजन, पेयजल और ठहरने की व्यवस्था की गई।इधर, जगदलपुर और नगरनार के राहत शिविरों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें सेवाएं दे रही हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मैत्री के नेतृत्व में शहरी स्वास्थ्य विभाग की टीम और मितानिनों ने भगत सिंह वार्ड, भैरमगंज, पंचपथ और प्रवीरचंद्र वार्ड सहित विभिन्न शिविरों में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

रेलवे जीएम ने किया लखौली-रायपुर रेलखंड का निरीक्षण

रायपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने आज दिनांक 25 सितम्बर 2026 को रायपुर मंडल के लखौली-रायपुर रेलखंड का संरक्षा निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने रेल संरक्षा, परिचालन, कार्य प्रणाली, स्टेशन पुनर्विकास, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों तथा यात्री सुविधाओं की समग्र समीक्षा की। इस अवसर पर बिलासपुर मुख्यालय के प्रधान विभागाध्यक्ष एवं मुख्य अधिकारीगण, मंडल रेल प्रबंधक रायपुर दयानंद सहित रायपुर मंडल के वरिष्ठ शाखाधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

इसी क्रम में मंदिर हसौद रेलवे स्टेशन पर कॉलोनी, लेवल क्रॉसिंग तथा इंजीनियरिंग गेट का निरीक्षण किया गया। यहां अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किए जा रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों का गहन निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया गया। महाप्रबंधक ने निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता बनाए रखने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने डीजल लोको शेड, रायपुर में नए इंफ्रास्ट्रक्चर एवं विकास कार्यों का गहन निरीक्षण किया गया। महाप्रबंधक ने निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित सुविधाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा कार्यों में गुणवत्ता एवं संरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कें-पुल तत्काल सुधारें, कहीं भी आवाजाही बाधित न हो: साव

■ **क्षतिग्रस्त सड़कों-पुलों की होगी तुरंत मरम्मत, 10 दिन में मांगे पुनर्निर्माण के प्रस्ताव**

■ **ठेकेदारों को तत्काल काम पर लगाने को कहा, फोटो-वीडियो के साथ होगा नुकसान का आकलन**

रायपुर/नवप्रदेश। लगातार बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों और पुल-पुलियों को दुरुस्त करने लोक निर्माण विभाग ने तत्काल कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि क्षतिग्रस्त मार्गों व पुलों की मरम्मत में किसी तरह की देरी न हो और लोगों की आवाजाही कहीं भी प्रभावित न हो। जहां तत्काल सुधार संभव है, वहां संबंधित एजेंसी और ठेकेदार से शीघ्र मरम्मत कराकर यातायात शुरू कराया जाए। ज्यादा नुकसान वाले हिस्सों के पुनर्निर्माण और विशेष मरम्मत के प्रस्ताव भी तेजी से तैयार किए जाएंगे। इसके लिए तत्काल पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश में 24 सितम्बर से 26 सितम्बर तक लगातार हुई बारिश से लगभग सभी नदी-नालों में बाढ़ की स्थिति बनी है और कई स्थानों पर पुल-पुलियों के ऊपर से भी पानी बहा है। पानी उतरने के बाद कई मार्गों और पुल-पुलियों के क्षतिग्रस्त होने की आशंका को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने सभी मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं, कार्यपालन अभियंताओं, अनुविभागीय अधिकारियों और उप अभियंताओं को तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता ने सभी मैदानी अधिकारियों को क्षतिग्रस्त सड़कों और पुल-पुलियों की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नुकसान का तत्काल आकलन कर संभावित राशि की जानकारी अकाउंटेंट जनरल को भेजते हुए सभी संबंधित कार्यालयों को प्रतिलिपि उपलब्ध कराने को कहा है। उन्होंने जहां क्षति का सुधार मौजूदा अनुबंध के दायरे में संबंधित एजेंसी या ठेकेदार से कराया जा सकता है, वहां बिना समय गंवाए मरम्मत कराने को कहा है, ताकि यातायात शीघ्र शुरू हो सके। वहीं जिन हिस्सों में पुनर्निर्माण या विशेष मरम्मत की जरूरत है, उनके प्राक्कलन सक्षम अधिकारी को 10 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने कहा है कि विशेष मरम्मत के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध है।

सड़कों व पुलों के सुधार के लिए प्रत्येक सक्षम अधिकारी को 15 दिनों में एस/आर (एफडीआर) की स्वीकृति प्राथमिकता से जारी करने तथा राशि के आबंटन की उपलब्धता के लिए प्रमुख अभियंता कार्यालय को परिक्षेत्रवार एकमुश्त जानकारी भेजने को कहा गया है। संभागों को आवश्यकता के अनुसार एस/आर मद में जोनल एजेंसी निर्धारित करने की जरूरत होने पर इसकी जानकारी भी तत्काल प्रमुख अभियंता कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

लोक निर्माण विभाग ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि एफडीआर के कारण हुई क्षति का सुधार केवल अस्थायी न हो, बल्कि उसे स्थायी रूप से दुरुस्त किया जाए। जरूरत के अनुसार टो-वॉल और कांक्रीट रोड निर्माण के प्रस्ताव भी भेजे जाएं। पुलों के वियरिंग कांक्रीट और रेलिंग सहित क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत भी शीघ्रता से करने को कहा गया है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के निर्देश के बाद विभाग का जोर बारिश से प्रभावित सड़कों और पुल-पुलियों को जल्द से जल्द सुरक्षित और आवागमन योग्य बनाने पर है। क्षतिग्रस्त सड़कों के सुधार के लिए शासन ने विभागीय अमले को तत्परता और सक्रियता से काम करते हुए मरम्मत और आवश्यक पुनर्निर्माण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

प्रमुख सचिव ने नागरिकों से की शिविर में पहुंचने की अपील, नगरीय सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराने पर दिया जोर

सेवा सेतु शिविरों में होगा आवेदनों का निराकरण

■ **नगरीय प्रशासन के संचालक ने दिए समयबद्ध निराकरण के निर्देश**

रायपुर/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियान के तहत नगरीय निकायों में आयोजित किए जा रहे सेवा सेतु शिविरों को लेकर नगरीय प्रशासन एवं विकास के संचालक नीलेश महादेव क्षीरसागर ने अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने 10 वार्डों के लिए एक सेवा सेतु शिविर आयोजित करने, शिविरों में प्राप्त आवेदनों का सेवा सेतु के माध्यम से पंजीयन कराने और संबंधित विभागों से उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने और नागरिकों को नगरीय सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराने पर जोर दिया है।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा है कि नागरिक अपने क्षेत्र में निर्धारित तिथि पर आयोजित सेवा सेतु शिविर में पहुंचकर शासकीय योजनाओं एवं नगरीय सेवाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करें। उन्होंने ऑनलाइन आवेदन कर चुके नागरिकों से भी आवेदन से संबंधित जानकारी और आवश्यक दस्तावेज लेकर शिविर में पहुंचने को कहा है, ताकि उन्हें अपने आवेदन की स्थिति और आगे की प्रक्रिया की जानकारी मिल सके। सेवा सेतु शिविरों में मौके पर प्राप्त आवेदनों का पंजीयन किया जा रहा है। ऑनलाइन माध्यम से पहले से प्राप्त आवेदनों को भी संबंधित प्रक्रिया से जोड़ा जा रहा है। पंजीयन के बाद आवेदन संबंधित विभाग को भेजे जा रहे हैं और उनके निराकरण की कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत 10 वार्डों के लिए एक सेवा सेतु शिविर आयोजित किया जा रहा है। नगरीय निकायों में शिविरों के लिए अलग-अलग तिथियां निर्धारित की गयी हैं। निर्धारित तिथि पर संबंधित वार्डों के नागरिक और लाभार्थी शिविर में पहुंचकर योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं। शिविरों में विभिन्न विभागों के काउंटर और हेल्पडेस्क की व्यवस्था की गयी है।

शिविरों में प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पीएम स्वनिधि, स्वच्छ भारत मिशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, पेयजल एवं विद्युत सेवाओं सहित विभिन्न शासकीय एवं नगरीय सेवाओं से संबंधित मामलों के लिए सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

शहर की तासीर के अनुरूप हो विकास की योजना: सोनमणि बोरा

रायपुर/नवप्रदेश। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने नई दिल्ली में हुडको द्वारा अर्बन चैलेंज फंड पर आयोजित क्षमता विकास कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने विभिन्न राज्यों एवं नगरीय निकायों से कार्यशाला में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों से कहा कि शहरों के दीर्घकालिक विकास के लिए बेहतर नियोजन, क्षमता विकास एवं वित्तीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग के साथ विभिन्न योजनाओं के बेहतर समन्वय की आवश्यकता है। उन्होंने शहरों की भावी जरुरतों और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए बेहतर नियोजन, संस्थागत क्षमता विकास एवं उपलब्ध वित्तीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विशेष बल दिया। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव सतेंद्र सिंह से नई दिल्ली में भेंट कर राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, अमृत मिशन, पीएम स्वनिधि, पीएम ई-बस और अर्बन चैलेंज फंड की प्रगति, उनके प्रभावी क्रियान्वयन तथा आगामी रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने इन योजनाओं के लक्ष्यों की प्राप्ति तथा नगरीय निकायों की क्षमताओं को और सुदृढ़ बनाने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया। श्री बोरा ने हुडको के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय कुलश्रेष्ठ और उनकी टीम के साथ बैठक कर राज्य के नगरीय निकायों के समग्र एवं आवश्यकता आधारित विकास की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में राज्य के नगरीय निकायों की स्थानीय आवश्यकताओं, संभावनाओं एवं विशिष्ट पहचान को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक विकास योजना तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। औद्योगिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, पर्यटन, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व वाले शहरों के लिए उनकी प्रकृति एवं विशिष्टताओं के अनुरूप विकास की रणनीति तैयार करने पर भी चर्चा की गई, जिससे नगरीय सेवाओं एवं आधारभूत संरचनाओं का विस्तार स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में शहरों की आवश्यकतानुसार फूड पार्क, रेंटल हाउसिंग, पर्यटन संवर्धन, स्लम क्षेत्र के पुनर्विकास, ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (अहृष्ठ) सहित अन्य संभावित विकास के पहलुओं को शहरों की विकास योजनाओं में शामिल करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं, उनके क्रियान्वयन अनुभवों तथा चुनौतियों का अध्ययन कर राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप उपयुक्त पहलुओं को अपनाने एवं राज्य की नीतियों में आवश्यक प्रावधान किये जाने पर भी चर्चा की गई। बैठक में हुडको के सीएमडी ने परियोजनाओं के लिए प्रारंभिक परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने तथा राज्य स्तर पर कार्यशाला आयोजित कर राज्य व नगरीय निकायों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों का क्षमता विकास करते हुए विशिष्ट परियोजनाओं के चिन्हांकन एवं दस्तावेजीकरण के लिए सहमति प्रदान की। उन्होंने नगरीय परियोजनाओं हेतु आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन एवं वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने सहयोग प्रदान करने का भी आश्वासन दिया।

रायपुर में पिता और बहन के सामने नाले में डूबा मासूम

■ **बारिश का पानी देखने गया था, तेज बहाव में बहा, 20 मीटर दूर मिला शव**

रायपुर/नवप्रदेश। 'त्रिवेंद्र... मेरे बेटे को बचाओ। देखो, पानी में गिर गया है। मिल नहीं रहा है। भाई, पुलिस और लोगों को बुलाओ... '। बेटे के नाले में बह जाने के बाद पिता लक्ष्मी नारायण पवार इसी तरह मदद के लिए चीख-पुकार कर रहे थे। टिकरापारा थाना क्षेत्र के श्रद्धा विहार के लक्ष्मी नारायण अपनी बेटी तुसिता को गोद में लेकर तेज बहाव वाले नाले में बेटे त्रिवेंद्र को तलाश रहे थे। जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 10:40 बजे लक्ष्मी नारायण अपनी बेटी (7) और बेटे (7) को लेकर डूमरतराई इलाके में घूमने निकले थे। तेज बारिश के बाद नाले में काफी पानी भर गया था। रिंग रोड पर कमल होटल के पास वो अपने बच्चों को खड़ा करके नाला देख रहे थे। पानी का बहाव देखकर लक्ष्मी नारायण का बेटा शास्वत नगर नाले में पैर धोने लगा। सुबह करीब 11 बजे अचानक पानी का बहाव तेज हो गया और त्रिवेंद्र नाले में गिर गया और बह गया। घटनास्थल से करीब 20 मीटर दूर मौजूद स्थानीय लोगों ने बच्चे को बहते देखा और उसे बाहर निकाला। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

इकलौता बेटा था परिवार में

पुलिस के मुताबिक, लक्ष्मी नारायण के जुड़वां बच्चे हैं। बेटे का नाम त्रिवेंद्र और बेटी का नाम तुसिता है। दोनों बच्चे लगातार हो रही बारिश के बाद शास्वत नगर नाले को देखने की जिद कर रहे थे। शनिवार सुबह लक्ष्मी नारायण दोनों बच्चों को नाला दिखाने लेकर गए थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

हादसे की खबर मिलते ही पवार परिवार के सदस्य और रिश्तेदार अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंच गए। अस्पताल में त्रिवेंद्र के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल था। बेटे की मौत की खबर से त्रिवेंद्र की मां बेसुध हो गई। परिवार के लोग लक्ष्मी नारायण और उनकी पत्नी को संभालते रहे और उन्हें अपनी बेटी तुसिता को संभालने की सलाह दे रहे थे।

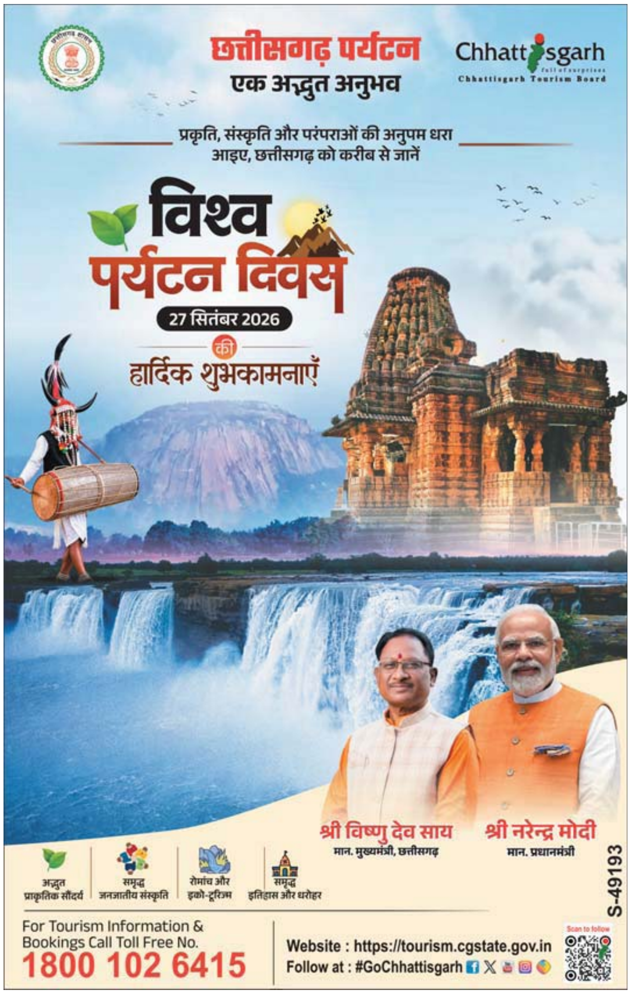

पितरों की कृपा का पर्व : 27 सितंबर से पितृपक्ष शुरू, जानें तर्पण का महत्व और श्राद्ध की तिथियां

पितरों के प्रति श्रद्धा तर्पण दान पुन्य का महत्व

सनातन धर्म में पितृपक्ष का विशेष धार्मिक महत्व है यह समय अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और स्मरण व्यक्त करने का पावन पर्व होता है पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि पितृपक्ष के दौरान पितरों के निमित्त तर्पण पिंडदान ब्राह्मण भोजन तथा दान पुण्य का विशेष महत्व है श्राद्ध पक्ष के दौरान गौ सेवा अनुदान वस्त्रदान और जरूरतमंद की सहायता से पितरों की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख समृद्धि आती है।

पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि श्राद्ध पक्ष के दौरान तामसिक भोजन लहसुन प्याज इत्यादि का सेवन नहीं करना चाहिए दाढ़ी बाल नहीं बनवाना चाहिए ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना चाहिए पितृ की प्रिय वस्तु को रोज बनाकर गाय कुत्ता कौवा को खिलाकर प्रसाद ग्रहण करना चाहिए ब्राह्मण भोजन कराना चाहिए कोई नई वस्तु की खरीदी नहीं करना चाहिए। पवित्र नगरी अमरकंटक मां नर्मदा के उद्गम स्थल के रूप में देश भर से धार्मिक और आध्यात्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है इसी नर्मदा क्षेत्र में स्थित आरणी संगम नामक स्थल में तर्पण एवं श्राद्ध की दृष्टि से विशेष महत्व बताया गया है पितृपक्ष के दौरान यहां नर्मदा तट पर श्राद्ध तर्पण और पिंडदान के लिए श्रद्धालु पहुंचते हैं और अपने पूर्वजों का पिंडदान करते हैं।

प्रमुख तिथियां

- 26 सितंबर – पूर्णिमा श्राद्ध
- 27 सितंबर – प्रतिपदा श्राद्ध
- 28 सितंबर – द्वितीया श्राद्ध
- 29 सितंबर – तृतीया श्राद्ध
- 30 सितंबर – चतुर्थी एवं पंचमी श्राद्ध
- 1 अक्टूबर – षष्ठी श्राद्ध
- 2 अक्टूबर – सप्तमी श्राद्ध
- 3 अक्टूबर – अष्टमी श्राद्ध
- 4 अक्टूबर – नवमी श्राद्ध
- 5 अक्टूबर – दसवीं श्राद्ध
- 6 अक्टूबर – एकादशी श्राद्ध
- 7 अक्टूबर – द्वादशी श्राद्ध
- 8 अक्टूबर – त्रयोदशी श्राद्ध
- 9 अक्टूबर – चतुर्दशी श्राद्ध
- 10 अक्टूबर – सर्व पितृ अमावस्या

किस दिन किसका श्राद्ध करें

पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि पूर्णिमा प्रतिपदा पहला दिन पूर्णिमा तिथि पर जिनका देहांत हुआ हो उनका श्राद्ध प्रतिपदा तिथि पर नाना नानी या वे पूर्वज जिनका निधन प्रतिपदा को हुआ है

द्वितीय से चतुर्थी तिथि

परिवार के जिन सदस्यों का निधन द्वितीय तृतीय या चतुर्थी को हुआ हो उनके नाम से इन तिथियां पर श्राद्ध होता है

पंचमी तिथि

यह तिथि उन परिवार जनों के लिए खास मानी जाती है जिनकी मृत्यु अविवाहित कुंवारी स्थिति में हुई हो

षष्ठी सप्तमी तिथि

इन तिथियां पर उन पूर्वजों का श्राद्ध किया जाता है जिनका देहांत षष्ठी या सप्तमी को हुआ हो

अष्टमी व नवमी तिथि

नवमी तिथि विवाहित महिलाओं सौभाग्यवती स्त्री जिनकी मृत्यु पति के जीवित रहते हुई हो श्राद्ध के लिए उत्तम मानी गई है इसे मातृ नवमी भी कहते हैं

दसमी व एकादशी तिथि

इन दिनों में उन पूर्वजों का श्राद्ध किया जाता है जिनकी मृत्यु दशमी या एकादशी तिथि को हुई हो

द्वादशी तिथि

यह तिथि सन्यासी यति या संन्यास लेने वाले पूर्वजों के लिए श्राद्ध के लिए होती है

त्रयोदशी तिथि

इस दिन उन बच्चों या युवा सदस्यों का श्राद्ध किया जाता है जिनका अल्प आयु कम उम्र में निधन हो गया हो

चतुर्दशी तिथि

इस तिथि पर किसी दुर्घटना शस्त्रघात जहर या किसी भी प्रकार की अकाल मृत्यु का शिकार हुए लोगों का श्राद्ध किया जाता है

सर्व पितृ अमावस्या अंतिम दिन

यदि आपको किसी भी पूर्वज की मृत्यु की तिथि याद नहीं है या परिवार के सभी ज्ञात अज्ञात पितरों का एक साथ श्राद्ध करना चाहिए पितृ पक्ष के अंतिम दिन यानी सर्व पितृ अमावस्या पर सब का श्राद्ध और तर्पण किया जा सकता है

व्यंग्य रचना : हल्की फांसी की सजा

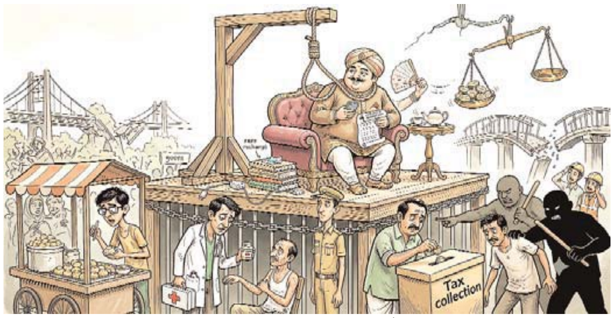

डॉ. किशोर अग्रवाल

संरक्षित होकर सारे अवसर लील गये कुछ लोग। विद्वान बच्चे पानीपूरी बेच रहे हैं। (-) 3 त्र वाला चिकित्सा संचालनालय में डायरेक्टर बना बैठा है और टॉपर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में खुजली की मलहम लगा रहा है! सुरक्षा व फौज में लड़ने की बात आती है तो छह फुटे सीने पर गोली खाने वाले जवानों की तलाश होती है, पर भर्ती में पिचके सीने में छूट पाकर भर्ती हुए लोग चयन समिति में सलाहकार बने बैठे हैं।

बकरा दाढ़ियों के सामने कलई खुल गई है। उनमें भी प्रश्न पूछने वाले हो गये तो उनके खैरख्वाह गोदाम से ये दूसरी बोरी खोल लाये हैं। मीम के साथ नहीं चल पाये तो टीम बदल दी है। हरियाली रास नहीं आयी तो नील की खेती के लिये गिरमिटिया लाये हैं।

कभी तो चैन की सांस लेने दो आम आदमी को, रोज कमाना रोज खाना जिसकी जात है। सुबह से रात तक धक्के खाता खटता हुआ वह कदम कदम पर टैक्स भर रहा है। टैक्स देता जाता है, देता जाता है और रोज के प्रपंचों में न सड़क पर चल पाता है न रोजगार चला पाता है।

डरा सहमा निकलता है, कुछ समझने के लिये ठिठक जाए तो वहीं डंडे खाता है, उसके टैक्स से सारा देश मुफ्त में खाता है। बहकाए हुए गुंडे उसका ठेला, घर, दफ्तर, संस्थान, वाहन और अरमान सब फूंक देते हैं। था शोषण व तिरस्कार, जरूर रहा होगा । पर जिनका हुआ था वे पीढ़ियां कब की काल कलवित हो गई। पानी का रोना रोने वालों को मुफ्त की तोड़ते बरसों हो गये। देश के कौशल पर बेताल बन कर चिपक गये नाकारा लोग। कौशल का विक्रम जैसे ही कोई हल निकालता है, ये उड़कर श्मशान के किसी सूखे पेड़ पर फिर से उलटे लटक जाते हैं।

कभी कभी तो लगता है, मेहनत से काम करने वालों को दुधारू पशुओं सा पाल लिया गया है और उन्हें चारा देने की भी जरूरत नहीं। बुद्धिमान, जुझारू, मेहनती आदमी कमाए, टैक्स दे, बदले में कोई सुविधा नहीं और उनकी कमाई से कुछ लोग बैठे बैठे आनंद लें, जिम्मेदारी कुछ नहीं!

नयी व्यवस्था में प्रावधान करने चाहिए कि स्कूल में किताबें, कापियां, ड्रेस ही मुफ्त नहीं बल्कि होमवर्क न करने या गलती करने पर बाजू वाले को थप्पड़ मारना पर्याप्त होगा, विशिष्ट बालक खुद समझ जाएगा कि यह उसके लिये था। मेरिट लिस्ट में उच्चतम अंक पाने वालों से आधे अंक लाकर भी उसी के बराबर वेटेज दिया जा सकता है। कक्षा और अध्यापक खुद चुन सकता है। आर्ट्स का विषय लेकर मन करे तो चिकित्सा व इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर सकता है। विषय के ज्ञान की जगह दृढ़ इच्छा ही काफी होगी। उसके सेंटिमेंट्स को बाधित नहीं किया जा सकता।

किसी भी पद पर नियुक्ति होने पर उसी नियुक्ति आदेश में पदोन्नति आदेश साथ-साथ संलग्न रहे।पदोन्नति की तिथि आने पर वह स्वतः पदोन्नत हो जाएगा। विशिष्ट को किसी भी वित्तीय अनुशासनहीनता या जांच के दायरे में नहीं लाया जा सकेगा। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने की इच्छा करने पर उस परीक्षा में सफल मान लिया जावेगा क्योंकि उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन में कम अंक दिये जाने पर शिक्षक को क्यों उलझाना, जब न्यूनतम अंक लाने पर भी नियुक्ति या प्रवेश होना ही है तो अन्य लोगों को बली का बकरा क्यों बनाना!

कार्य निर्वहन में गलती करने पर निलंबन करना, विभागीय जांच करने जैसी क्रूरताएं नहीं की जाएगी। कार्यालय प्रमुख अपने कक्ष में चाय पर बुलाकर केवल सुधार का निवेदन कर सकेगा।

अपराधिक मामलों में गहन जांच के बाद यदि अपरिहार्य हुआ तो एफआई आर विशिष्ट आयोग की अनुमति से ली जा सकेगी किन्तु सामान्य व्यक्तियों की तरह कठोर सजा कदापि न दी जा सकेगी। जघन्य अपराधों में भी सजा देने में नरमी बरती जाएगी। सश्रम कठोर कारावास जैसे शब्द न्यायालयीन आदेशों का भाग नहीं होंगे।

अपेक्षाकृत आरामदायक बंदी गृहों में रखा जाना चाहिए ताकि उसे जेल का अहसास तो हो पर किसी तरह की शारीरिक यातना न दी जानी चाहिए। फांसी योग्य अपराध हो तो हल्की फांसी दी जावेगी अर्थात फांसी की रस्म अदायगी की जावे पर तख्ता हटाने का लीवर नहीं खींचा जाना चाहिए! इस तरह जेल गये बंदियों को मुफ्त मोबाइल फोन रिचार्ज सहित, मासिक निवास भ्रमण की भी सुविधा दी जानी चाहिए। बंदी रहने के दौरान उसके परिवार को आर्थिक अनुदान देने पर भी विचार किया जाना चाहिए।

कोई शोषण न कर सके इसका सरल उपाय है। कुछ विद्यालय, महाविद्यालय चिन्हित कर सारा शैक्षणिक स्टाफ वह हो जो शोषण करने वालों में से न हो। इसी तरह ही उच्च शिक्षा संस्थान भी संरक्षित हों। इनसे जो डॉक्टर, इंजीनियर व वैज्ञानिक तैयार हों, वे चिन्हित अस्पतालों में ही इलाज करें। संरक्षित चिन्हित क्षेत्रों के पुल, पुलिया, भवन व सड़कों का निर्माण करें। उनके अपने विकास के लिए आविष्कार करें। चिन्हित सीटों से चुनकर आये जनप्रतिनिधियों का इलाज इन्हीं के कुशल व अशोषित हाथों से हो।

शोषकों द्वारा बनायी गई हर चीज का उन्हें परित्याग कर दुनिया को दिखा देना चाहिए कि वे उन पर अवलंबित नहीं हैं और चिन्हित क्षेत्रों में शत प्रतिशत प्रबंधन पर एकाधिकार कर लिया गया है।

हजारों साल पहले बिना ग्राइंडर के इतना चिकना शिवलिंग कैसे बना

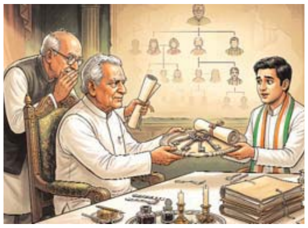

गोकुल सोनी

साथियो, सिरपुर की धरती अपने भीतर न जाने कितने रहस्य समेटे हुए है।

पुरातात्विक खुदाई में यहां प्राचीन शहर, बाजार, मंदिर और अनेक ऐसी चीजों के अवशेष मिले हैं, जिन्हें देखकर आज भी आश्चर्य होता है।

लेकिन सिरपुर की मेरी यात्रा के दौरान एक चीज ने मुझे कुछ देर के लिए सचमुच सोचने पर मजबूर कर दिया। यहां हाईस्कूल के सामने पुरातात्विक अवशेषों के बीच भगवान शिव का एक प्राचीन मंदिर मिला है। मंदिर परिसर में एक बड़ा शिवलिंग भी है।

शिवलिंग को देखकर पहली नजर में शायद आपको कुछ असाधारण दिखाई न दे, लेकिन इसकी एक खासियत आपको रुककर सोचने के लिए मजबूर कर देती है। हमारे गाइड ने बताया कि यह शिवलिंग इतना चिकना है कि इस पर पानी की एक बूंद भी आसानी से ठहरती नहीं है।

जब इसके ऊपर पानी डाला जाता है तो पानी इसकी सतह पर रुकने के बजाय फिसल जाता है और इसकी चमकदार सतह पर परछाई तक दिखाई देने लगती है। इसी विशेषता के कारण इसे स्थानीय रूप से "चिकना शिवलिंग" भी कहा जाता है।

मैं कुछ देर तक उसे देखता रहा। और फिर मन में एक सवाल आया–

आज हमारे पास पत्थर को घिसकर चमकाने के लिए आधुनिक मशीनें हैं, ग्राइंडर हैं, पॉलिश करने के अनेक साधन हैं। लेकिन जब ये चीजें थीं ही नहीं, तब हजारों साल पहले किसी कारीगर ने पत्थर को इतना चिकना कैसे कर दिया होगा ?

आखिर उस समय न बिजली थी, न आधुनिक मशीनें और न ही आज जैसे औजार। फिर भी पत्थर की सतह ऐसी कि पानी की बूंद भी ठहरने का नाम नहीं लेती। यही तो हमारे प्राचीन कारीगरों की कला और तकनीकी समझ का कमाल है। हजारों साल पहले के उस कारीगर के हाथ में मशीन नहीं थी मगर हुनर जरूर था। और शायद यही सिरपुर की सबसे बड़ी खूबसूरती है।

खंडहरों में हमें सिर्फ पुराने पत्थर दिखाई देते हैं, लेकिन अगर थोड़ी देर रुककर उन्हें देखा जाए तो उन्हीं पत्थरों के पीछे हजारों साल पुरानी मेहनत, तकनीक, कला और बुद्धिमत्ता की कहानी दिखाई देने लगती है।

अब आप ही बताइए–

बिना आधुनिक मशीनों के उस समय पत्थर को इतना चिकना कैसे बनाया गया होगा ? क्या आपके पास इसका कोई जवाब है ?

पिता

पिता घर है, दीवार है, कोना है
पिता मखमली घास का बिछौना है
पिता विशाल बरगद की छांव है
पिता की गोद में सुख संसार सलौना है।

पिता ज्ञान और प्रेम का भंडार है
पिता हमारे जीवन का आधार है
पिता से मिलती पहचान हमको
पिता ही हमारा पालनहार है।

पिता धूप तो कभी छांव है
पिता शहर तो कभी गांव है
पिता के बिन अधूरी है दुनिया
पिता ही हमारा संसार है।

पित सुख की मधुर बयार है
पिता दुशमनों पर करता वार है
पिता पथदर्शक उजियार है
पिता जीवन नैया का पतवार है।

पिता उम्मीद है पिता आस है
पिता परिवार की हिम्मत और विश्वास है
पिता बाहर से सख्त और अंदर से नर्म है
पिता के दिल में रहता दफ्न कई मर्म है।

पिता संघर्ष की आंधियों में, हौंसलों का दीवार है
पिता परेशानियों से लडने् को दोधारी तलवार है।

पिता बचपन में खुश करने वाला खिलौना है
पिता नींद ना आने पर, हमारे लिये बनता बिछौना है।
पिता पारिवारिक जिम्मेदारी से लदी गाड़ी का सारथी है
पिता हमको बराबर हक दिलाने वाला महारथी है।

पिता हमारा जमीर है, पिता हमारा जागीर है
पिता का साया है जिनके उपर वो शख्स सबसे अमीर है।
पिता से हमारी आन बान और शान है
पिता ही हमारे लिये भगवान है।।

डॉ. सुनील गुप्ता तनहा
(कवर्धा छ.ग.)

व्यंग्य : परिवार का भरोसा, रिश्तेदारी में परोसा

संजय एम तराणेकर

राजनीति में भरोसे का नया पारिवारिक अध्याय जो कभी खत्म न होने वाली चीज है। बस शर्त यह है कि परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी बच्चों का जन्म होते रहना चाहिए। यानी परिवार बढ़ेगा और परिवार खिलेगा। राजनीति भी कमाल की चीज़ है। यहाँ मौसम बदलने में समय लगता है, लेकिन राजनीतिक समीकरण बदलने में कभी-कभी एक बैठक ही काफी होती है। कल तक जो नेता पार्टी के दरवाजे पर दस्तक दे रहा था, आज वही पार्टी की जिम्मेदारी का दरवाजा खोल सकता है। और अगर परिवार साथ हो तो राजनीति की सीढ़ियाँ कुछ और भी आसान दिखाई देने लगती हैं। यानी राजनीति में अगली पीढ़ी की एंट्री का एक और अध्याय शुरू हो गया है। अब राजनीति में परिवार का महत्व समझना हो तो किसी सरकारी दफ्तर की पुरानी फाइल देख लीजिए। ऊपर से नीचे तक सब कुछ व्यवस्थित दिखाई देता है, बस यह पता नहीं चलता कि अगली फाइल किसके हाथ में जाएगी! कभी राजनीति में कहा जाता था-÷कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ है।÷ अब आधुनिक राजनीति ने इस वाक्य में एक नया फुटनोट जोड़ दिया है-÷और परिवार रीढ़ की हड्डी के पास बैठा सलाहकार भी हो सकता है!÷ आखिर राजनीति में अपेक्षाकृत नए लोगों को चांस दिया जाता हैं। वह परिवार के हो तो आश्चर्यचकित नहीं होना चाहिए। आखिर भरोसे की राजनीति भी तो कोई चीज होती है कि नहीं...! जब सलाहकारों की चलती है तो वह यह भी कह सकते हैं कि वह पिछले कुछ समय से सक्रिय थे। इसलिए ही तो पार्टी ने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। अब सवाल यह नहीं कि राजनीति में अनुभव कितना है, बल्कि यह भी है कि अनुभव प्राप्त करने का अवसर किसे और कितनी जल्दी मिलता है। परिवारवाद पर राजनीति में बहस कोई नई बात नहीं। लगभग हर पार्टी में कभी न कभी यह सवाल उठता रहा है कि संगठन में रिश्तेदारी और योग्यता का संतुलन कैसे बनाया जाए। समर्थक इसे भरोसे और निरंतरता का नाम देते हैं, आलोचक इसे अवसरों के सीमित दायरे से जोड़ते हैं। जनता दोनों तर्क सुनती है और फिर अपनी समझ से निष्कर्ष निकालती है।मगर भारतीय राजनीति की खूबसूरती देखिए-यहाँ पद का नाम जितना बड़ा होता है, उसके साथ जुड़ी चर्चा उससे भी बड़ी हो जाती है। ÷राष्ट्रीय संयोजक÷ यह सुनते ही लगता है कि अब पूरे देश की राजनीति की चाबी उसकी जेब में आ गई होगी। भले ही जिले के 50 कार्यकर्ताओं को वह न जानता हों। इससे तो भाई यही साबित होता है कि पार्टी का परिवार ही सब कुछ है अगर परिवार नहीं है तो पार्टी का भरोसा किस पर होगा? यह अलग बात है की बैठक में असली परीक्षा तो तब होती है जब संगठन की बैठक में दस लोग एक साथ बोलें और सबको शांत कराकर निर्णय लेना पड़े! सलाहकारों जमात तो यही चाहती है कि वह हमेशा कंट्रोल करते रहे भले उनकी एक दो सलाह को दरकिनार क्यों? न कर दिया जाए। वे कहते हैं संगठनात्मक तैयारियाँ चल रही हैं। ऐसे में नई जिम्मेदारी पाने वालों के सामने असली चुनौती यही होगी कि वे कागज पर मिली जिम्मेदारी को जमीन पर संगठन की सक्रियता में कितना बदल पाते हैं। भइये राजनीति में विरासत मिल सकती है, पद मिल सकता है, पहचान मिल सकती है-लेकिन जनता का भरोसा शायद ऐसी चीज है जिसकी कोई पारिवारिक रजिस्ट्री नहीं होती। यह बात जरूर है परिवार का भरोसा, रिश्तेदारी में परोसा।

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा। आज आप वाणी की मधुरता एवं युक्तियों के बल पर बड़े लोगो से सम्बन्ध बनाएंगे।

वृष: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा स्वभाव में आलस्य दिन के आरंभ से ही छाया रहेगा फिर भी अतिआवश्यक कार्यो में विलंब नही होने देंगे। सेहत सामान्य रहेगी विपरीत लिंगीय आकर्षण अधिक रहेगा।

मिथुन: आज का दिन आप सुख-शांति से व्यतीत करेंगे नए कार्य के आरम्भ की रूप रेखा बनाएंगे लेकिन आज आलस्य के कारण बीच मे ही भूल भी जाएंगे। स्त्री-संतान का सहयोग मिलेगा।

कर्क: आज का दिन आपको प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। प्रातःकाल से ही परिजन अथवा किसी अन्य महत्त्वपूर्ण व्यक्ति की जिद परेशानी में डालेगी ।

सिंह: आज के दिन का पूर्वार्ध शुभफलदायी रहेगा स्वभाव में मनमानी रहने के कारण परिजनों को परेशानी होगी घरेलू समस्याओं के समाधान करने की जगह टरकाने पर किसी से झड़प हो सकती है।

कन्या: आज का दिन व्यस्तता से भरा रहेगा साथ ही आज खर्चो पर नियंत्रण नही रहेगा अधिकांश खर्च आज आवश्यक ही होंगे पर दिखावे के ऊपर ही।

तुला: आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा बुद्धि विवेक रहने के बाद भी हर काम मे अपनी ही चलाएंगे चाहे फिर आगे उसका नतीजा विपरीत ही क्यो ना निकले।

वृश्चिक: आज के दिन चंचलता आपके मन मस्तिष्क पर हावी रहेगी। स्वयं किसी को।कुछ भी बोल देंगे लेकिन किसी अन्य की छोटी सी बात भी सहन नही कर पाएंगे ।

धनु: आज का दिन भी आपको शुभ फल देने वाला है। आज आप अपने व्यवहार कुशलता से किसी का भी दिल जीत सकते हैं आज के दिनों से मन मे चल रही।

मकर: आज का दिन आप सुख-शांति से व्यतीत करेंगे नए कार्य के आरम्भ की रूप रेखा बनाएंगे लेकिन आज आलस्य के कारण बीच मे ही भूल भी जाएंगे।

कुंभ: आज के दिन आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे लेकिन आपका स्वभाव पल पल में बदलने से सहजनो को असुविधा होगी। टालने पर भी धार्मिक आयोजनों में भी सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा।

मीन: आज के दिन आपको प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। आज आपमें आनंद एवं स्फूर्ति का अभाव रहने से कार्य में मन नहीं लगेगा।

QUIZ TIME

1) मीराबाई चानू ने एशियाई खेल 2026 में 49 किग्रा में कौन सा पदक जीता है?

2) सरकारी नीतियों / परियोजनाओं के बारे में मीडिया को जानकारी देने वाली एजेंसी कौन सी है?

3) मैडम भीकाजी कामा ने स्टटगार्ट, जर्मनी में भारतीय ध्वज किस वर्ष फहराया था?

4) किस वैज्ञानिक को पोलोनियम तत्व की खोज का श्रेय दिया जाता है?

5) 23 सितंबर 2026 को उत्तरप्रदेश के किन शहरों में भारत टैक्सी सेवा शुरू की गई?

उत्तरमाला- (1) सिल्वर (2) पीआईबी (3) 22 अगस्त 1907 (4) मैरी क्यूरी (5) लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, कानपुर और प्रयागराज

RamaQuiz

बाढ़ में बहती शराब पकड़ने मची होड़, जान जोखिम में डालकर नदी में उतरे लोग

■ महानदी के तेज बहाव में बोतलें पकड़ने लगाए तरह-तरह के जुगाड़, सोमवारी बाजार पुल पर मेले जैसा नजारा, लगा जाम

नवापारा-राजिम/नवप्रदेश। लगातार बारिश के बाद महानदी में आई बाढ़ के बीच शनिवार को गोबरा नवापारा के सोमवारी बाजार पुल पर अजीबोगरीब नजारा देखने को मिला।

धमतरी की ओर से तेज बहाव के साथ प्लास्टिक की बोतलों में शराब बहकर आने की खबर फैलते ही पुल पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। शराब की बोतलें हासिल करने की होड़ में कई लोग तेज बहाव के बेहद करीब तक पहुंच गए और तरह-तरह के जुगाड़ लगाकर नदी से बोतलें निकालते नजर आए।

बताया जा रहा है कि महानदी के तेज बहाव में प्लास्टिक की बोतलों में भरी शराब बहते हुए गोबरा नवापारा की ओर पहुंच रही है। खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग सोमवारी बाजार पुल पर जमा हो गए और नदी में बहकर आ रही बोतलों पर नजरें टिकाकर उन्हें पकड़ने का प्रयास करने लगे।

बाढ़ के बीच शराब की बोतल के लिए जिंदगी दांव पर

बाढ़ के तेज बहाव के बीच शराब की बोतलें पकड़ने के लिए नदी के करीब जाना बेहद जोखिमभरा है। जरा-सी चूक या पैर फिसलने पर व्यक्ति तेज बहाव की चपेट में आ सकता है। इसके बावजूद बोतल पकड़ने की होड़ में लोगों का इस तरह खतरा मोल लेना गंभीर चिंता का विषय है। इधर महानदी में बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव को देखते हुए प्रशासन लगातार लोगों से नदी, पुलों और जलभराव वाले क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील कर रहा है। बाढ़ के बीच तमाशबीनों की भीड़ और इस तरह की लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

बांस, जाली और कैरेट का जुगाड़, बोतल पकड़ने की होड़

बोतलें पकड़ने के लिए लोग तरह-तरह के जुगाड़ करते नजर आए। किसी ने बांस में मछली पकड़ने वाली जाली बांधकर नदी में डाल दी, तो किसी ने सब्जी का कैरेट या प्लास्टिक की टोकरी बांस से बांधकर बहती बोतलों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान कुछ लोग नदी के खतरनाक बहाव के बेहद करीब तक पहुंच गए।

रायपुर और धमतरी जिले को जोड़ने वाले सोमवारी बाजार पुल पर बाढ़ देखने और शराब की बोतलें पकड़ने वालों की भीड़ के चलते मेले जैसा माहौल बन गया। पुल पर वाहनों की आवाजाही के बीच जाम जैसी स्थिति भी निर्मित हुई।

धमतरी के नारी गांव की शराब दुकान डूबने की चर्चा

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि धमतरी जिले के ग्राम नारी स्थित शराब दुकान बाढ़ के पानी में डूब गई है। बताया जा रहा है कि दुकान की दीवार ढहने के बाद प्लास्टिक की बोतलें पानी के तेज बहाव में बहकर महानदी के रास्ते नवापारा की ओर पहुंच रही हैं। हालांकि, शराब के नदी में बहकर आने के वास्तविक कारण और स्रोत की आधिकारिक पुष्टि संबंधित विभाग द्वारा किया जाना बाकी है।

मुंगेली में कैट का संगठन विस्तार, नई कार्यकारिणी का गठन

रायपुर/नवप्रदेश। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री राकेश ओचवानी, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री शंकर बजाज एवं प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सूरज ठाकुर भी उनके साथ प्रवास पर उपस्थित रहे। बैठक में मुंगेली के व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं, व्यापारिक हितों, संगठन के विस्तार एवं स्थानीय व्यापार को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

न्यूज गैलरी

विवाद के मामले में दो व्यक्तियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

छुईखदान/नवप्रदेश। थाना छुईखदान पुलिस ने वाद-विवाद, गाली-गलौज एवं लड़ाई-झगड़े से संबंधित शिकायतों पर दो

व्यक्तियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार 25 सितंबर को वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में रमेश रजक उर्फ बंटी (40) और राजेश वैष्णव उर्फ सोनू (30), दोनों निवासी वार्ड क्रमांक 09 कनक नगर, के विरुद्ध कार्रवाई की गई। ुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार रमेश रजक के विरुद्ध इस्तगासा क्रमांक 55/183/2026 तथा राजेश वैष्णव के विरुद्ध इस्तगासा क्रमांक 56/184/2026 के तहत धारा 170/126, 135(3) बीएनएसएस के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रखने की बात कही है।

उपस्वास्थ्य केंद्र और सीसी रोड का भूमिपूजन, टीना शेड का लोकार्पण

छुरा/नवप्रदेश। गणेशोत्सव के अवसर पर ग्राम अमलोर में आयोजित विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में ग्रामीणों का उत्साह देखने लायक रहा। बारिश के बीच आयोजित कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू ने उपस्वास्थ्य केंद्र और सीसी रोड का भूमिपूजन किया, जबकि टीना शेड का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत छुरा अध्यक्ष मीरा ठाकुर ने की। विधायक के अमलोर पहुंचने पर ग्रामीणों ने आतिशबाजी और पारंपरिक रावत नाचा के साथ उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत गरियाबंद के कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य सभापति लेखराज ध्रुव, भाजपा जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू सहित जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। **जनप्रतिनिधियों की पीड़ा करीब से समझी :** कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रोहित साहू ने कहा कि वे किसान-मजदूर परिवार से आते हैं और पंच, सरपंच तथा जिला पंचायत सदस्य के रूप में जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को विकास कार्यों के लिए किन कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है, इसका उन्हें स्वयं अनुभव है। उन्होंने कहा कि राजिम विधानसभा क्षेत्र के गांव-गांव तक विकास पहुंचाना उनका संकल्प है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि पात्र गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने का प्रयास जारी है।

झांकी उत्सव को भव्य बनाने मैदान में उतरे महापौर मधुसूदन यादव

राजनांदगांव/नवप्रदेश। संस्कारधानी की ऐतिहासिक झांकी को लेकर महापौर मधुसूदन यादव की संवेदनशीलता और तत्परता

की शहरभर में प्रशंसा हो रही है। झांकियों के सुगम भ्रमण के लिए उन्होंने स्वयं संज्ञान लेते हुए पूरे मार्ग में पेड़ों की डालियों की छंटाई का कार्य तेजी से पूरा करवाया, जिससे समितियों और कलाकारों को बड़ी राहत मिली है। ?दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो, इसके लिए महापौर की विशेष निगरानी में पूरे झांकी मार्ग पर सफाई और शुद्ध पेयजल की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। जमीनी स्तर पर उतरकर हर छोटी-बड़ी जरूरत का ध्यान रखने की महापौर की इस कार्यशैली को नागरिक और झांकी समितियां खूब सराह रही हैं।

सर्व यादव समाज युवा प्रकोष्ठ की बैठक आज

नगरी/नवप्रदेश। सर्व यादव समाज युवा-युवती प्रकोष्ठ, सिहावा क्षेत्र के मार्गदर्शन एवं सहमति से आगामी 27 सितंबर 2026, रविवार को सुबह 11 बजे महानदी के उद्गम स्थल स्थित श्री कर्णेश्वर महादेव मंदिर, देऊरपारा, सिहावा में युवा-युवती विचार-मंथन बैठक का आयोजन किया जाएगा। बैठक में सिहावा क्षेत्र के सर्व यादव समाज के युवक-युवतियों के साथ समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समाज प्रमुख शामिल होंगे। बैठक का उद्देश्य सामाजिक एकता एवं समरसता को मजबूत करने, युवाओं को सामाजिक अधिकारों एवं जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने तथा समाज के विकास में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर विचार-विमर्श करना है। बैठक में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, विशेष शिक्षा अभियान चलाने, सामाजिक गतिविधियों में युवाओं को जिम्मेदारी देने तथा युवा-युवतियों के विकास सहित विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा की जाएगी। वहीं समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं का सम्मान भी किया जाएगा। **प्रदेश पदाधिकारियों की रहेगी विशेष उपस्थिति :** आयोजकों के अनुसार बैठक में सिहावा क्षेत्र के वरिष्ठ समाज प्रमुखों के साथ प्रदेश सचिव पवन यादव एवं सामाजिक जागरूकता सदस्य सीजी गजेंद्र यादव, जलसों-बिलासपुर की विशेष उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि स्वागत एवं स्वागत गीत के साथ किया जाएगा। बैठक के पश्चात युवा प्रकोष्ठ के साथियों के सहयोग से उपस्थित समाजजनों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

पांच घंटे से अधिक समय तक प्रभावितों के बीच रहे जिला पंचायत अध्यक्ष

बाढ़ से जूझ रहे दरगहन में पहुंचे सार्वा, घर-घर पहुंचकर देखी तबाही

सार्वा ने सुरक्षित आश्रय और अन्य व्यवस्था के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

नगरी/धमतरी/नवप्रदेश। धमतरीं जिले में पिछले तीन दिनों से हुई लगातार बारिश के बाद जलाशयों के भर जाने और सुरक्षा की दृष्टि से पानी छोड़े जाने के कारण महानदी समेत नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। गंगरेल जलाशय से पानी छोड़े जाने के बाद महानदी के किनारे बसे कई गांवों में बाढ़ की स्थिति निर्मित हुई। विकासखंड नगरी के अंतिम गावँ दरगहन भी इसकी चपेट में आया, जहां ग्राम का एक मोहल्ला नया डीही सबसे अधिक प्रभावित हुआ, इस मोहल्ले के लगभग 100 से अधिक घरों में लगभग 4 फ़ीट बाढ़ का पानी पहुंचने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थिति की जानकारी मिलने के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा ने 25 सितंबर से ही संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर राहत एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर प्रयास शुरू कर दिए थे। इसके बाद शनिवार 26 सितंबर की सुबह वे स्वयं दरगहन पहुंचे और प्रभावित क्षेत्र में पांच घंटे से अधिक समय बिताकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने केवल सामूहिक रूप से जानकारी लेने के बजाय प्रभावित परिवारों के घर-घर पहुंचकर मकानों, घरेलू सामान और परिवारों की स्थिति को करीब से देखा तथा ग्रामीणों से उनकी समस्याएं सुनीं।

बाढ़ की भयावहता घरों के अंदर दिखाई दी

निरीक्षण के दौरान कई घरों में बाढ़ से हुए नुकसान की गंभीर तस्वीर सामने आई। घरों में रखा सामान, खाद्य सामग्री और बच्चों की पढ़ाई की किताबें तक पानी में खराब हो गईं। कई कच्चे मकानों में पानी घुसने से परिवारों के सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है। 80 वर्षीय फ़नीबाई निषाद, जो लंबे समय से लकवे से पीड़ित हैं, के घर में करीब साढ़े तीन फ़ीट पानी भर जाने से स्थिति बेहद कठिन हो गई थी। परिवार के सदस्यों को उन्हें घर के भीतर उपलब्ध खाली तेल के टीपों के सहारे ऊंचाई पर सुरक्षित रखना पड़ा। इस स्थिति को देखकर बाढ़ की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। लोकनाथ निषाद, लक्ष्मी विश्वकर्मा तथा मूलचंद और ममता साहू के मकानों सहित अन्य प्रभावित परिवारों के घरों का भी सार्वा ने निरीक्षण किया। उन्होंने क्षति का जायजा लेते हुए अधिकारियों से प्रभावित परिवारों को नियमानुसार आवश्यक राहत उपलब्ध कराने की दिशा में तत्काल कार्रवाई करने को कहा।

पेयजल, भोजन की कराई तत्काल व्यवस्था

15 दिनों तक पेयजल-भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सदस्य अजय फ़ोलाल ध्रुव, जनपद पंचायत नगरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नारद मांझी और तहसीलदार ख्याति कंवर भी मौजूद रहे। अरुण सार्वा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित क्षेत्र में आने वाले दिनों में ग्रामीणों को पेयजल और भोजन की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने करीब 15 दिनों तक आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों के मकान बाढ़ से इस स्थिति में पहुंच गए हैं कि वहां रहना सुरक्षित नहीं है, उनके लिए शासकीय भवनों अथवा अन्य सुरक्षित सार्वजनिक भवनों में अस्थायी ठहरने की व्यवस्था की जाए।

समय पर सूचना और राहत व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों ने रखी बात

ग्रामीणों ने गंगरेल जलाशय से पानी छोड़े जाने की सूचना समय पर नहीं मिलने को लेकर भी अपनी बात रखी। उनका कहना था कि यदि पानी छोड़े जाने की जानकारी कुछ समय पहले मिल जाती तो वे घरेलू सामान और परिवार के सदस्यों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की तैयारी कर सकते थे। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि करीब 1500 की आबादी वाले क्षेत्र के लिए केवल एक नाव उपलब्ध होने से आवागमन और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने में परेशानी हुई। अरुण सार्वा ने ग्रामीणों की बात सुनी और अधिकारियों को राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न होने तथा प्रभावित परिवारों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सरस्वती शिशु मंदिर उमरगांव में गूंजा 'वंदे मातरम्', सामूहिक गायन में शामिल हुए विद्यार्थी और ग्रामीण

नगरी/नवप्रदेश। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर देशभर में आयोजित सामूहिक गायन कार्यक्रमों की कड़ी में सरस्वती शिशु मंदिर उमरगांव में भी गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों, आचार्यों, पालकों एवं गणमान्य नागरिकों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत का गायन कर मातृभूमि के प्रति सम्मान और राष्ट्रभावना का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के तैलचित्र पर विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में 'वंदे मातरम्' के सभी पदों का सस्वर सामूहिक गायन किया। राष्ट्रगीत की गूंज से विद्यालय परिसर देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत हो गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्राचार्य एवं शिक्षाविद लीलाशंकर सूर्यवंशी, संस्था संयोजक देवेन्द्र सेन, ग्राम पंचायत उमरगांव के उपसरपंच फलेंद्र साहू, अध्यक्ष लालसिंह साहू, उपाध्यक्ष विष्णुरत साहू, कंवल सिंह यादव, विष्णु शेष, ललित कौशल एवं प्रधानाचार्य भानुराम ध्रुव सहित संस्था के आचार्यगण, पालक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता आंदोलन में 'वंदे मातरम्' की रही महत्वपूर्ण भूमिका मुख्य वक्ता शिक्षाविद लीलाशंकर सूर्यवंशी ने 'वंदे मातरम्' की रचना एवं उसके ऐतिहासिक संदर्भों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके सामूहिक गायन से मातृभूमि के प्रति सम्मान, गौरव और राष्ट्रभक्ति की भावना और अधिक मजबूत होती है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संयोजक देवेन्द्र सेन ने 'वंदे मातरम' के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला।

दिव्य शक्ति संकुल बेलरगांव में जेंडर सभा और वार्षिक आमसभा का आयोजन

नगरी/नवप्रदेश। दिव्य शक्ति संकुल बेलरगांव में जेंडर सभा एवं वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना, रंगोली, प्रार्थना एवं जेंडर शपथ के साथ हुई।

इस अवसर पर संकुल की दीदियों एवं समूह संगठनों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में लेखापाल जमवनतिन टंडन द्वारा संस्था के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया। जेंडर मास्टर ट्रेनर दीदियों द्वारा तराजू का खेल, नुक्कड़ नाटक, मासिक धर्म स्वच्छता पर चर्चा तथा खुला मंच के माध्यम से महिलाओं और ग्रामीण समुदाय को जागरूक किया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के दुष्प्रभाव, मोबाइल पर होने वाले नशे, सखी मंच, जेंडर फोरम एवं जेंडर रिसोर्स सेंटर (त्नक्रष्ट) की कार्यप्रणाली को सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की समस्याओं, लैंगिक समानता तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़े विषयों पर खुलकर चर्चा की गई। इस अवसर पर कसपुर से जिला पंचायत सदस्य गरिमा मरकाम, जनपद सदस्य नंदनी साहू, बेलर जनपद सदस्य मौशमी मंडावी, बेलरगांव की

सरपंच रीता नेताम व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग प्रभु चित्ररेखा नेताम, टिकेश्वर एंकर कमलनयन, सिहावा थाना प्रभारी एवं पुलिस टीम, आंगनबाड़ी सुपरवाइज़र अनीता साहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, गांव की मितानिन, सहित विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जेंडर मास्टर ट्रेनर कौशिल्या नाग, संकुल जेंडर मास्टर ट्रेनर अध्यक्ष योगेश्वरी साहू, सचिव - लक्ष्मी मानिकपुरी, लेखापाल एवं निर्णायकगण सहित पीआरपी छाया यादव, उमा सिन्हा, शशिकला मार्कण्डेय, संकुल की सभी दीदियां, बैंक मित्र रंजना तथा विभिन्न समूह संगठनों की महिलाएं मौजूद रहीं कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी सदस्यों ने लैंगिक समानता, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक जागरूकता के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

बकतरा सरपंच ने उपेंद्र पर लगाया धमकी और अभद्रता का आरोप

■ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग, परिवार की सुरक्षा को लेकर पुलिस से लगाई गुहार

आरंग/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत बकतरा की सरपंच श्रीमती देवकी बाई टंडन ने ग्राम निवासी उपेंद्र भारती के खिलाफ कथित रूप से गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए मंदिर हसौद थाने में शिकायत दी है। सरपंच ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई तथा स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

शिकायत में सरपंच ने आरोप लगाया है कि 14 मई 2026 को उपेंद्र भारती ने उनके भतीजे के मोबाइल नंबर पर फोन कर कथित रूप से अश्लील एवं अभद्र भाषा का प्रयोग किया और जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता के अनुसार बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग उनके पास सुरक्षित है, जिसे पुलिस के समक्ष साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व में 27 मई 2025 को आरोपी द्वारा उनके पति श्री आदित्य टंडन को कथित रूप से हाथ-पैर तुड़वाने तथा दफनाने की धमकी दी गई थी। इस संबंध में मंदिर हसौद थाने में शिकायत दिए जाने तथा बाद में समझौता कर मामला समाप्त होने की बात कही गई है।

शासकीय भूमि पर निर्माण का भी आरोप

शिकायतकर्ता ने उपेंद्र भारती पर शासकीय भूमि एवं सड़क किनारे स्थित पेड़ों को काटकर कथित रूप से व्यावसायिक निर्माण कराने का आरोप भी लगाया है। इस संबंध में तहसील मंदिर हसौद एवं पुलिस विभाग में पूर्व में शिकायत किए जाने का उल्लेख आवेदन में है। इसके अलावा शिकायत में गांव में जाति एवं धर्म के नाम पर विवाद उत्पन्न कर सामाजिक वातावरण बिगाड़ने का भी आरोप लगाया गया है। सरपंच ने कहा है कि लगातार मिल रही कथित धमकियों और अपमानजनक व्यवहार के कारण उनके तथा उनके परिवार के बीच भय का माहौल बना हुआ है। सरपंच ने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उपलब्ध ऑडियो रिकॉर्डिंग एवं अन्य साक्ष्यों की जांच कराने, कानून के अनुसार कार्रवाई करने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

डोंगरगढ़ में 'नमामि भारतम्' अभियान के तहत गूंजा वंदे मातरम्

डोंगरगढ़। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की रचना के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में 25 सितंबर 2026 को देशभर में 'नमामि भारतम्' अभियान के तहत सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी क्रम में सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, डोंगरगढ़ में भी सुबह 11 बजे राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य प्रकाश यादव की उपस्थिति में किया गया।

प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा से चर्चा के बाद लोक शिक्षण संचालनालय संचालक से हुई सकारात्मक वार्ता

भृत्य से लिपिक संवर्ग में पदोन्नति की मांग को लेकर फेडरेशन की पहल तेज

नगरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन द्वारा भृत्य कर्मचारियों को लिपिक संवर्ग में पदोन्नति दिलाने तथा पदोन्नति की योग्यता संबंधी विसंगतियों के निराकरण को लेकर लगातार प्रयास किया जा रहा है।

इसी क्रम में जिला संयोजक चंदूलाल चंद्राकर एवं ब्लॉक संयोजक डोमार सिंह ध्रुव के

नेतृत्व में फेडरेशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कर्मचारी हित से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय को उच्च स्तर पर रखा। सबसे पहले फेडरेशन के पदाधिकारियों ने प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा जी से मुलाकात कर भृत्य कर्मचारियों की लिपिक संवर्ग में पदोन्नति, सेजेश प्रतिनियुक्त शिक्षकों का कोषालय से वेतन भुगतान,प्राचार्य पदोन्नति,कार्यभारित कर्मचारियों के मामलों सहित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को शाला संचालन सुबह पाली में कराने सहित अन्य कर्मचारी हित के विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

इस दौरान प्रांतीय संयोजक को समस्याओं से अवगत कराते हुए मांग पत्र भी सौंपा गया। इसके पश्चात फेडरेशन द्वारा इस विषय को लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक आर.आर. रघुवंशी के समक्ष रखा गया।

ब्लड प्रेशर व मधुमेह की जांच के साथ आहार-विहार और स्वस्थ जीवनशैली की दी गई जानकारी

70 ग्रामीणों ने लिया शिविर का लाभ

डोंगरगढ़/बेलगांव। संचालनालय आयुष विभाग छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी राजनांदगांव डॉ. शिल्पा मिश्रा के मार्गदर्शन में 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर ग्राम बेलगांव स्थित शासकीय आयुर्वेद औषधालय में 23 सितंबर 2026 को निःशुल्क चिकित्सा एवं जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। इस दौरान ग्रामीणों

को आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और मौसमी बीमारियों से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। शिविर में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. आयशा गाजी, आयुष चिकित्सक तथा फार्मासिस्ट शिव कुमार राजेकर सहित विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य शिविर में कुल 70 ग्रामीण लाभान्वित हुए। शिविर के दौरान 30 मरीजों की ब्लड प्रेशर की जांच तथा 20 मरीजों की मधुमेह की जांच की गई। जांच के बाद जरूरत के अनुसार मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया तथा आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण भी किया गया।

स्कूली बच्चों का भी किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

शिविर के दौरान क्षेत्र के स्कूल के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ी आवश्यक जानकारी लेते हुए उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता, पौष्टिक आहार तथा नियमित दिनचर्या के महत्व के बारे में बताया गया। चिकित्सकों ने बच्चों एवं ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने तथा बीमारियों से बचाव के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी।

ग्रामीणों को दी गई स्वास्थ्य एवं बचाव की जानकारी

जनजागरूकता कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को गैर-संचारी रोगों के कारण, उनके प्रमुख लक्षण तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने बताया कि नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, पर्याप्त शारीरिक गतिविधि तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच के माध्यम से कई बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। इसके साथ ही ग्रामीणों को दिनचर्या एवं ऋतुचर्या के पालन, योग एवं प्राणायाम के महत्व तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में भी जानकारी दी गई। बदलते मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने और किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए भी जागरूक किया गया।

धन्वंतरी पूजन के साथ आयुष काढ़ा का वितरण

11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर भगवान धन्वंतरी का पूजन किया गया। इसके बाद उपस्थित ग्रामीणों को आयुष काढ़ा वितरित किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में आयुर्वेद चिकित्सा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा विभिन्न बीमारियों की रोकथाम के प्रति जागरूक करना रहा।

शिविर में ग्रामीणों की सहभागिता रही और स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपलब्ध कराई गई निःशुल्क जांच, परामर्श एवं औषधि वितरण सेवाओं का लाभ ग्रामीणों ने लिया।

25.45 लाख परिवारों को राशन नहीं मिलने का दावा, पूर्व विधायक ने सरकार को घेरा

महासमुंद के कई गांवों से शिकायतें, दो माह का राशन देने प्रचार के बीच गरीब परिवारों को महीने के अंत तक भी नहीं मिला चावल : चंद्राकर

महासमुंद/नवप्रदेश। प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राशन वितरण में देरी को लेकर पूर्व संसदीय सचिव एवं महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है।

उन्होंने दावा किया कि सितंबर 2026 के अंत तक छत्तीसगढ़ में करीब 25.45 लाख राशन कार्डधारी परिवारों को चावल नहीं मिल पाने की स्थिति सामने आई है। चंद्राकर ने इसे सरकार की कथित उदासीनता और प्रशासनिक व्यवस्था की विफलता बताया है। चंद्राकर ने कहा कि सरकार एक ओर दो माह का राशन एक साथ देने का प्रचार कर अपनी पीठ थपथपा रही है, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में गरीब और जरूरतमंद परिवार महीने के अंतिम दिनों तक राशन का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उचित मूल्य की दुकानों में समय पर पर्याप्त मात्रा में चावल उपलब्ध नहीं कराया गया, जिसके कारण वितरण व्यवस्था प्रभावित हुई।

'घोषणा नहीं, समय पर लाभ पहुंचाना सरकार की जिम्मेदारी'

पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी केवल योजनाओं की घोषणा और प्रचार तक सीमित नहीं है, बल्कि पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना भी उसका दायित्व है। गरीब परिवारों के लिए राशन जीवन-यापन का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे में वितरण में देरी का सीधा असर उनके रोजमर्रा के जीवन पर पड़ता है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि राशन वितरण की समय-सीमा बढ़ाई जाए, सभी उचित मूल्य दुकानों में पर्याप्त मात्रा में चावल, शक्कर एवं अन्य आवश्यक खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए तथा जिन हितग्राहियों को समय पर राशन नहीं मिला है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर राशन दिया जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए वितरण व्यवस्था को प्रभावी बनाने की मांग की है।

शक्कर की उपलब्धता पर भी उठाए सवाल

चंद्राकर ने राशन दुकानों में शक्कर की उपलब्धता को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कई दुकानों में लंबे समय से शक्कर उपलब्ध नहीं होने की शिकायतें मिल रही हैं। इसके चलते गरीब परिवारों को बाजार से अधिक कीमत पर शक्कर खरीदनी पड़ रही है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

महासमुंद के कई गांवों में राशन नहीं मिलने की शिकायत मिल रही

पूर्व विधायक के अनुसार, महासमुंद जिले के अछोली, मचेवा, मानपुर सहित कई गांवों से राशन उपलब्ध नहीं होने और हितग्राहियों के खाली हाथ लौटने की शिकायतें सामने आई हैं। उनका कहना है कि शासन ने 30 सितंबर तक दो माह का राशन वितरित करने की व्यवस्था की थी, लेकिन बड़ी संख्या में हितग्राहियों को निर्धारित समय तक चावल नहीं मिल पाया।

उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में लाखों परिवार राशन का इंतजार कर रहे हैं। निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बीच गरीब परिवारों की परेशानी बढ़ना सरकार की वितरण व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

10 साल के औसत से 24.6 फीसदी ज्यादा बारिश

महासमुंद/नवप्रदेश। 26 सितंबर 2026 की दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार जिले में 1 जून से अब तक 7450.3 मिमी कुल वर्षा दर्ज की जा चुकी है। तहसीलों के औसत के आधार पर जिले में अब तक 1241.7 मिमी बारिश हुई है, जो पिछले 10 वर्षों के औसत 996.0 मिमी से 24.6 फीसदी अधिक है। 26 सितंबर की दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार छह तहसीलों में कुल 225.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि औसत दैनिक वर्षा 37.5 मिमी रही। बागबाहरा में 57.1 मिमी, कोमाखान में 56.1 मिमी, पिथौरा में 37.8 मिमी, महासमुंद में 36.1 मिमी, सरायपाली में 21.0 मिमी और बसना में 17.2 मिमी बारिश दर्ज की गई।

पिथौरा में भी औसत से 137 फीसदी ज्यादा

बारिश के आंकड़े बताते हैं कि जिले की सभी तहसीलों में इस मानसून अब तक 10 वर्षों के औसत से अधिक बारिश दर्ज की गई है। सरायपाली में 1359.0 मिमी बारिश हुई है, जो 938.4 मिमी के 10 वर्षीय औसत से 144.8 फीसदी अधिक है। पिथौरा में 1427.0 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो औसत से 137 फीसदी अधिक है। इसी तरह कोमाखान में 1129.0 मिमी, बागबाहरा में 1155.7 मिमी, बसना में 1209.9 मिमी और महासमुंद तहसील में 1169.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इन तहसीलों में भी बारिश 10 वर्षों के औसत से अधिक रही है।

■ महासमुंद जिले में 1 जून से अब तक 7450.3 मिमी वर्षा दर्ज किया

- 12/21 गंगरेल बांध के गेट खुले
- करीब 3 दर्जन महानदी किनारे के गांव अलर्ट पर
- 2 सुरक्षाकर्मी बम्हनी बाढ़ में फंसे, नगर सेना ने बचाया
- 1241.7 मिमी जिले में औसत वर्षा
- 24.6% 10 साल के औसत से अधिक बारिश
- 225.3 मिमी 26 सितंबर को छह तहसीलों में बारिश
- 144.8% औसत से अधिक बारिश सरायपाली में
- 137% औसत से अधिक बारिश पिथौरा

महानदी किनारे तीन दर्जन गांव अलर्ट पर

महानदी का जलस्तर बढ़ने और लगातार बारिश के कारण नदी किनारे बसे करीब तीन दर्जन गांवों में प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। ग्रामीणों को नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने तथा स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की तैयारी रखने को कहा गया है। प्रशासन और राहत-बचाव दल निचले इलाकों तथा नदी किनारे बसे गांवों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

नदी-नालों से दूर रहने की अपील

लगातार बारिश और महानदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से नदी, नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास जाने से बचने की अपील की है। किसी भी तरह की आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचना देने तथा जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहने कहा गया है। जिले में राहत एवं बचाव दलों को भी सतर्क रखा गया है।

बाढ़ के पानी में फंसे दो कर्मचारी

महासमुंद/नवप्रदेश। लगातार हो रही बारिश और एनीकट से पानी छोड़े जाने के कारण महानदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। बाढ़ का पानी मुंढ़ेना स्थित इंटेकवेल तक पहुंचने से पूरा परिसर पानी से घिर गया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात नगर पालिका के दो कर्मचारी तुलाराम रात्रे और हीरालाल पटेल इंटेकवेल में फंस गए। दोनों कर्मचारी पूरी रात बाढ़ के पानी के बीच फंसे रहे और भूखे-प्यासे सुबह होने का इंतजार करते रहे। सुबह घटना की जानकारी मिलते ही नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने तत्काल मामले को गंभीरता से लेते हुए जल प्रभारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन को भी सूचना दी, जिसके बाद बाढ़ रेस्क्यू टीम को मुंढ़ेना इंटेकवेल के लिए रवाना किया गया। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम बोट, लाइफ जैकेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू भी स्वयं इंटेकवेल स्थल पर पहुंचे और पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान मौके पर डटे रहकर कार्रवाई की निगरानी करते रहे। रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

बाढ़ से शहर की जलापूर्ति भी प्रभावित

नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने बताया कि बाढ़ का पानी इंटेकवेल को चारों ओर से घेर लेने के कारण शहर की जलापूर्ति भी प्रभावित हुई है। उन्होंने बताया कि जलस्तर कम होने के बाद ही इंटेकवेल से जलापूर्ति व्यवस्था को दोबारा सुचारू किया जा सकेगा। रेस्क्यू अभियान के दौरान जिला कमांडेंट नगर सेना, जल प्रभारी दुर्गेश कुंजेकर, नगर पालिका के कर्मचारी, बाढ़ रेस्क्यू टीम के जवान, मुंढ़ेना के सरपंच, सचिव, पटवारी, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

पिथौरा में तेज बारिश और आंधी से पेड़ की डाल बिजली तारों पर झुकी, टला बड़ा हादसा

रेंजर अतरंग पांडे ने पल्ला झाड़ा, नपा सीएमओ की तत्परता से बहाल हुआ मार्ग

पिथौरा/नवप्रदेश। नगर में बीती रात हुई मूसलाधार बारिश और तेज आंधी के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। आंधी-तूफान के दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी अतरंग पांडे के शासकीय निवास के ठीक सामने स्थित वर्षों पुराना एक विशालकाय पेड़ हवा के भारी दबाव से झुक गया। पेड़ की एक भारी-भरकम डाल टूटकर सीधे बिजली के तारों पर जा फंसी, जिससे क्षेत्र में किसी बड़े हादसे और जन-धन की भारी हानि की आशंका बन गई थी।

उक्त वृक्ष रामकुमार राजपूत मार्ग पर स्थित है, जो नगर के प्रमुख और व्यस्त मार्गों में गिना जाता है। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों की संख्या में वाहनों की आवाजाही रहती है। साथ ही स्कूली बच्चों और आम नागरिकों का भी दिनभर इसी रास्ते से आना-जाना लगा रहता है। तारों के सहारे अटकी भारी डाल के कारण मार्ग पर करंट फैलने और कभी भी धराशायी होकर राहगीरों पर गिरने का गंभीर खतरा बना हुआ था।

आधे घंटे बाधित रहा आवागमन

डाल हटाने के कार्य के दौरान सुरक्षा के लिहाज से करीब आधे घंटे तक रामकुमार राजपूत मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। मार्ग से मलबा हटाए जाने के बाद यातायात सुचारु रूप से बहाल हो सका। स्थानीय नागरिकों ने संकट के समय त्वरित संज्ञान लेने और बड़ा हादसा टालने के लिए सीएमओ बिरजू राम सोनबर, पालिका कर्मियों और विद्युत विभाग के अमले का आभार जताया है।

पेड़ की टहनी काटने के लिए विधिवत अनुमति जरूरी

सुबह जब स्थानीय नागरिकों की नजर इस खतरनाक स्थिति पर पड़ी, तो उन्होंने फौरन इसकी जानकारी वन विभाग को दी। चूंकि पेड़ रेंजर निवास के ठीक सामने ही स्थित था, इसलिए नागरिकों को उम्मीद थी कि विभाग तत्परता दिखाएगा। हालांकि, वन परिक्षेत्र अधिकारी अतरंग पांडे ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि संबंधित स्थल राजस्व सीमा के अंतर्गत आता है और पेड़ की टहनी काटने के लिए विधिवत अनुमति की आवश्यकता होगी। खतरे की गंभीरता के बावजूद रेंजर के इस प्रशासनिक रवैये से नागरिकों में भारी नाराजगी देखी गई।

लगातार बारिश नदी-नाले उफान पर 14 पुल-पुलिया से आवागमन बंद

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिले में पिछले दो दिनों से रुक -रुक कर हो रही बारिश के कारण नदी -नाले का जल स्तर बढ़ गया है जिससे कई पुल और चेक डेम में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है। जिला प्रशासन द्वारा सतर्कता बरतते हुए बाढ़ ग्रस्त 14 पुलियों को आवागमन के लिये बंद कर दिया गया है। बलदाकछार के डीपापारा, अमेठी एवं सिमगा विकासखंड के गणेशपुर मे पानी बढ़ने के कारण प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड पलारी स्थित महानदी अमेठी घाट में पुल से 12 फीट ऊपर पानी बह रहा है। इसीतरह टेमरी नाला मे 4 फीट,छेरकाडीह नाला 3 फीट,भाटापारा विकासखंड अंतर्गत सेमरिया घाट 4 फीट,सुहेला मार्ग जमुनिया नाला पुल में 2 फीट ऊपर पानी,बासीन नाला 2 फीट,सुहेला में भंवरगढ़ -

बरडीह मार्ग जमुनिया नाला पुल 2 फीट,शिकारी केशली मारह जमुनिया नाला में 2 फिट ऊपर पानी, बलौदाबाजार विकासखंड के अचानकपुर चेक डेम में 1 फीट,भलूकोना -हरदी पुल 2 फीट, सिमगात्र विकासखंड अंतर्गत चैरहा,नवागांव -चक्रवाय मार्ग,लिमतरा- तरपोंगा मार्ग,तरेंगा -कुलीपोटा मार्ग पुल पर 2 फीट ऊपर पानी है।इन सभी 14 पुलों पर प्रशासन द्वारा आवागमन बंद कर दिया गया है। जिन गांव मे पानी भरने से लोग प्रभावित है उन्हें सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने, राहत एवं अपादा प्रबंधन, होमगॉर्ड, पुलिस की टीम को भी अलर्ट रहने निर्देशित किया है।

बाढ़ आपदा टीम ने बाढ़ प्रभावित 120 लोगों का किया सफल रेस्क्यू

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिले में पिछले दिनों हुई तेज बारिश के कारण नदी -नाले का जल स्तर बढ़ गया है जिससे अनेक स्थानों पर बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है। कुछ गांव मे पानी ज्यादा बढ़ने के कारण फंसे 120 लोगों को जिला प्रशासन एवं आपदा राहत टीम की मुस्तैदी से सफल रेस्क्यू किया गया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। बाढ़ प्रभावित कुल 120 व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है। जिसमें तहसील कसडोल के ग्राम बल्दाकछार के 38 व्यक्ति, तहसील पलारी के ग्राम अमेठी में 44 व्यक्ति, ग्राम मोहान में 23 व्यक्ति तथा तहसील सिमगा के ग्राम गणेशपुर के 15 व्यक्ति शामिल हैं। बाढ़ आपदा से सम्बंधित सहायता के लिये जिला प्रशासन द्वारा जिला कंट्रोल रूम नंबर 07727222454 जारी किया गया है।

दो दिनों की लगातार बारिश से पुल किनारे मिट्टी बहा

नगरी/नवप्रदेश। नगरी विकास खंड के अंतिम छोर नगरी अंचल में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है।

इसके चलते क्षेत्र के कई मार्गों पर आवागमन प्रभावित हुआ है। दुगली, गट्टासिल्ली, झुंझराकसा, झुरानाला, नदिया, टूटा-जामगांव सहित आसपास के गांवों में आने-जाने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं नरहरपुर और कांकेर की ओर जाने वाले संपर्क मार्गों पर भी आवागमन प्रभावित होने की स्थिति बनी हुई है। लगातार बारिश के कारण छोटे-बड़े नदी-नालों में पानी का बहाव तेज हो गया है। कई स्थानों पर सड़क के ऊपर से पानी बहने के कारण ग्रामीणों को जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ रहा है।

स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी बनाए जाने पर अशवंत ने जताया हर्ष

महासमुंद/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ भाजपा का प्रदेश प्रभारी तथा राष्ट्रीय मंत्री सिद्धार्थ शंभू को सह-प्रभारी बनाए जाने पर भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशवंत तुषार साहू ने हर्ष व्यक्त किया है।

साहू ने कहा कि स्मृति ईरानी का व्यापक राजनीतिक, प्रशासनिक एवं संगठनात्मक अनुभव छत्तीसगढ़ भाजपा के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। उनके मार्गदर्शन से प्रदेश संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार होगा। उन्होंने कहा कि स्मृति ईरानी के अनुभव का लाभ बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर संवाद एवं समन्वय स्थापित करने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने में मिलेगा। जमीनी स्तर पर संगठन की सक्रियता और जनसंपर्क को भी विस्तार मिलने की उम्मीद है।

अशवंत तुषार साहू ने कहा कि भाजपा की संगठनात्मक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। ऐसे में राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा अनुभवी नेताओं को प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपे जाने से कार्यकर्ता संवाद, बूथ सशक्तीकरण, जनसंपर्क और संगठन विस्तार को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्मृति ईरानी के अनुभव और सिद्धार्थ शंभू के संगठनात्मक सहयोग से छत्तीसगढ़ भाजपा को मजबूती मिलेगी तथा प्रदेश में संगठन को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने की दिशा में काम होगा।

राजयोग से मन और बुद्धि को परमात्मा से जोड़ने का दिया संदेश

माउंट आबू से पहुंचे ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के धार्मिक प्रभाग अध्यक्ष रामनाथ भाई

महासमुंद/नवप्रदेश। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू, राजस्थान से धार्मिक प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी ब्रह्मा कुमार रामनाथ भाई एक दिवसीय महासमुंद प्रवास पर पहुंचे। स्थानीय सेवाकेंद्र उपकार भवन में ब्रह्माकुमारी बहनों ने आत्म-स्मृति का तिलक लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर गौसिया मस्जिद के सदर मोहम्मद शकील खान, गुरुद्वारा कमेटी के सदस्य सोनू चावला एवं मनजीत गुरु दत्ता ने भी रामनाथ भाई का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया।

रामनाथ भाई ने कहा कि आज के तनावपूर्ण और व्यस्त जीवन में मन एवं बुद्धि को परमात्मा में एकाग्र करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। राजयोग की शिक्षा व्यक्ति को परमात्मा की स्मृति में रहने, उनसे सर्व संबंध जोड़ने तथा सुख-शांति की अनुभूति करने का मार्ग सिखाती है। उन्होंने कहा कि जीवन के वास्तविक स्वरूप को समझने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पांच महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर तलाशने चाहिए—मैं कौन हूं? मेरा स्वरूप क्या है? मेरे गुण क्या हैं? मेरे कर्म क्या हैं? और मैं आया कहां से हूं? उन्होंने कहा कि संसार में सबसे समझदार प्राणी मनुष्य है, इसलिए उसे जीवन से जुड़े इन गहन रहस्यों को जानने और समझने का प्रयास करना चाहिए। रामनाथ भाई ने बताया कि सात दिवसीय राजयोग शिविर के माध्यम से समाज के हर वर्ग के लोग लाभान्वित हो सकते हैं। राजयोग के अभ्यास से मन को एकाग्र करने और जीवन में सकारात्मकता, शांति एवं संतुलन विकसित करने में सहायता मिलती है।

क्रीड़ा प्रतियोगिता बलौदाबाजार में 3 अक्टूबर से

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिले में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन 3 से 6 अक्टूबर 2026 तक होगा। स्पर्धा में पांचो संभागों के 480 खिलाडी कुराश, रग्बी एवं नेटबाल मे दमखम दिखाएंगे।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन मे स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रतियोगिता की बेहतर तैयारी की जा रही है। कुराश मे आयु वर्ग 14, 17, 19 बालक एवं बालिका, रग्बी आयु वर्ग 14 बालक एवं बालिका व नेटबॉल आयु वर्ग 19 बालक एवं बालिका की प्रतियोगिता संपन्न होगी। प्रतियोगिता में राज्य के पाँच संभागों से 240 बालक, 240 बालिका एवं 100 आफिशियल कुल 580 प्रतिभागी शामिल होंगे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का विधायक और कलेक्टर ने लिया जायजा

राहत-बचाव की तैयारियों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले में लगातार हो रही बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर के बीच बाढ़ के हालात का जायजा लेने प्रशासनिक अमला प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचा। राजिम क्षेत्र में विधायक रोहित साहू ने नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, एसडीएम विशाल महाराणा, तहसीलदार डिम्पल ध्रुव, सीएमओ संतोष विश्कर्मा, राजस्व निराक्षक दिलीप बांधे, पटवारी कोमल वर्मा, अजय बघेल प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पार्षदगण आकाश राजपूत, तुषार कदम, बलराम निषाद, भरत यादव,उत्तम निषाद, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि नेहरू साहू, उपाध्यक्ष सतीश यादव, राजू साहू बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और मौके पर पहुंचकर जलभराव एवं बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया।विधायक ने राहत एवं बचाव कार्य के लिए प्रशासन द्वारा की गई वैकल्पिक और आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित लोगों तक जरूरत के अनुसार तत्काल सहायता पहुंचाई जाए तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम तैयार रखें।

डीके कॉलेज की छात्रा सरस्वती साहू को राज्य स्तरीय एनएसएस पुरस्कार

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलौदाबाजार की एनएसएस स्वयंसेविका सरस्वती साहू को राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं उल्लेखनीय सामाजिक योगदान के लिए छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय एनएसएस स्वयंसेवक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सरस्वती साहू ने राष्ट्रीय सेवा योजना के विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता करते हुए स्वच्छता, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, जनजागरूकता, सामाजिक सेवा, नशामुक्ति एवं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान दिया।

आंगन उत्सव में गूंजी बच्चों की किलकारी, विधायक ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

■ धरसीवां का कोई भी बच्चा कुपोषण का शिकार न हो, यही हमारा संकल्प : विधायक अनुज शर्मा

धरसीवां/नवप्रदेश। राष्ट्रीय 'सेवा संकल्प अभियान' (17 सितंबर से 17 अक्टूबर) के अंतर्गत आज धरसीवाँ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सिलयारी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-06 (बोहरही धाम मंडल) में 'आँगन उत्सव' का भव्य और गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। इस विशेष कार्यक्रम में स्थानीय विधायक अनुज शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

क्षेत्र से कुपोषण मिटाने और योजनाओं को धरातल पर उतारने का संकल्प : धरातल पर योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर विधायक अनुज शर्मा ने कहा, हमारी सरकार पूरी निष्ठा से महिला एवं बाल विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा यह दृढ़ संकल्प है कि धरसीवाँ विधानसभा का कोई भी बच्चा कुपोषण का शिकार न हो और हर मां-बच्चे तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ पहुंचे।

'न्योता भोज' रहा कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण

इस गरिमामय कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'न्योता भोज' रहा, जिसमें विधायक अनुज शर्मा ने बेहद आत्मीयता दिखाते हुए स्वयं अपने हाथों से बच्चों को भोजन परोसा। बच्चों के बीच बैठकर उनसे बातचीत करते हुए विधायक ने उन्हें दुलार किया और भोजन कराया। विधायक को अपने इतने करीब पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और यह पल पूरे आयोजन का सबसे खूबसूरत दृश्य बन गया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का योगदान किसी तपस्या से कम नहीं

विधायक ने आगे कहा, समाज की नींव को मजबूत करने का जो निस्वार्थ भाव आपके भीतर है, उसे मैं नमन करता हूँ। हमारा यह 'आँगन उत्सव' केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि आपके इसी समर्पण और त्याग के प्रति हमारी कृतज्ञता व्यक्त करने का एक छोटा सा प्रयास है। बच्चों की पहली मुस्कान, उनका पहला खेल और उनके जीवन का पहला अक्षर आपकी ही देखरेख में निखरता है। आपका यह योगदान किसी तपस्या से कम नहीं है।

आंगनबाड़ी बहनें समाज की असली 'राष्ट्र निर्माता'

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा, 17 सितंबर से शुरू हुए इस 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आज जब मैं आप सभी बहनों के बीच आया हूँ, तो मुझे एक अद्वितीय आत्मीयता और ऊर्जा का अहसास हो रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए भावुक शब्दों में कहा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका बहनें केवल कर्मचारी नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज की असली 'राष्ट्र निर्माता' हैं।

भारी बारिश के बीच 24 घंटे बाढ़ में फंसे यात्रियों के लिए मददगार बनी पुलिस

पुलिस की तत्परता से यात्रियों ने ली राहत की सांस, सुरक्षित मण्डला रवाना

कवर्धा/नवप्रदेश। जिला कबीरधाम में चक्रवातीय मौसम सक्रिय होने एवं विगत दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण नदी-नालों में जलस्तर बढ़ने तथा मार्गों पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो रही है। ऐसी परिस्थितियों में आमजन एवं राहगीरों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस टीमों द्वारा नदी-नालों में बाढ़ अथवा रास्ता अवरुद्ध होने की स्थिति में लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

इसी क्रम में दिनांक25.09.2026 को मण्डला से रायपुर की ओर जा रहे यात्रियों का वाहन भोरमदेव अभ्यारण्य के बांधा गांव से झलमला जंगल के मध्य गुजरने वाले सड़क मार्ग पर बांधा नाला एवं कुकुरगुड़ा नाला के बीच बाढ़ के पानी के कारण फंस गया। वाहन में श्रीमती रिचा झां पति सुयश झां, शिक्षिका, श्री सुयश झां पति स्व. छेमेन्द्र झां, ट्रांसपोर्टर, निवासी मण्डला शहर तथा श्री संदीप पिता रमेश शुक्ला, निवासी मण्डला सवार थे।

थाना झलमला प्रभारी एवं टीमः द्वारा मौके पर पहुंचे पुलिस टीम ने परिस्थितियों का सावधानीपूर्वक आकलन करते हुए यात्रियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई और आज दिनांक 26.09.2026 को प्रातः लगभग 11.00 बजे यात्रियों को उनके वाहन सहित सुरक्षित रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से बाहर निकाला।

लगभग 24 घंटे तक बाढ़ के पानी के बीच मार्ग खुलने का इंतजार कर रहे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाले जाने के बाद बड़ी राहत मिली। पुलिस की तत्परता एवं संवेदनशील सहयोग से सभी यात्री सुरक्षित रहे और इसके पश्चात अपने वाहन से मण्डला के लिए रवाना हुए।

यात्रियों द्वारा संकट की घड़ी

में समय पर सहायता पहुंचाने एवं सुरक्षित बाहर निकालने के लिए झलमला पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पुलिस टीम को बधाई दी गई।

लगातार बारिश के कारण

आगे एवं पीछे दोनों नालों में बाढ़ का पानी बढ़ जाने से यात्रियों का वाहन सड़क मार्ग के बीच फंस गया। यात्रियों द्वारा स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कंट्रोल रूम कवर्धा को मोबाइल के माध्यम से सूचना दी गई। सूचना प्राप्त होते ही थाना झलमला पुलिस टीम द्वारा बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचकर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की कार्यवाही प्रारंभ की गई।

आस्था और एकता का संगम

राजनांदगांव/नवप्रदेश। महाकाल सेना राजनांदगांव छत्तीसगढ़ द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी धार्मिक यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

संस्कारधानी राजनांदगांव से मंगलवार 29 सितंबर को हावड़ा-मुंबई ट्रेन से लगभग 400 महाकाल भक्तों का जत्था महाराष्ट्र स्थित तीन ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के लिए रवाना होगा।

आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए अंतरिम सूची जारी, 3 अक्टूबर तक दावा-आपत्ति

बेमेतरा/नवप्रदेश। कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना बेमेतरा द्वारा आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती हेतु प्राप्त आवेदनों के मूल्यांकन पश्चात अंतरिम योग्यता सूची दावा-आपत्ति का प्रकाशन किया गया है। परियोजना अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत वार्ड नं. 16 क्रमांक 2 (नया वार्ड 19 राम मंदिर वार्ड) में आंगनबाड़ी सहायिका के 01 पद हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। अभ्यर्थी को प्रकाशित अनंतिम सूची के संबंध में कोई दावा-आपत्ति हो तो वे 24 सितंबर से 03 अक्टूबर 2026 तक ई-भर्ती पोर्टल https://aww.e-bharti.in पर ऑनलाइन दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

बाढ़ प्रभावित ग्राम करमसेन का जिला पंचायत सीईओ ने किया निरीक्षण

बेमेतरा/नवप्रदेश। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है। सीईओ जिला पंचायत प्रेमलता पदमाकर ने आज

नवागढ़ विकासखंड के बाढ़ प्रभावित ग्राम करमसेन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम में पर्याप्त खाद्य सामग्री एवं आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, स्वच्छता व्यवस्था तथा प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान एसडीएम नवागढ़ पिंकी मनहर सहित स्वास्थ्य, पंचायत एवं राजस्व विभाग की टीम मौके पर उपस्थित रही। अधिकारियों द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र की स्थिति एवं आवश्यक राहत व्यवस्थाओं की जानकारी सीईओ जिला पंचायत को दी गई।

पार्षद निधि से वार्डवासियों और व्यापारियों को डस्टबिन वितरित

बेमेतरा/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियानङ्घ के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान थीम पर बेमेतरा नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 19 में स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष पहल की गई। वार्ड पार्षद सिमरन ताम्रकार ने अपनी पार्षद निधि से वार्ड के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में व्यापारियों एवं वार्डवासियों को डस्टबिन का वितरण किया।इस दौरान सदर रोड, बाजार पारा एवं शीतला मंदिर रोड क्षेत्र में दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों को डस्टबिन वितरित कर उन्हें अपने-अपने प्रतिष्ठानों तथा आसपास के क्षेत्र में कचरा निर्धारित डस्टबिन में ही डालने के लिए प्रेरित किया गया। पार्षद ने व्यापारियों से अपील की कि वे दुकानों से निकलने वाले कचरे को सड़क अथवा सार्वजनिक स्थानों पर न फेंकें और स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में नगर पालिका का सहयोग करें। इस अवसर पर पूर्व पार्षद घनश्याम ताम्रकार, स्वच्छता प्रभारी कुलेश्वर चौहान, प्रदीप राजपूत, चंद्र प्रकाश कोशले, श्री धनराज चौहान, श्रीदीपक चौहान, मुकेश पाल एवं कुलेश्वर साहू सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

यादव, साहू समाज और ग्रामवासियों ने मिलकर किया गणपति विसर्जन

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा जिला के ग्राम चोरभट्ठी में गणेश उत्सव के समापन अवसर पर यादव समाज, साहू समाज एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का धूमधाम एवं भक्तिमय वातावरण

में विसर्जन किया गया।इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। गणपति बप्पा की प्रतिमा को आकर्षक ढंग से सजाकर गाजे-बाजे के साथ विसर्जन यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, बच्चे एवं युवा शामिल हुए। श्रद्धालु गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के साथ उत्साहपूर्वक झूमते नजर आए। ग्रामवासियों ने आपसी भाईचारे एवं सामाजिक एकता का परिचय देते हुए मिल-जुलकर गणपति विसर्जन कार्यक्रम को सफल बनाया। पूरे गांव में उत्साह एवं भक्तिमय माहौल बना रहा। विसर्जन के दौरान सभी ने अगले वर्ष भगवान गणेश के पुनः आगमन की कामना की।

साइबर सेल एवं चौकी कंडरका पुलिस टीम की संयुक्त कार्यवाही, तीन आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, जुआ, सट्टा सहित अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। चौकी प्रभारी

कंडरका टीम ने आबकारी एक्ट के 1 प्रकरण में 03 आरोपियों, हरिचंद पारधी उम्र 35 वर्ष, निवासी बोरसी, एवन कुर्रे उम्र 20 वर्ष, निवासी लंहगा थाना नंदनी जिला दुर्ग एवं एक विधि के साथ संघर्षरत बालक के कब्जे से आरोपियों के कब्जे से 150 पौवा देशी मसाला शराब) कीमती 15,000/- रूपये एवं प्रयुक्त मोटर कीमती 40,000/- रूपये, जुमला कीमती लगभग 55,000/- रूपये को जप्त कर धारा 34 (2) आबकारी एक्ट, 78 जेजे एक्ट, 95 BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई हैं।

निधन

सुनील शर्मा

खैरागढ़/नवप्रदेश। जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान मे व्याख्याता पद पर कार्यरत सुनील शर्मा का शुक्रवार देररात निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम सिंगारपुर ठेलकाडीह मे किया गया इस दौरान बड़ी संख्या मे परिजन, मित्र और सहयोगी मौजूद रहे।

दो दिन में रिकार्ड 150 मिमी से अधिक बारिश, आमनेर-पिपरिया के साथ छलकी मुस्का नदी

48 घंटे की भारी बारिश से नदियां उफान पर, अलर्ट मोड पर रहा जिला प्रशासन

खैरागढ़/नवप्रदेश। दो दिन मे ही हुई झमाझम बारिश से जिले के नदियां उफान पर आ गई। गुरूवार से शुरू हुई बारिश शनिवार सुबह तक लगातार जारी रही। इस दौरान जिला मुख्यालय मे बाढ़ का खतरा मंडराने लगा तो दूसरी ओर प्रशासन के साथ लोग भी अलर्ट रहे। शुक्रवार दिनभर लगातार बारिश के बाद आमनेर, मुस्का और पिपरिया नदी का जलस्तर बढने से नदियां उफान पर आ गई। आमनेर मे शुक्रवार दोपहर तक पानी की आवक बढ़ गई थी। इसके चलते प्रधानपाठ बैराज से लगातार पानी रिलीज किया जाता रहा। हालंकि देर शाम को आमनेर नदी मे पानी का जलस्तर घटने लगा इसके बाद प्रशासन ने भी राहत की सांस ली। इधर मुस्का और पिपरिया नदी मे भी जलस्तर शबाब पर रहा। शहर मे आमनेर के साथ मुस्का और पिपरिया नदी मे भी बहाव काफी ज्यादा तेज हो गया। शनिवार सुबह बाद बारिश थमते ही नदियों का जलस्तर सामान्य होने लगा।

शनिवार को थमी बारिश

दो दिन मे ही 150 मिमी बारिश का रिकार्ड

जिले मे दो दिन मे ही रिकार्ड 150 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई है। औसत बारिश मे पिछड़ा जिला शनिवार तक की बारिश के बाद औसत बारिश से आगे निकल गया। हालंकि खैरागढ़ तहसील अभी भी औसत बारिश से पीछे चल रहा है। लेकिन दो दिन की बारिश से इलाके की नदी नालो के साथ खेतो को भी संजीवनी दे गया। पिछले चौबीस घंटे मे जिले मे 115 6 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसमे खैरागढ़ मे 86.5 मिमी, छुईखदान मे 89.9 मिमी, गंडई मे सबसे ज्यादा 161.8 मिमी और साल्हेवारा तहसील मे 124 मिमी बारिश दर्ज हुई है। जिले मे अब औसत बारिश का आंकड़ा बढक़र 871 मिमी हो चुका है। जो औसत बारिश के आंक ड़े 808 मिमी से जयादा है। औसत बारिश मे साल्हेवारा और गंडई तहसील ज्यादा है जबकि खैरागढ़ और छुईखदान तहसील मे बारिश का आंकड़ा 95 फीसदी तक पहुँचा है।

खुला मौसम तो मिली राहत

शनिवार सुबह तक जारी लगातार 48 घंटे की बारिश थमी तो जनजीवन सामान्य होने लगा। गुरूवार से जारी लगातार बारिश से जनजीवन भी प्रभावित हुआ था। आवाजाही थम गई थी तो काम काज बाधित हो गया था। शनिवार सुबह बारिश थमने के बाद मौसम खुला तो लोगो को राहत मिली आवाजाही बढ़ी और बाजार मे भी हलचल दिखने लगी।

बेमेतरा में बीते 24 घंटे में 72.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज, बेरला में सबसे अधिक 110.5 मिमी बारिश

बेमेतरा/नवप्रदेश। कार्यालय कलेक्टर जिला बेमेतरा द्वारा वर्षा की जानकारी जारी की गई है। जिले में बीते 24 घंटे में अच्छी बारिश हुई है। प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में बीते 24 घंटों में औसत 72.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। सबसे अधिक वर्षा तहसील बेरला में 110.5 मिमी, भानखम्हरिया में 107.5 मिमी और भिंभौरी में 103.5 मिमी दर्ज की गई है।

तहसीलवार वर्षा की स्थिति: - बेमेतरा – 62.1 मिमी, दाढ़ी – 70.3 मिमी, बेरला – 110.5 मिमी, भिंभौरी – 103.5 मिमी, साजा – 90.7 मिमी, देवकर – 40.0 मिमी, नवागढ़ – 34.5 मिमी, नांदघाट – 36.4 मिमी, भानखम्हरिया – 107.5 मिमी।

सामूहिक गायन विश्व रिकॉर्ड की मुहिम में शिक्षण संस्थानों ने निभाई सहभागिता

नमामि भारत के अंतर्गत वंदे मातरम् के 150 वर्ष, खैरागढ़ में गूंजे राष्ट्रगीत के संपूर्ण पद

खैरागढ़/नवप्रदेश। नमामि भारत अभियान के अंतर्गत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के संपूर्ण पदों का सामूहिक गायन आयोजित किया गया। विद्या भारती द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों में निर्धारित समय सुबह 11 बजे एक साथ सामूहिक गायन हुआ। इस आयोजन को व्यापक स्तर पर आयोजित कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने की मुहिम के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं संयोजक भारत स्काउट एवं गाइड के जिला मुख्य आयुक्त भागवत शरण सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् मात्र एक गीत नहीं, बल्कि राष्ट्र की भावना है। भारत की सांस्कृतिक चेतना में राष्ट्र को केवल भूमि का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि माता के रूप में देखने की परंपरा रही है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम् के संपूर्ण पदों में भारतभूमि को माता के रूप में संबोधित करते हुए उसकी भावपूर्ण अभिव्यक्ति की गई है। राष्ट्रगान की तरह राष्ट्रगीत के प्रति भी सम्मान की भावना होनी चाहिए। सभी शिक्षण संस्थानों में वंदे मातरम् के नियमित एवं संपूर्ण गायन की परंपरा विकसित हो तथा यह गीत भारत के गौरव और राष्ट्रभावना का संदेश विश्व पटल तक पहुंचाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला शिक्षा अधिकारी उपेंद्र कुमार देवांगन ने कहा कि विद्या भारती द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों में वंदे मातरम् का गायन पहले से होता रहा है। अब प्रयास यह होना चाहिए कि सभी शिक्षण संस्थानों में इसके संपूर्ण पदों का गायन सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को राष्ट्र की भावना से जोड़ने में वंदे मातरम् एक सशक्त माध्यम है और इस दिशा में प्रयास जारी हैं। कार्यक्रम में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष राकेश गुप्ता, एकल विद्यालय के प्रमुख श्रीराम यादव सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

साइबर सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने पुलिस की विशेष अभियान

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा शासकीय विभागों, न्यायालयों, स्थानीय निकायों एवं अन्य सरकारी संस्थानों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा आम नागरिकों को संवेदनशील एवं आधिकारिक जानकारी की गोपनीयता बनाए रखने तथा सोशल मीडिया के जिम्मेदार एवं सुरक्षित उपयोग के संबंध में जागरूक किया जा रहा है।अभियान के अंतर्गत 20 से 26 सितंबर 2026 तक छठवां सप्ताह डेटा प्राइवेसी एवं सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग विषय पर केंद्रित है। बेमेतरा जिले के विभिन्न थाना एवं चौक क्षेत्रांतर्गत पुलिस टीम

द्वारा दिनांक 25 व 26.09.2026 को साइबर जागृति अभियान के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों एवं स्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आम नागरिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ÷डेटा प्राइवेसी एवं सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग÷ करने के विभिन्न तरीकों की जानकारी देकर सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान आम नागरिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनधिकृत रूप से फोटो, दस्तावेज एवं आधिकारिक जानकारी साझा करने से बचने, फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट की पहचान करने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करने तथा फिशिंग प्रयासों से सावधान रहने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। साथ ही, सरकारी डिजिटल संसाधनों एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सुरक्षित उपयोग करने के लिए आवश्यक साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल की जानकारी भी साझा की गई है। जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित आम नगरिक उपस्थित रहे।

प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर राहत कार्य जारी

बेमेतरा/नवप्रदेश। जिले में लगातार 2 दिनों से हो रही अत्यधिक बारिश से उत्पन्न बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के नेतृत्व में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं बाढ़ आपदा राहत प्रबंधन टीम बेहद सजगता और गंभीरता से कार्य कर रही है।

प्रमुख राहत में ग्राम भालेसर के ईंटभट्ठा में फंसे मजदूरों को

सुरक्षित बाहर निकालकर स्कूलों में अस्थाई रूप से रहने की व्यवस्था की गई है। उनके लिए खाने-पीने सहित अन्य जीवन रक्षक सामग्री उपलब्ध कराई गई है।

ग्राम बगलेड़ी में भी बचाव हेतु आवश्यक व्यवस्था की गई है, यहां निवासरत 800 नागरिकों को राशन वितरित किया गया है- डोटू नाला में पानी बढ़ने से सावंतपुर का रास्ता अवरुद्ध होने पर अनुविभागीय अधिकारी साजा द्वारामौका निरीक्षण किया गया है। मौके पर कोटवार-पटवारी की ड्यूटी लगाई गई है। लोक निर्माण विभाग एवं पुलिस प्रशासन को सूचना दे दी गई है। समोदा नाला में बैरिकेटिंग की गई है।

दैनिक नवप्रदेश के शानदार 15 साल बेमेतरा में होगा सेवा सम्मान समारोह

'शांति से समृद्धि तक, सेवा ही संकल्प' थीम पर नवप्रदेश का 15वां स्थापना वर्ष समारोह 30 सितंबर को बेमेतरा में

बेमेतरा/नवप्रदेश। 3 राज्य 5 संस्करणों से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक नवप्रदेश समाचार पत्र समूह अपने 15 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'शांति से समृद्धि तक, सेवा ही संकल्प' - सेवा सम्मान समारोह का आयोजन करने जा रहा है। समूह के प्रधान संपादक यशवंत घोटे और बेमेतरा ब्यूरो प्रमुख मनोज शुक्ला ने बताया कि यह भव्य समारोह दिनांक 30 सितंबर 2026, दिन बुधवार, दोपहर 2 बजे से, स्थान - शुभकामना होटल एवं रिसोर्ट, नवागढ़ चौक, कवर्धा रोड, बेमेतरा में आयोजित होगा।

विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता तोखन साहू केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार करेंगे। समारोह के प्रमुख वक्ता वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री आलोक मेहता, नई दिल्ली होंगे।

विशिष्ट अतिथियों में शामिल रहेंगे: उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव, विजय शर्मा, दयालदास बघेल, गजेन्द्र यादव, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, . श्याम बिहारी जायसवाल, गुरु खुशवंत साहेब, सांसद. विजय बघेल विधायकगण. दीपेश साहू, . ईश्वर साहू, . श्रीमती भावना बोहरा सहित जिले के अनेक जनप्रतिनिधि, संत समाज एवं गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। नवप्रदेश परिवार ने इस गौरवमयी अवसर पर सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, शुभचिंतकों एवं नागरिकों को आमंत्रित किया गया।

बेमेतरा पुलिस ने बेरिकेडिंग कर लोगों से सतर्क रहने व वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की

बेमेतरा/नवप्रदेश। जिले में हो रही लगातार एवं अत्यधिक वर्षा के कारण शिवनाथ नदी सहित विभिन्न नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। कई स्थानों पर नदी-नाले उफान पर होने के कारण आवागमन प्रभावित हुआ है तथा सुरक्षा की दृष्टि से कुछ मार्गों पर आवागमन बंद किया गया है। बेमेतरा पुलिस द्वारा प्रभावित मार्गों पर सड़क के दोनों ओर

बेरिकेडिंग की गई है। आम नागरिकों एवं वाहन चालकों को प्रभावित मार्गों पर आगे नहीं बढ़ने तथा अपनी सुरक्षा के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की जा रही है। बेमेतरा-दुर्ग मुख्य मार्ग स्थित समोदा नाला, बेरला-रायपुर मार्ग पर पठारीडी के पास खारुन नदी, साजा-थानखम्हरिया मार्ग पर नकटा नाला, रौद्रा-बगलेड़ी मार्ग पर डोटू नाला, नवकेशा-देवकर-जालबांधा मार्ग, थानखम्हरिया-सिल्हाटी मार्ग, बोरतरा-परपोड़ी मार्ग पर सुरही नदी से जुड़ा मार्ग तथा नवागढ़-भाठापारा मार्ग शामिल हैं।

राजभाषा आयोग के दसवें प्रांतीय सम्मेलन का आयोजन

बेमेतरा/नवप्रदेश। राजभाषा आयोग के दसवें प्रांतीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।सम्मेलन में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अतिथियों के आगमन पर: रायपुर से पधारे कलाकारों द्वारा छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति एवं बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हुए शानदार बस्तरिया लोकनृत्य की प्रस्तुति देकर आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया गया। छत्तीसगढ़ महतारी एवं मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी लोकभाषा, लोककला, साहित्य और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से है। भाषा एवं साहित्य को सहेजने में राजभाषा आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका है। साहित्यकार अपनी रचनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

विधायक दीपेश साहू ने कहा: कि छत्तीसगढ़ी भाषा हमारी माटी, संस्कृति, परंपरा और पहचान से जुड़ी है। मां भद्रकाली की पावन नगरी बेमेतरा में प्रांतीय सम्मेलन का आयोजन पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। सम्मेलन के दौरान साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले साहित्यकारों एवं साहित्य साधकों का सम्मान किया गया। प्रदेश के विभिन्न अंचलों से पहुंचे साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं और विचारों के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा की समृद्ध परंपरा को सामने रखा।

पांच गौवंश, वाहन सहित आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/नवप्रदेश। मनीष शुक्ला खैरा दर्ज कराई कि प्राप्त हुई कि ग्राम नारायणपुर, मारो की ओर से संबलपुर-नवागढ़ होते हुए कबीरधाम की ओर वाहन मवेशियों को बिना चारा-पानी के क्रूरतापूर्वक भरकर कत्लखाना ले जाया जा रहा है। सूचना पर प्रार्थी ने अपने गौ सेवक साथियों को अवगत कराते हुए ग्राम खेड़ा एवं संबलपुर के मध्य उक्त वाहन का इंतजार किया।

उसे रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक वाहन नहीं रोकते हुए संबलपुर की ओर भागने लगा। पीछा कर ग्राम संबलपुर अंबतीबाई चौक के पास वाहन को रोककर उसमें सवार व्यक्तियों को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम जयपाल साहू, उम्र 20 वर्ष एवं

राजेन्द्र यादव, उम्र 26 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम झुलना, पुलिस चौकी मारो, थाना नांदघाट, जिला बेमेतरा बताया। परिवहन के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे जाने पर दोनों आरोपियों द्वारा कोई वैध दस्तावेज नहीं होना बताया गया। वाहन की जांच करने पर उसमें 05 नग पड़वा मवेशी बिना चारा-पानी के ठूंस-ठूंसकर भरे हुए पाए गए। मौके से वाहन एवं मवेशियों को चौकी संबलपुर लाया गया।

प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 4, 6, 10, पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11(1)(घ) तथा बीएनएस की धारा ×(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जयपाल साहू, राजेन्द्र यादव से घटना के संबंध में पुछताछ करने पर धरनीधर उर्फ विनोद यादव के साथ मिलकर अपना अपराध करना स्वीकार किया। जयपाल साहू झुलना मारो , राजेन्द्र यादव निवासी झुलना, धरनीधर उर्फ विनोद यादव निवासी डोंगरिया को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय प्रस्तुत किया गया।

कैंसर का दर्द: पेन और पेलिएटिव मेडिसिन से राहत, सुकून और बेहतर जीवन की ओर

रायपुर/नवप्रदेश। कैंसर का नाम सुनते ही मरीज और उसके परिवार के मन में कई तरह की चिंताएँ जन्म लेती हैं। बीमारी के इलाज के साथ-साथ दर्द, कमजोरी, नींद में परेशानी, भूख कम होना, चिंता और भावनात्मक तनाव मरीज के जीवन को और कठिन बना देता है। लेकिन कैंसर की यात्रा केवल बीमारी और उसके इलाज तक सीमित नहीं है। मरीज को कम से कम दर्द, अधिक आराम और सम्मान के साथ जीवन जीने में मदद करना भी उपचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहीं पेन और पेलिएटिव मेडिसिन विशेषज्ञ की महत्वपूर्ण भूमिका सामने आती है।

कैंसर में दर्द अलग-अलग कारणों से हो सकता है। कभी यह स्वयं कैंसर के कारण होता है, कभी उपचार या सर्जरी के बाद, और कई बार नसों, हड्डियों या शरीर के अन्य हिस्सों के प्रभावित होने से दर्द उत्पन्न होता है।

हर मरीज का दर्द अलग होता है। इसलिए हर मरीज के लिए एक जैसा उपचार सही नहीं हो सकता।

दर्द विशेषज्ञ पहले मरीज के दर्द को अच्छी तरह समझते हैं—दर्द कहाँ और कितना है, इसकी वजह क्या है और मरीज को किस तरह की मदद चाहिए। फिर उसी के अनुसार इलाज तय किया जाता है।

पेन और पेलिएटिव मेडिसिन विशेषज्ञ का उद्देश्य क्या है? इसका व्यापक उद्देश्य है— दर्द और अन्य तकलीफों को कम करना, मरीज को अधिक आराम देना, उसकी भावनात्मक परेशानियों को समझना और उसकी जीवन-गुणवत्ता को बेहतर बनाना। कैंसर केवल मरीज को प्रभावित नहीं करता; उसका प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। मरीज की चिंता, परिवार की चिंता बन जाती है। मरीज की रातों की नींद, परिवार की भी नींद प्रभावित कर देती है। इसलिए पेलिएटिव केयर में केवल मरीज ही नहीं, बल्कि उसके परिवार की भावनात्मक और व्यावहारिक जरूरतों को भी समझता है।

जीवन की गुणवत्ता भी उपचार का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य

- कभी-कभी इलाज का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम केवल रिपोर्ट में दिखाई देने वाला बदलाव नहीं होता। कभी वह होता है—
- मरीज का पहली बार चैन से सो पाना।
- परिवार के साथ बैठकर भोजन कर पाना।
- अपने प्रियजनों से बिना तकलीफ बात कर पाना।
- कुछ देर मुस्कुरा पाना।

यही छोटे-छोटे पल मरीज और परिवार के लिए बहुत बड़ी राहत बन सकते हैं।

हिन्दी अन्य भाषाओं की जननी: डॉ. जया सिंह

रायपुर/नवप्रदेश। प्रगति कॉलेज चैबे कॉलोनी, रायपुर में शिक्षा एवं पत्रकारिता विभाग के सयुंक्त तत्वाधान हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जया सिंह, सह प्राध्यापक (कला एवं मानविकीय विभाग), आई सी एफ ए आई, विश्वविद्यालय,कुम्हारी, दुर्ग थी। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सौम्या नैयर द्वारा इस अवसर पर कहा कि सभी भाषाओं का अपना अलग-अलग महत्व है लेकिन हिन्दी भाषा सर्वोच्च है। उन्होनें हिन्दी भाषा की उपयोगिता पर जोर दिया स्कूल से विश्वविद्यालय एवं समाचार पत्र और पत्रकारिता, मीडिया, फिल्म आदि क्षेत्रों में हिन्दी का योगदान बताया, साथ ही उन्होनें नवाचार एवं तकनीकी विकास के लिए एवं अंतराष्ट्रीय समन्वय हेतु अन्य भाषाओं की जानकारी के बारे में भी बताया। हिन्दी दिवस के उपलबध पर डॉ. जया सिंह द्वारा हिन्दी भाषा की विकास यात्रा को संस्कृति का वाहक बताते हुए हिन्दी को देश विदेश की समृद्ध भाषा बताया। आपने अपने उद्बबोधन में आगे बताया की हिन्दी अन्य भाषाओं की जननी हैं। भाषा सिर्फ विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम नही होती बल्कि संस्कृति का प्रतिबिम्ब भी होती है। वैशवीकरण के कारण भाषा के प्रति भेदभाव ने हिन्दी को पिछड़ी भाषा बना दिया है जबकि आज हिन्दी को विश्व में 602 करोड़ लोग बोलते है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सौम्या नैयर, विभागाध्यक्ष डॉ. के. एन.गजपाल, डॉ.प्रवीण कुमार यादव एवं प्रशासिका कु.ज्योति ठाकुर, शिक्षा विभाग के समस्त प्राध्यापकगण एवं पत्रकारिता विभाग के सहायक प्राध्यापक संजीव वर्मा एवं कुमार बहुखण्डी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

रौद्र रूप में शिवनाथ नदी: मछुआरों की मदद से बाढ़ में फंसे व्यक्ति को सुरक्षित निकाला, लोगों की बढ़ी चिंता

बाढ़ से जमराव प्रभावित, 40 घरों में पहुंचा पानी

अमलेश्वर/जमराव/नवप्रदेश। खारून नदी में आई बाढ़ के कारण ग्राम पंचायत जमराव में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। बाढ़ से ग्राम के करीब 40 घर प्रभावित हुए हैं। प्रशासन एवं ग्राम पंचायत द्वारा स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

बाढ़ के दौरान एक व्यक्ति पानी में फंस गया था। स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद गांव के मछुआरों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाला गया।

बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों के लिए ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत भवन, शासकीय मिडिल स्कूल, शासकीय प्राथमिक स्कूल, निषाद समाज सामुदायिक भवन एवं साहू समाज सामुदायिक भवन को राहत शिविर के रूप में चिन्हित किया गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर ठहराया जा सके।

वहीं, बाढ़ पीड़ित परिवारों के लिए ग्राम पंचायत जमराव द्वारा राशन एवं सब्जी की व्यवस्था की गई है। पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित लोगों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखते हुए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सरपंच श्रीमती जागेश्वरी भेष कुमार सोनकर ने कहा कि बाढ़ की स्थिति को देखते हुए ग्राम पंचायत पूरी तरह सतर्क है। प्रभावित परिवारों की सुरक्षा एवं आवश्यक सुविधाओं के लिए पंचायत स्तर पर हरसंभव व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से नदी एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से न जाने तथा प्रशासन एवं पंचायत द्वारा जारी सावधानियों का पालन करने की अपील की।

गरियाबंद इलाके में भारी बारिश, नदी-नाले उफान पर, कई गांवों का जिला मुख्यालय से कटा संपर्क

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले में लगातार चार दिनों से हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। नदी-नाले उफान पर हैं और कई मार्गों पर पानी भरने से आवागमन प्रभावित हुआ। इसी बीच पैंटोरा नाला में पानी आने के कारण रायपुर-गरियाबंद मुख्य मार्ग पर भी यातायात पूरी तरह थम गया था। शुक्रवार दोपहर करीब 12 से 1 बजे के बीच मार्ग बंद होने के बाद जिला मुख्यालय के दोनों ओर सैकड़ों यात्री और वाहन फंस गए थे।

लगातार बारिश और नदी-नालों में बढ़े जलस्तर के कारण पैंटोरा क्षेत्र में सड़क पर पानी का दबाव बढ़ गया था। सुरक्षा को देखते हुए वाहनों की आवाजाही रोक दी गई थी और मौके पर जवानों की तैनाती की गई थी। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार पैंटोरा में पानी भरने के कारण रायपुर-गरियाबंद मार्ग पर वाहनों की कतार लग गई थी और पुलिसकर्मी मौके पर मुस्तैद थे।

रातभर डटे रहे जवान, सुबह आई राहत की खबर

भारी बारिश के बीच पुलिस और सुरक्षा में लगे जवानों ने रातभर मोर्चा संभाले रखा। बारिश रुकने के बाद धीरे-धीरे पैंटोरा नाला का पानी कम हुआ और शनिवार सुबह करीब 6 बजे मार्ग से पानी उतरने के बाद आवागमन फिर से शुरू कर दिया गया।

करीब 16 घंटे तक बंद रहे मार्ग के खुलने से रायपुर और गरियाबंद की ओर जाने वाले यात्रियों ने राहत की सांस ली। सुबह से ही सड़क पर वाहनों की आवाजाही सामान्य होने लगी।

डॉ.अशोक त्रिवेदी को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

- देशभर के 250 डॉक्टर्स हो रहे शामिल

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. अशोक त्रिवेदी को मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके पांच दशकों से अधिक के समर्पित योगदान के लिए लाइफ्टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें सेंट्रल साइकियाट्रिक सोसाइटी (इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी-सीजेड) की 47वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस सिपकॉन 2026 के दौरान प्रदान किया गया। जिसका आयोजन छत्तीसगढ़ साइकियाट्रिक सोसाइटी द्वारा 25 से 27 सितंबर तक रायपुर में किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय है फ्रॉम फाउंडेशन्स टू फ्रंटियर्स साइकियाट्री इन द करंट एरा जिसमें देशभर से करीब 250 डॉक्टर्स शामिल हो रहे हैं।

डॉ. त्रिवेदी ने मेडिकल कॉलेज जबलपुर से चिकित्सा शिक्षा में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज से स्नातकोत्तर प्रशिक्षण लिया। इसके पश्चात उन्होंने निमहांस, बेंगलुरु से उन्नत प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत उन्होंने भिलाई स्टील प्लांट अस्पताल से की, जहां उन्होंने लगभग 20 वर्षों तक सेवाएं दीं। वे छत्तीसगढ़ के दूसरे मनोचिकित्सक के रूप में कार्य करने वाले चिकित्सकों में शामिल रहे। उस दौर में मानसिक रोगों को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों और सामाजिक कलंक के बीच उन्होंने निरंतर जनजागरूकता का कार्य किया।

इसके बाद उन्होंने एमएमआई अस्पताल, रायपुर में दो वर्षों तक सेवाएं दीं और विगत लगभग 30 वर्षों से निजी चिकित्सा प्रैक्टिस के माध्यम से मनोचिकित्सकीय सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। शोध के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। औद्योगिक आबादी में मानसिक रुग्णता पर किए गए उनके फील्ड स्टडी के लिए उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया, वहीं उनके कई शोध-पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

श्रीसनमती नगर दिगंबर जैन मंदिर में व्रतियों का सम्मान

रायपुर/नवप्रदेश। महापर्व पर्युषण के अंतिम दिवस पर फाफाडीह,सन्मती नगर स्तिथ श्री खण्डेलवाल दिगंबर जैन मंदिर में संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्या सागर जी महामुनि राज के सु शिष्य 108 श्री आगम सागर जी मुनी महाराज के आशीर्वाद से विनोद बड़जात्या-संजना बड़जात्या, विपुल जैन-सौम्या जैन अल्पना पाटनी, प्रांजल पाटोदी,दक्ष बाकलिवाल,लक्ष्मी देवी जैन, भावेश जैन के दस लक्षण व्रत एवं कु. जाह्नवी बड़जात्या के पंच मेरु व्रत आनन्द पूर्वक सम्पन्न होने पर पंचायत के द्वारा व्रतियों के द्वारा आत्मशुद्धी ,आत्म कल्याण हेतु उनका सम्मान किया गया. उपरोक्त जानकारी पंचायत के अध्यक्ष - अरविंद बड़जात्या ने दी।

बीमा सुधार के नाम पर आम जनता की जेब पर खुलेआम डकैती: कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण, (आईआरडीएआई) की रिपोर्ट में उजागर कमीशन के खेल को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि विगत दो साल के बीच नया प्रीमियम केवल 28 प्रतिशत बढ़ा, लेकिन दलाली 173 प्रतिशत बढ़ गई, केवल यही नहीं लोन के साथ बिकने वाली ग्रुप क्रेडिट लाइफप्रोडक्ट पर कमीशन महज़ दो साल में 5 प्रतिशत से नौ गुना बढ़कर सीधे 45 प्रतिशत यह बीमा का सुधार नहीं, आम जनता की जेब पर खुलेआम डकैती है।

कलिंगा विवि ने 'सामान्य बीमारियों के लिए घरेलू उपचार की तैयारी' विषय पर कार्यशाला का किया आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। कलिंगा विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय द्वारा जैव प्रौद्योगिकी (बायोटेक्नोलॉजी) विभाग और योग विभाग के सहयोग से विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में सामान्य बीमारियों के लिए घरेलू उपचार की तैयारी विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। बायोविजन और कैंपस ऑन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में कलिंगा विश्वविद्यालय और माता कर्मा कॉलेज, महासमुंद के 200 से अधिक विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को सरल, आसानी से उपलब्ध और किफायती प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग करके पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियों के प्रति जागरूक करना था। घरेलू उपचारों के जिम्मेदार उपयोग पर जोर देते हुए, इस सत्र में बुनियादी तैयारी तकनीकों, उचित स्वच्छता और घरेलू समाधानों की वैज्ञानिक सीमाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। यह पहल संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप रही, जिनमें SDG 3 (अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण), SDG 4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) और स्ङ्गत्त 12 (जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन) शामिल हैं। उद्घाटन समारोह में प्रमुख अकादमिक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए, जिनमें डॉ. मोनिका सेठी शर्मा, प्रति-कुलपति, कलिंगा विश्वविद्यालय, डॉ. बेंदी अंजनेयुलु, उप डीन- अकादमिक मामलें एवं प्रभारी डीन- विज्ञान संकाय, कलिंगा विश्वविद्यालय, डॉ. सुषमा दुबे, विभागाध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, कलिंगा विश्वविद्यालय (कार्यक्रम समन्वयक) शामिल थे।

कलिंगा विश्वविद्यालय के योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार मानिक मुख्य विषय-विशेषज्ञ (रिसोर्स पर्सन) थे। उन्होंने पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियों पर व्यावहारिक अंतर्दृष्टि साझा की और सामान्य प्राकृतिक सामग्रियों की उचित तैयारी एवं उनके उपयोग का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक प्रश्नोत्तरी सत्र के साथ हुआ, जिसके बाद समापन भाषण में डॉ. मोनिका सेठी शर्मा और डॉ बेंदी अंजनेयुलु ने अंतर-विषयक अध्ययन के महत्व और पारंपरिक उपचारों के प्रति एक वैज्ञानिक एवं प्रमाण-आधारित दृष्टिकोण बनाए रखने पर बल दिया। कार्यक्रम आयोजकों ने कहा की इस तरह की अंतर-विषयक पहल छात्रों को जैव प्रौद्योगिकी, पारंपरिक स्वास्थ्य और टिकाऊ जीवन शैली को आपस में जोड़ने का अवसर देती है, साथ ही यह वैज्ञानिक रूप से जिम्मेदार स्वास्थ्य पद्धतियों के प्रति जागरूकता भी बढ़ाती है।

प्रथम पेज का शेष

भारत को एक दिन में कबड्डी...

ईरान को 37-34 से हराकर गोल्ड जीता था। 7वें दिन भारत को अब तक 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज समेत 5 मेडल मिल चुके हैं। शनिवार को स्क्वॉश में पहली बार भारत के दो खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे हैं। 18 साल की अनाहत सिंह विमेंस सिंगल्स और अभय सिंह ने मेंस सिंगल्स के फाइनल में जगह बनाई। भारत ने अब तक 4 गोल्ड, 11 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज सहित 28 मेडल जीत लिए हैं।

छत्तीसगढ़ की बेटी संजू देवी ने...

से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुश्री संजू देवी से कहा कि आपने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और शानदार प्रदर्शन से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्वर्णिम सफलता प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में छत्तीसगढ़ की बेटी की महत्वपूर्ण भागीदारी प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर, प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के गांवों, आदिवासी अंचलों और छोटे शहरों में मौजूद खेल प्रतिभाओं को उचित मंच मिले और वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करें। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ओलिंपिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया उपस्थित थे।

एसआईआर में जिनका नाम...

वे रैन बसेरों में रहने वाले लोगों, मजदूरों, गरीबों और बेघर नागरिकों के लिए विशेष शिविर और सहायता केंद्र स्थापित करें ताकि अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं का नाम सूची में जोड़ा जा सके।

बैठक में यह भी बताया गया कि दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के अनुरोध पर दावे और आपत्तियां दाखिल करने की आखिरी तारीख बढ़ाकर 30 अक्तूबर 2026 कर दी गई है, जबकि इनके निस्तारण की समयसीमा 30 नवंबर 2026 तक बढ़ाई गई है।

वहीं महाराष्ट्र में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समयसीमा 12 अक्टूबर और निस्तारण की समयसीमा 10 नवंबर 2026 तक कर दी गई है। चुनाव आयोग ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया बिहार और पश्चिम बंगाल सहित 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पूरी हो चुकी है। जिन लोगों का नाम किसी कारणवश छूट गया है या जो पहली बार मतदाता बनने के पात्र हैं, वे संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पास आवेदन देकर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। इसके लिए राज्यों में विशेष नामांकन अभियान भी चलाया जाएगा।

आयोग ने यह भी निर्णय लिया कि सभी आयोग बैठकों का एजेंडा पहले से जारी किया जाएगा तथा बैठक के मिनट्स भी उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एपीएआर) समय पर पूरी करने और विदेशी दौरों के लिए आयोग की मंजूरी अनिवार्य करने का फैसला भी लिया गया।

दरअसल, अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से चुनाव आयुक्त विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधू की कई फैसलों में असहमति रही है। जिसके बाद विपक्ष ज्ञानेश कुमार पर मनमाने तरीके से फैसले लेने का आरोप लगा रहा है। वहीं, कॉकरोच जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की है। इसके लिए सीजेपी ने उन्हें 48 घंटे का समय दिया था। सीजेपी ने इस्तीफा नहीं देने पर 2 अक्टूबर को देशव्यापी आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है।

2027 में आखिरी वर्ल्ड...

क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने 2024 में टी-20 इंटरनेशनल और 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। विराट कोहली अब तक 4 वनडे वर्ल्ड कप (2011, 2015, 2019 और 2023) खेल चुके हैं। उनके नाम वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा 54 शतक भी हैं।

2011 में धोनी की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीते

कोहली का यह पांचवां वनडे वर्ल्ड कप होगा। 2011 में भारतीय टीम ने धोनी की कप्तानी 28 साल बाद खिताब जीता था और कोहली उस टीम का हिस्सा थे। 2023 में भारत फाइनल तक पहुंचा, लेकिन अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार गया। वर्ल्ड कप में कोहली का रिकॉर्ड भी उनके लंबे सफर को दिखाता है। उन्होंने 37 मैचों में 1,795 रन बनाए हैं। औसत 59.83 का है। उनके नाम 5 शतक और 12 अर्धशतक हैं।

झीरमकांड: राहुल गांधी से...

यात्रा के चौथे चरण में हुआ था। इसलिए इससे पहले हुए यात्रा के पहले तीन चरणों में कैसी सुरक्षा व्यवस्था थी, इसकी भी जानकारी मांगी गई है।

वरिष्ठ वकीलों से ली जाएगी सलाह

मामले में आगे की कानूनी रणनीति को लेकर कांग्रेस वरिष्ठ वकीलों की मदद लेगी। बताया जा रहा है कि कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी और विवेक तन्खा से सलाह ली जा सकती है। उनकी सलाह के आधार पर मामले में वकील नियुक्त करने की संभावना है। हालांकि, इसको लेकर अभी आधिकारिक तौर पर कोई फैसला नहीं हुआ है। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव समेत पीड़ित परिवारों के सदस्य शामिल हुए। बैठक करीब 45 मिनट चली।

13 साल बाद फैसला 10 दोषियों को मृत्युदंड

झीरम घाटी हमले मामले में करीब 13 साल बाद सितंबर में कोर्ट का फैसला आया। 5 सितंबर को जगदलपुर की विशेष एनआईए अदालत ने 10 आरोपियों को दोषी ठहराया था। इसके बाद 16 सितंबर को कोर्ट ने सभी 10 दोषियों को मौत की सजा सुनाई। 2013 में हुए इस हमले में कांग्रेस के कई बड़े नेताओं समेत 27 लोगों की मौत हुई थी। मृतकों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल और उदय मुदलियार समेत कई नेता शामिल थे।

यूएन में शरीफ के फर्जी ...

सुनीं, जिन्हें भारत ने बेहद असंगत माना। उन्होंने 9/11 आतंकी हमले की 25वीं बरसी का भी संदर्भ दिया। गहलोत ने आतंकवादी संगठन अल-कायदा के प्रमुख ओसामा बिन लादेन का जिक्र करते हुए कहा कि वह पाकिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई में मारा गया था और भारत ने पाकिस्तान के आतंकवाद से जुड़े रिकॉर्ड पर सवाल उठाया। पेटल गहलोत ने पाकिस्तान की राजनीतिक व्यवस्था पर भी टिप्पणी की। उन्होंने पाकिस्तान में सत्ता और सेना के संबंधों को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि वहां वास्तविक फैसले लेने वाली शक्ति को लेकर भ्रम नहीं होना चाहिए।

दिन में शांति की बात, रात में आतंकवाद

भारतीय राजनयिक ने पाकिस्तान की आतंकवाद नीति पर भी हमला बोला। उनके मुताबिक पाकिस्तान की ओर से मंच पर शांति और सुरक्षा की बातें की जाती हैं, लेकिन भारत लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर आरोप लगाता रहा है। भारत ने पहले भी संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर पाकिस्तान पर आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाए हैं। 2025 में भी पेटल गहलोत ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के यूएनजीए भाषण के जवाब में आतंकवाद और पाकिस्तान में ओसामा बिन लादेन की मौजूदगी का मुद्दा उठाया था।

कश्मीर के मुद्दे पर भी भारत का जवाब

शहबाज शरीफ की ओर से जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने के बाद पेटल गहलोत ने भारत का रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। गहलोत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाते हुए वहां के लोगों की स्थिति पर भी सवाल किए। उन्होंने रावलकोट का उल्लेख करते हुए पाकिस्तान पर स्थानीय लोगों के अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े सवाल उठाए। भारत लंबे समय से पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान से क्षेत्र खाली करने की मांग करता रहा है, जबकि पाकिस्तान कश्मीर को विवादित क्षेत्र बताते हुए अलग रुख रखता है।

सिंधु जल संधि का भी उठा मुद्दा

पेटल गहलोत ने सिंधु जल संधि को लेकर भी भारत का पक्ष रखा। भारत का कहना रहा है कि सीमा पार आतंकवाद के जारी रहने की स्थिति में दोनों देशों के बीच सहयोग पहले जैसा नहीं रह सकता। 2026 में भी भारत ने संयुक्त राष्ट्र के एक अन्य मंच पर पाकिस्तान की ओर से उठाए गए सिंधु जल संधि के मुद्दे का जवाब देते हुए कहा था कि आपसी विश्वास और सद्भाव के आधार पर सहयोग तभी संभव है, जब सीमा पार आतंकवाद को राज्य नीति के साधन के तौर पर इस्तेमाल करना बंद किया जाए।

दल्लीराजहरा-रावघाट का अंतिम...

से बस्तर अंचल की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि रावघाट तक रेल पटरी पहुंचना केवल रेल कनेक्टिविटी का विस्तार नहीं, बल्कि दूरस्थ अंचलों में विकास और आर्थिक गतिविधियों के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दल्लीराजहरा से रावघाट तक रेल संपर्क का विस्तार इस अंचल के सामाजिक और आर्थिक जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने वाला सिद्ध होगा। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से स्थानीय नागरिकों के लिए आवागमन सुगम होगा और राजधानी रायपुर सहित देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंच बेहतर होगी। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार और व्यापार से जुड़े अवसरों तक क्षेत्रवासियों की पहुंच और आसान होगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि प्रदेश के दूरस्थ से दूरस्थ क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। सड़क, रेल, हवाई और डिजिटल कनेक्टिविटी का विस्तार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। बस्तर सहित दक्षिण छत्तीसगढ़ में मजबूत होती कनेक्टिविटी क्षेत्र की संभावनाओं को नई शक्ति दे रही है।

रेल कनेक्टिविटी से बदली छत्तीसगढ़ की तस्वीर- मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दक्षिण छत्तीसगढ़ में शांति, सुरक्षा और विकास के साथ आधारभूत अधोसंरचना का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। जिन क्षेत्रों में कभी आवागमन कठिन था, वहां आज सड़क, रेल और संचार नेटवर्क का विस्तार हो रहा है। सरकार का प्रयास है कि विकास की सुविधाएं अंतिम छोर पर बसे व्यक्ति तक पहुंचें और उसे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा आर्थिक प्रगति के समान अवसर मिलें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रावघाट तक पहुंची रेल पटरी विकास की पटरी पर तेजी से आगे बढ़ते छत्तीसगढ़ की तस्वीर है। यह रेल लाइन दक्षिण छत्तीसगढ़ की दूरियां कम करने के साथ यहां के लोगों को अवसरों के और करीब लाएगी। आने वाले समय में बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से इस पूरे अंचल की आर्थिक और सामाजिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

अवैध कॉलोनियों पर सख्त सुप्रीम कोर्ट मेरठ में सील होंगी 16,726 संपत्तियां

नई दिल्ली/ए.। अवैध निर्माण और आवासीय संपत्तियों के व्यावसायिक इस्तेमाल पर गंभीर रुख अपनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को मेरठ में 16,726 संपत्तियों को सील करने और अनधिकृत निर्माणों को गिराने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने मेरठ के बाहरी इलाके उल्देपुर में अवैध आवासीय कॉलोनियों के विकसित होने की प्रकृति की विस्तृत जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग भी गठित किया है। पीठ ने कहा, ÷इस प्रक्रिया में पहला कदम कब्जाधारियों से परिसर खाली करने के लिए कहना और इन सभी परिसरों यानी 16,726 अवैध निर्माणों को सील करना है। हम इसी का निर्देश देते हैं।÷ अदालत ने कहा कि संभव है कि इनमें से कुछ निर्माण जर्जर स्थिति में हों और उनके गिरने से लोगों की जान जा सकती है। पीठ ने कहा कि वह किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं चाहती और इसलिए तत्काल कार्रवाई जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने चारों जोन में भी तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पीठ ने यह भी कहा कि अगर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से किसी घटना में निर्दोष लोगों की जान जाती है तो इसके लिए जिम्मेदार सरकारी अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा। अदालत ने कहा कि स्थिति रिपोर्ट में जोन बी, जोन सी और जोन डी की स्थिति का उल्लेख नहीं है। इसलिए इन तीनों जोन में मौजूद अवैध निर्माणों की संख्या को लेकर फिलहाल अदालत के पास पूरी जानकारी नहीं है।

पीठ ने निर्देश दिया कि अगली सुनवाई में संबंधित प्राधिकरण को जोन बी, जोन सी और जोन डी के बारे में विस्तृत रिपोर्ट पेश करनी होगी। अदालत ने कहा, ÷हालांकि, चूंकि जोन ए में अवैध निर्माण की पहचान हो चुकी है, इसलिए अब उन्हें गिराने के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी।÷

मेरठ में अनधिकृत निर्माणों पर क्यों चिंता?- पीठ ने आगे कहा, ÷स्थिति रिपोर्ट से सामने आने वाली पूरी तस्वीर बेहद गंभीर है। अधिकारियों को इन अनधिकृत निर्माणों को गिराने के लिए दिन-रात काम करने की जरूरत है।÷ स्थिति रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों को चिंताजनक बताते हुए अदालत ने कहा, ÷पूरे शहर और बाहरी इलाकों में अनधिकृत या अवैध निर्माण की स्थिति अब प्राधिकरण की रिपोर्ट से ही सामने आ गई है।

शीर्ष अदालत ने विध्वंस की प्रक्रिया जारी रखने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई तक आगे की स्थिति रिपोर्ट पेश करने को कहा। उल्देपुर के संबंध में पीठ ने कहा कि रिपोर्ट देखने से पता चलता है कि सील की गई 44 संपत्तियों के संबंधित मालिकों को जल्द से जल्द नोटिस जारी किए गए थे। अदालत ने बताया कि इन 44 में से 20 संपत्तियों को गिराया जा चुका है और उनके अनधिकृत व्यावसायिक इस्तेमाल को रोक दिया गया है।

अधिकारियों को क्यों लगाई फटकार- रिपोर्ट के अनुसार, 44 में से 38 संपत्तियों के भवन नक्शे मंजूर थे, लेकिन मालिकों ने इनमें अनधिकृत निर्माण और अतिरिक्त निर्माण कर लिए थे। इन संपत्तियों का इस्तेमाल व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भी किया जा रहा था। रिपोर्ट में कहा गया कि छह संपत्तियां प्लॉट के रूप में बेची गई थीं और उनमें बिना योजना या नक्शे की मंजूरी के अनधिकृत आवासीय और व्यावसायिक निर्माण किए गए थे।

चार में केवल एक जोन की रिपोर्ट में ही निकले 16 हजार से ज्यादा अवैध निर्माण

पीठ ने उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के अध्यक्ष पी गुरु प्रसाद की ओर से दाखिल स्थिति रिपोर्ट देखने के बाद कहा, ÷हम यह जानकर स्तब्ध और परेशान हैं कि स्थिति रिपोर्ट पढ़ने पर पता चलता है कि उल्देपुर में सैकड़ों अवैध आवासीय कॉलोनियां विकसित हो गई हैं। पीठ ने कहा कि विभाग ने मेरठ के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण और सर्वेक्षण किया है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर नहीं थम रहे हमलेः ढाका। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर एक और चिंताजनक घटना सामने आई है। मयमनसिंह जिले के बेगुनबाड़ी इलाके में एक हिंदू व्यक्ति का शव ड्रम के अंदर तैरता हुआ मिला। स्थानीय मीडिया के मुताबिक शव स्लूइस गेट के पास बरामद हुआ। मृतक की पहचान 50 साल के निरंजन चंद्र सूत्रधार के तौर पर हुई है, जो मयमनसिंह के अठारबारी बिल्डिंग इलाके में एक ज्वैलरी शॉप चलाते थे।

आम-सूचना

यह कि मैं अधिकृत अधिवक्ता जयराम भागवानी (जिला न्यायालय दुर्ग) स्वतंत्र माइको हाउसिंग फाइनेंस कॉरपरेशन लिमि. रायपुर तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) से प्राप्त अधिकार एवं निर्देशानुसार यह सूचना प्रकाशित करता/करती हूँ कि मेरे पक्षकार गुडिया देवी पति श्री चंदन सिंह निवासी भिलाई दुर्ग (छ.ग.) द्वारा दिये गये अधिकार उपरान्त विक्रेता बल्दू राम देशमुख पिता स्व. जोधीराम देशमुख के तरफसे आम मु. राजू तुर्रे पिता श्री गोर्वधन तुर्रे निवासी वार्ड नं. 6, मोतीपुर राजनांदगांव - कमल देव राय पिता स्व. (छ.ग.) आ.मु. दिनांक 10.02.2021 द.न. 461 उपपंजीयक दुर्ग केता दीनानाथ राय निवासी केम्प 1, भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) मौजा कुरूद प.ह.न. 19. रा.नि.म. दुर्ग-1, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) खसरा नं. 1202 का भाग रकबा 0.013 हे. 1372.50 वर्गफीट रजिस्ट्री दिनांक 27/03/2022 ग्रन्थ नं. 1912 पृष्ठ नं. 136-165 दस्तावेज नं. 7383, उपपंजीयक 03 दुर्ग की मूल रजिस्ट्री कहीं गुम हो गया है उक्त मूल रजिस्ट्री स्टाम्प का कोई दुरूपयोग ना करे अतएवं आम जनता जो कि उक्त जमीन / मकान के संबंध में किसी प्रकार का स्वत्व: स्वामित्व रखता हो तो इस सूचना के प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि अवसर पश्चात् किसी प्रकार की दावा आपत्ति शून्य एवं निष्प्रभावी होगा। सूचनार्थ एवं पालनार्थ प्रकाशित।

जयराम भगवानी (अधिवक्ता)
प्लाट नं. 28 पेट्रोल पंप के बाजू में
न्यू आदर्श नगर जिला-दुर्ग (छ.ग.)
मो. 9302838684

नाम/परिवर्तन

मैं नाम व जन्मतिथि दामेन्द्र कुमार (DHAMENDRA KUMAR) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र पुरषोत्तम यादव (PURUSHOTTAM YADAV) जन्मतिथि 01.01.1982 स्वंय का नाम दामेन्द्र कुमार (DAMENDRA KUMAR) पिता परषोत्तम (PARSHOTTAM) जन्मतिथि 16.07.1984, उम्र 42 वर्ष, निवासी-671, वार्ड नंबर-17, ग्राम व पोस्ट-खोपली, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) ने अपना नाम व जन्मतिथि दामेन्द्र कुमार (DHAMENDRA KUMAR) आत्मज पुरषोत्तम यादव (PURUSHOTTAM YADAV) जन्मतिथि 01.01.1982 से बदल कर दामेन्द्र कुमार (DAMENDRA KUMAR) पिता परषोत्तम (PARSHOTTAM) जन्मतिथि 16.07.1984 (नया नाम व जन्मतिथि) रख लिया है।

शपथकर्ता
दामेन्द्र कुमार पिता पुरषोत्तम यादव
निवासी-671, वार्ड नंबर-17
ग्राम व पोस्ट-खोपली
तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202609103800029
/अ-20(3)/ वर्ष 2025-26

आवेदिका मनीषा श्रीवास्तव पति संजय कुमार श्रीवास्तव निवासी म.नं. 27/बी सड़क-37 सेक्टर-4 भिलाई जिला दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको स्थित नजूल भूमि ख.नं 1/2, 2/2 भूखंड कं.एम.आई.जी. 2/408 क्षेत्रफल 160 वर्गमीटर भूमि धारकगण सजी जोसफ रेजी जोसफ राजू जोसफ मर्सी वल्सन पिस. स्व.टी.जी. जोसफ के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारकगण द्वारा उक्त भूखण्ड पंजीकृत बैनामा दिनांक 25.08.2026 द्वारा आवेदक के पक्ष में विकय पत्र निष्पादित किया है। आवेदक द्वारा उक्त विकय पत्र के आधार पर प्रश्नाधीन भूखंड से धारक का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 08.10.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21.09.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार/व्यक्तिगत सूचना

रा.प्र.क्र.202609103800017
/54/अ-20(3)/ वर्ष 2025-26

विनीता सैनी पत्ति राजेश सैनी, निवासी आगदी नगर हुडको भिलाई जिला दुर्ग छ.ग. ..आवेदक
विरूद्ध :- छत्तीसगढ़ शासन ..अनावेदक
प्रति, जी. व्ही. सुब्बाराव आ.स्व. एस. वेंकटराव के तरफसे आम मुख्तयार डॉ. पी.एस.ए. शर्मा निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई जिला दुर्ग छ.ग.

आवेदिका विनीता सैनी पति राजेश सैनी निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई व्दारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको स्थित नजूल भूमि ख.नं. 12/2/2 भूखण्ड क्रं. एम.आई.जी. 2/437 क्षेत्रफ्ल 192 वर्गमीटर भूमि धारक जी.व्ही. सुब्बाराव आ. स्व. एस. वेंकटराव के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक जी.व्ही. सुब्बाराव के तरफ से आम मुख्तयार डॉ. पी.एस.ए. शर्मा व्दारा उक्त भूखण्ड पंजीकृत बैनामा दिनांक 15.01.2015 व्दारा आवेदक के पक्ष में विक्रय पत्र निष्पादित किया है। केता क्रं. 1 सरोज गुप्ता पति स्व. डॉ. के.आर. गुप्ता की मृत्यु दिनांक 13.08.2020 को हो चुकी है। उनके वारिसान विनीता सैनी है, अन्य कोई वारिसान नहीं है। आवेदक व्दारा उक्त विक्रय पत्र के आधार पर प्रश्नाधीन भूखण्ड से धारक का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा आपको हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में दावा या आपत्ति अथवा अपना पक्ष समर्थन हेतु प्रकरण की सुनवाई दिनांक 12.10.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख सहित प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा। नियत सुनवाई तिथि में आपकी अनुपस्थिति की दशा में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही किया जावेगा, जिसके लिए आप स्वयं उत्तरदायी होंगे।

आज दिनांक 21.09.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार/व्यक्तिगत सूचना

मा.क्र.202607100700102
/अ-06अ/वर्ष 2025-26

ग्राम दुर्ग प.ह.न. 29 तह. व जिला दुर्ग
प्रति, श्री अमित कुमार साहू पिता जे.पी. साहू निवासी-क्वा.नं. 2/ए, सड़क-15 सेक्टर-5, भिलाई तहसील व जिला-दुर्ग
विषय :- न्यायालय तहसीलदार में उपस्थित होने बाबत्।

एतद् द्वारा इस नोटिस के जरिये आपको सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में आवेदिका दुलारी बाई पति कृष्णा लाल निवासी बैजनाथपारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 323/104 रकबा 0.018 हे./2000 वर्गमीटर भूमि को विक्रेता अमित कुमार साहू पिता जे.पी. साहू निवासी भिलाई से रजिस्ट्री बैनामा दिनांक 09.10.2007 को कय किया गया है। उक्त भूमि का प्रमाणीकरण नामांतरण पंजी कं. 165 दिनांक 26/07/2008 हो चुका है जिसके उपरांत ऋण पुस्तिका क पी-0918951 जारी किया जा चुका है, किन्तु वर्तमान ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में पूर्व विक्रेता अमित कुमार साहू पिता जे.पी. साहू के नाम पर प्रदर्शित हो रहा है। जो कि त्रुटिपूर्ण है। आवेदिका द्वारा प्रस्तुत रजिस्ट्री बैनामा एवं ऋण पुस्तिका में दर्ज के आधार पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज ÷अमित कुमार साहू पिता जे.पी. साहू÷ को सुधार कर ÷दुलारी बाई पति कृष्णा लाल निवासी बैजनाथपारा दुर्ग÷ का नाम दर्ज कर रिकार्ड शुद्ध किये जाने बाबत् आवेदन पत्र संबंधित दस्तावेजों को संलग्न कर इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण सुनवाई हेतु दिनांक 28.09.2024 को नियत है। अतः आप नियत सुनवाई दिनांक को न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा पेश कर सकते है। बाद में आपत्ति आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 22.09.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202608103800034
/अ-20(1)/ वर्ष 2025-26

आवेदिका श्रीमती कीर्ति कोसले पति द्वारिका कोसले, निवासी ग्रा. बहेरभाठा जिला राजनांदगांव के आवेदन अनुसार दुर्ग नजूल स्थित भूमि शीट क. 88डी, भूखण्ड क. 97, रकबा 926 वर्गफीट आवेदिका के नाम पर दर्ज है। उक्त पटटे की अवधि 31.03.2002 को समाप्त हो चुकी है। उक्त आधार पर आवेदक द्वारा पटटा नवीनीकरण किये जाने आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 22.10.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24.09.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मैं शिल्पी मंडल (SHILPI MANDAL) सुपुत्री -कार्तिक चन्द्र मंडल (KARTIK CHANDra MANDAL) उम्र 30 वर्ष, निवासी- मकान नं. 324, शहीद भगत सिंह मार्ग, शकुन्तला विद्यालय के पास, पो. सुपेला भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) 490023 ने अपने अपना नाम शिल्पी मंडल (SHILPI MANDAL) से बदलकर शाहीन बेगम (SHAHIN BEGUM) रख लिया है।

शपथकर्ता
शिल्पी मंडल पिता कार्तिकचन्द्र मंडल
निवासी- मकान नं. 324, शहीद भगत सिंह मार्ग, शकुन्तला विद्यालय के पास, पो. सुपेला भिलाई
तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202609103800022
/अ-20(3)/ वर्ष 2025-26

आवेदक तेजप्रकाश महोबिया आ. अनिल कुमार महोविया निवासी बरई पारा दुर्ग जिलां दुर्ग के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग नजूल भूमि शीट कमांक 45 अ भूखंड कं. 113 क्षेत्रफ्ल 30 वर्गमीटर भूमि धारक नदंनी बाई पति अनिल कुमार महोबिया के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक नदंनी बाई की मृत्यु दिनांक 18.10.2017 को हो चुकी है, मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न है। मृतक के विधिक वारिसान तेज प्रकाश महोबिया, मोनिका थवाईत, आर्यन गहोविया पिस. अनिल कुमार महोबिया है। आवेदक द्वारा उक्त प्रश्नाधीन भूखण्ड से मृतक धारकं का नाम नजूल अभिलेख से विलोपित कर वारिसानों का नाम पर फौती नामान्तरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 08.10.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21.09.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202609103800037
/अ-20(1)/ वर्ष 2025-26

आवेदक सिद्धांत सोनी पिता स्व. श्याम सुन्दर सोनी, निवासी ब्राम्हणपारा दुर्ग के आवेदन अनुसार दुर्ग नजूल स्थित भूमि शीट क. 29सी, भूखण्ड कमांक 102, रकबा 54 व.मी. भूमि आवेदक के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। उक्त पटटे की अवधि 31.03.2002 को समाप्त हो चुकी है। उक्त आधार पर आवेदक द्वारा आगामी अवधि हेतु पटटा नवीनीकरण किये जाने आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 12.10.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21.09.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.202609100700052
/अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक नूर मोहम्मद पिता अब्दुल बशीर निवासी शहीद भगत सिंह रोड तितुरडीह दुर्ग तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम तितुरडीह प.ह.नं. 41 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 80/14 रकबा 0.0010 हे. लगान अभिलेखानुसार भूमि बयनामा कीमत तथा बाजार मूल्य 60,000/- रूपये भूमि को विकेतागण नूरजहान बीबी पति अब्दुल मजीद स्वयं वो वली ना.बा. सैनित हसीना पिता अब्दुल मजीद, मोहम्मद साबीर पिता अब्दुल मजीद निवासी तितुरडीह दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 23/09/2006 को कय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर केता के पक्ष में नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 29.09.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 17.09.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मैं निखत खान (NIKHAT KHAN) पति मोहिब उल्लाह खान (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) शहर 448/सी 00072, न्यू टेंट हाउस बेरन बाजार रायपुर, तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) 492001 से अपना नाम निखत खान (NIKHAT KHAN) (पुराना नाम) से बदल आयशा निखत खान (AYESHA NIKHAT KHAN) पति मोहिब उल्लाह खान (MOHIB ULLA KHAN) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
निखत खान पति मोहिब उल्लाह खान
शहर 448/सी 00072, न्यू टेंट हाउस बेरन बाजार रायपुर,
तह. व जिला रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
मामले की श्रेणी-राजस्व
ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00049 रिसाली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी. 202526430104800246

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00049 के अंतर्गत ग्राम रिसाली के वर्तमान भूमिस्वामी विट्ठल नारायण राव केन्डे पिता/पति नारायण राव गोविंद राव पता 273/ए रिसाली सेक्टर भिलाई के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 457/7(0.0200) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता विजया विठ्ठल केन्डे पिता/पति विठ्ठल नारायण राव केन्डे पता वार्ड नं. 63 आशीष नगर रिसाली भिलाई, आशिष कुमार केन्डे पिता/पति विठ्ठल नारायण राव केन्डे पता वार्ड नं. 63 आशीष नगर रिसाली भिलाई, अनिल कुमार केन्डे पिता/पति विठ्ठल नारायण राव केन्डे पता वार्ड नं. 63 आशीष नगर रिसाली भिलाई के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 05.10.2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25.09.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार भिलाई-03 जिला दुर्ग (छ.ग.)
मामले की श्रेणी-राजस्व
ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील- भिलाई-3 प.ह.न. 00009 चरोदा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण आर.डी. 202425430300400100

तहसील भिलाई-3 के प.ह.न. 00009 के अंतर्गत ग्राम चरोदा के वर्तमान भूमिस्वामी दिलीप कुमार पिता/पति बलदेव सिंह पता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सामने जीई रोड चरोदा तह. भिलाई-03 जिला दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 304/3(0.0450) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता यांशिका पिता/पति दिलीप सिंह पता स्टेट ऑफ इंडिया बैंक के सामने चरोदा, नीना रानी पिता/पति दिलीप सिंह पता स्टेट ऑफ इंडिया बैंक के सामने चरोदा, के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरूस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 09.10.2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार भिलाई-03 पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16.09.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
भिलाई-03 (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
मामले की श्रेणी-राजस्व
ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00040 कसारीडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी. 202526430104100183

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00040 के अंतर्गत ग्राम कसारीडीह के वर्तमान भूमिस्वामी खमेन्द्र कुमार यादव पिता/पति भुखाराम यादव पता बैजनाथ पारा दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 97/7(0.0070) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता नरेन्द्र कुमार यादव पिता/पति स्व. खमेन्द्र कुमार यादव पता वार्ड 38 बैजनाथपारा दुर्ग, पुष्पाबाई यादव पिता/पति स्व. खमेन्द्र कुमार यादव पता वार्ड 38 बैजनाथपारा दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 07.10.2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22.09.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा,
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

क्रमांक/1116 / तक./ नि.आ.सू./ न.पा.परि./2026-27

दन्तेवाड़ा, दिनांकः 25/09/2026

रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) निरस्तीकरण सूचना

कार्यालय के द्वारा जारी रूचि की अभिव्यक्ति सूचना क्रमांक 1085 दिनांक 22.09.2026 के द्वारा पुराना धर्मशाला एवं नवीन धर्मशाला के संचालन हेतु रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित किया गया था। उक्त रूचि की अभिव्यक्ति अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय दन्त चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

क्र./ 4391 / क्रय / जीडीसी / 2026

रायपुर, दिनांक 24/9/2026

// द्वितीय निविदा सूचना //

शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के **ओरल सर्जरी, ओरल पैथालाजी, आर्थोडोन्टिक्स एवं अन्य विभागों** में लगने वाले आवश्यक डेन्टल मटेरियल, कंज्युमेबल, सर्जिकल एवं डिस्पोजेबल सामग्रियों के क्रय हेतु मोहरबंद निविदायें, निर्माताओं तथा उनके अधिकृत विक्रेताओं (Manufacturer, Dealers or sub-dealers) से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र रूपये 500/- का बैंक ड्राफ्ट जो प्राचार्य शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के नाम से देय हो संलग्न कर महाविद्यालय की वेबसाईट www.govtdentalcollegeraipur.in से डाउनलोड किया जा सकता है अथवा दिनांक 08/10/2026, सायं 5:30 बजे तक राशि रू. 500/- नगद / बैंक ड्राफ्ट जमा कर महाविद्यालय से भी प्राप्त किये जा सकते है, जो वापसी योग्य नहीं होगी। विवरण निम्नानुसार हैः-

क्रमांक	सामग्रीयो का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)
1	डेन्टल मटेरियल, कंज्युमेबल, सर्जिकल एवं डिस्पोजेबल, सर्जिकल इत्यादि	20 लाख	20 हजार

निविदा बिक्री की अंतिम तिथि - 08/10/2026 समय 5.30 बजे सायंकाल तक
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 09/10/2026 समय 5.30 बजे सायंकाल तक
निविदा खोलने की तिथि - 12/10/2026 समय दोपहर 12.00 बजे
निविदा जमा करने का स्थान - शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर
निविदा खोलने का स्थान - शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर

प्राचार्य
जी-262703533/2 **शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)**

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, सेतु मंडल रायपुर (छत्तीसगढ़)
ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

दिनांक 24.09.2026

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा 'डी' श्रेणी एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों हेतु प्रथम निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 14.10.2026 तक है।

एन.आई.टी क्र./ निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT NO. 17 Tender No. 200120	Painting Works of Various Bridges Under Bridge Sub Division No.1 Raipur.	रू. 16.87 लाख
NIT NO. 18 Tender No. 200195	Renewal and Patch Repair work for Various Bridges Under PWD Bridge Sub Division No. 1 Raipur	रू. 124.79 लाख
NIT NO. 19 Tender No. 200197	SPECIAL REPAIR WORK OF VARIOUS OLD BRIDGES UNDER P.W.D. BRIDGE CONSTRUCTION SUB-DIVISION BALODABAZAR.	रू. 17.68 लाख
NIT NO. 20 Tender No. 200198	SPECIAL REPAIR WORK REPLACEMENT OF EXPANSION JOINTS AND CONCRETE WORK UNDER PWD BRIDGE SUB DIVISION NO.1 RAIPUR.	रू. 15.16 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र, बिड केपेसीटी उपलब्धत्ता बाबत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेग, एवं निविदाकारो द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारो का मोबाईल नंबर एवं ई-मेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रुप से करें।

अधीक्षण अभियंता,
जी-262703547/5 आपकी थी चाह, हमने बनाई राह Credible Chhattisgarh **लोक निर्माण विभाग, सेतु मंडल, रायपुर (छ.ग.)**

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https:// eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक /दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु.लाख में)
1	199554 प्रथम आमंत्रण 21.09.2026	जिला रायपुर के रायखेड़ा मुर्रा माठ खरोरा मार्ग का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य लंबाई 14.125 कि.मी. का निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित। संभाग -विधानसभा संभाग रायपुर।	1065.35
2	199555 प्रथम आमंत्रण 21.09.2026	जिला रायगढ के तिलगा-भगोरा जामगांव मार्ग (मुख्य जिला मार्ग) के कि.मी. 7/6 में सपनई नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	565.83
3	199557 प्रथम आमंत्रण 21.09.2026	अमतरा से लछनपुर मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	238.51
4	199558 प्रथम आमंत्रण 21.09.2026	लच्छनपुर से मोहतरा तेली तक पहुंच मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी., ग्राम सुखाताल से बिजराकांपा खुर्द पहुंच मार्ग लंबाई 1.70 कि.मी. एवं डिंडौल मुख्य मार्ग से विचारपुर मुख्य मार्ग लंबाई 1.20 कि.मी. कुल लंबाई 4.90 कि.मी. का निर्माण कार्य।	633.04
5	199813 प्रथम आमंत्रण 21.09.2026	जिला धमतरी के एन.एच. 30 चर्रा-मीरादातार- कुरूद मार्ग का चौडीकरण एवं मजबूतीकरण लंबाई 5.00 कि.मी. (2 लेन) निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित।	2234.33
6	199816 प्रथम आमंत्रण 21.09.2026	जिला कोण्डागांव के माकड़ी-शामपुर मार्ग के कि.मी. 6/8 पर बड़गांव नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	545.64
7	199771 प्रथम आमंत्रण 21.09.2026	बरमकेला में शासकीय महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य, वा.स.से.फि. एवं विद्युतीकरण, बाउण्ड्रीवाल एवं पहुंच मार्ग का कार्य, जमा मद ।	463.22
8	199772 प्रथम आमंत्रण 21.09.2026	सकरी में शासकीय महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य, वा.स.से.फि. विद्युतीकरण सहित, जमा मद।	465.22
9	199773 प्रथम आमंत्रण 21.09.2026	जिला रायपुर के नवीन शासकीय आई.टी.आई. बंगोली(खरोरा) विकासखंड तिल्दा में महा विद्यालय भवन, 50 सीटर छात्रावास भवन एवं एफ टाईप क्वार्टर का निर्माण कार्य, वॉटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण कार्य सहित । संभाग- विधानसभा संभाग रायपुर	521.50
10	199856 प्रथम आमंत्रण 21.09.2026	जिला रायपुर के खारून रिवर फ्रंट के निर्माण विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य, विद्युतीकरण कार्य सहित ।	6133.96
11	199859 प्रथम आमंत्रण 21.09.2026	रायगढ में नवीन संगीत महाविद्यालय भवन का निर्माण वा.स.से.फि., विद्युतीकरण, एवं पहुंच मार्ग का कार्य।	2132.51
12	199861 प्रथम आमंत्रण 21.09.2026	जिला कबीरधाम के ग्राम पांडातराई से फास्टरपुर मार्ग लंबाई 26.20 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	3200.38
13	199862 प्रथम आमंत्रण 21.09.2026	जिला रायगढ में प्रयास आवासीय विद्यालय भवन का निर्माण कार्य, जमा मद ।	3594.56
14	199870 प्रथम आमंत्रण 22.09.2026	जिला रायपुर के कचना में 209 जी.ए.डी. आवास कैम्पस में जी टाईप आवासगृह, बाउण्ड्री वॉल इत्यादि निर्माण कार्य, विद्युतीकरण सहित।	784.72
15	199871 प्रथम आमंत्रण 22.09.2026	जिला दन्तेवाड़ा के नकुलनार पालनार समेली जगरगुण्डा मार्ग के कि. मी. 26/8 मलगेर नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	390.32
16	199874 प्रथम आमंत्रण 22.09.2026	जिला रायपुर के तुलसी से बहेसर मार्ग लं.- 1.525 कि.मी. का निर्माण कार्य, पुल- पुलिया सहित। विधानसभा संभाग रायपुर।	253.82
17	199875 प्रथम आमंत्रण 22.09.2026	जिला रायपुर के चकवे से परसदा मार्ग लंबाई-2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य, पुल - पुलिया सहित ।	269.46
18	199876 प्रथम आमंत्रण 22.09.2026	जिला धमतरी के अंतर्गत नगरी- जबर्रा मार्ग के काजल (कलस) नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	622.00

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 01 से सं.क्र. 04 दिनांक 12.10.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 14.10.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाइट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
जी-262703523/7 **लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर**

न्यायालय नजूल अधिकारी बलौदाबाजार
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. .../अ-20 (3) / वर्ष 2025-26
ग्राम बलौदाबाजार प.ह.नं. 15 तहसील बलौदाबाजार
पेशी तारीख 30.09.2026

पक्षकार - वेदप्रकाश बांधे पिता इतवारी राम बांधे जाति सतनामी
निवासी - पुरानी बस्ती बलौदाबाजार, तहसील बलौदाबाजार
जिला - बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

विरूद्ध
छ.ग. शासन
// राजस्व मामले की नोटिस //

प्रति,
अनावेदक
01. सुनील पिता रामनारायण जाति सतनामी
02. संजय पिता रामनारायण जाति सतनामी
03. रविना पिता रामनारायण जाति सतनामी
04. संतनबाई पति रामनारायण जाति सतनामी सभी निवासी पुरानी बस्ती बलौदाबाजार तहसील बलौदाबाजार, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

एतद द्वारा आप को सूचित किया जाता है कि आवेदक वेदप्रकाश बांधे पिता इतवारी राम बांधे जाति सतनामी निवासी पुरानी बस्ती बलौदाबाजार तहसील बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) द्वारा नगर बलौदाबाजार स्थित नजूल शीट क्रमांक 17 सी, प्लाट नं. 12/5 क्षेत्रफल 389 वर्गफीट मकान भू-भाटक 168.00 रु. की भू-धारक इतवारी पिता बिसाहू, राजकुमार, सुनील, संजय, ललीता, रवीना पिता रामनारायण, संतन बाई पति रामनारायण सतनामी सा. बलौदाबाजार के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। उक्त नजूल भूमि/मकान को भू-धारकगण/विक्रेतागण द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र पंजीयन क्रमांक CG-2026-27-135-1-1307 पंजीयन दिनांक 07/07/2026 को आवेदक/क्रेता वेदप्रकाश बांधे पिता इतवारी राम बांधे के पक्ष में निष्पादित किया है, जिसके आधार पर आवेदक/क्रेता अपने नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु बैनामा की छायाप्रति, तलवाना, शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त प्रकरण आप की उपस्थिति हेतु दिनांक 30/09/2026 को नियत है।

अतः आप प्रकरण में नियत सुनवाई दिनांक 30/09/2026 को न्यायालय में प्रातः 11:00 बजे स्वयं या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। नियत तिथि एवं समय पर अनुपस्थित रहने पर आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जाकर प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 23/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

मुहर

नजूल अधिकारी
बलौदाबाजार (छ.ग.)

समक्ष : श्रीमान पब्लिक नोटरी महोदय नगरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)
शपथ-पत्र

मैं शपथकर्ता विजय कुमार साहू (VIJAY KUMAR SAHU), उम्र 35 साल, पिता श्री हरी राम साहू (HARI RAM SAHU), जाति-तेली, निवासी-ग्राम भूमका, पो.-बेलरगॉव, तहसील-बेलरगॉव, जिला-धमतरी छ.ग. का हूँ जो कि शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँः-

01. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है।
02. यह कि मेरे आधार कार्ड मे नाम विजय कुमार साहू (VIJAY KUMAR SAHU) पिता हरीराम साहू (HARI RAM SAHU) है। एवं मेरे समस्त शालेय दस्तावेज मे विजय कुमार साहू (VIJAY KUMAR SAHU) पिता हरीराम साहू (HARI RAM SAHU) है। जो कि सत्य है जिसका आधार कार्ड क्र. 9352 731 66347 है।
03. यह कि मेरी ड्राईविंग लाइसेंस मे मेरा नाम विजय कुमार (VIJAY KUMAR) पिता हरीराम साहू (HARI RAM SAHU) है। जो कि त्रुटिपूर्ण है अर्थात दोनो ही नाम मेरे स्वयं की है। जिसे सुधार कर विजय कुमार साहू (VIJAY KUMAR SAHU) पिता हरीराम साहू (HARI RAM SAHU) किया जाये।
04. यह कि उपरोक्त दी गई जानकारी पूर्ण रूप से सत्य है असत्य पाये जाने पर सम्पूर्ण जवाबदारी मेरी स्वयं की होगी।

अतः शपथ पत्र पेश है।

सत्यापनकर्ता

सत्यापन :- मैं शपथकर्ता सत्यापित करता हूँ कि शपथ पत्र की कंडिका 01 से 04 तक के कथन सत्य व सही है। जिसे आज दिनांक को स्थान नगरी में पढ़कर /सोचकर / समझकर हस्ताक्षर किया हूँ। स्थान नगरी
दिनांक 26.09.2026
सत्यापनकर्ता
विजय कुमार साहू

विधायक भावना बोहरा ने 1.95 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

इंदौरी नगर के विकास को मिली नई रफ्तार

कवर्धा/नवप्रदेश। नगर पंचायत इंदौरी में नागरिक सुविधाओं के विस्तार और अधोसंरचना विकास को गति देते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा कुल 1 करोड़ 95 लाख 94 हजार रुपये की लागत के विभिन्न विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 1 करोड़ 45 लाख 97 हजार रुपये के कार्यों का भूमिपूजन तथा 49 लाख 97 हजार रुपये के कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इन विकास कर्यों से नगर पंचायत इन्दौरी में क्षेत्रवासियों की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ ही नगर के सौन्दर्यीकरण को भी नई पहचान मिलेगी।

पीएम मोदी और सीएम साय के नेतृत्व में गढ़ रहे छत्तीसगढ़ की नई इबारत

इंदौरी नगर के विकास और नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। भारत माता चौक और मां कर्मा माता चौक जैसे कार्य से नगर की नई पहचान बनेगा। मुक्तिधाम, मांगलिक भवन और दुकानों के निर्माण से स्थानीय नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। हमारा प्रयास है कि विकास का लाभ नगर के प्रत्येक वार्ड और प्रत्येक परिवार तक पहुंचे। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा और जनकल्याण केंद्रित नीतियों तथा माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में नगरीय क्षेत्रों के विकास और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा यात्रा के अवसर पर चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' की भावना भी यही है कि जनसेवा को निरंतर विकास कार्यों और जनहित की गतिविधियों से जोड़ा जाए। इंदौरी नगर सहित पूरे पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्य इसी सेवा भावना को स्थानीय स्तर पर आगे बढ़ाने का माध्यम हैं।

मूलभूत सुविधाओं में लगातार हो रहा विस्तार: बोहरा

भारत माता चौक निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य तथा मां कर्मा माता चौक का लोकार्पण किया। वहीं वार्ड क्रमांक 14 में मुक्तिधाम विकास कार्य, निकाय क्षेत्र में दुकानों का निर्माण, मांगलिक भवन निर्माण तथा मुक्तिधाम उन्नयन कार्य का भूमिपूजन कर समस्त नगरवासियों को इस सौगात के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। विदित हो कि नगर पंचायत इंदौरी में भाजपा सरकार आने के बाद से क्षेत्र में अधोसंरचना और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को लगातार प्राथमिकता दी जा रही है। विगत वर्षों में नगर पंचायत क्षेत्र के लिए लगभग 10 करोड़ के विकास कार्यों के साथ-साथ अधोसंरचना मद अंतर्गत 2 करोड़ की प्राविधिक स्वीकृति भी प्राप्त हुई है। इससे स्पष्ट है कि छोटे शहरों और नगर क्षेत्रों में सड़क, भवन, चौक, बाजार तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर लगातार काम किया जा रहा है।

शहर से लेकर गांवों तक हो रहा विकास, मिल रहा योजनाओं का लाभ

प्रदेश के युवा, किसान, महिला, व्यापारी, गरीब हर वर्ग के लिए योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन और विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों को गति देकर हम माननीय प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत,विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहें हैं। पंडरिया विधानसभा के वनांचल व आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों से लेकर हर गाँव और नगर तक पहुँच रही विकास की रोशनी और जनहित की योजनाओं से आज हर व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। हमारा संकल्प है कि पंडरिया के हर गाँव और घर तक पक्की सड़कें,स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त बिजली,मूलभूत सुविधाएँ और किसानों के खेतों तक सिंचाई के लिए पानी की पहुँच सुनिश्चित हो सके और इस दिशा में हम निरंतर आगे बढ़ रहें हैं।

आज छत्तीसगढ़ में सुशासन की सरकार सरकार के सहयोग से पंडरिया में विकास कार्यों को नई गति मिली है। पंडरिया विधानसभा अब तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है, जहां हर गांव को मुख्यधारा से जोड़ने का लक्ष्य प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। के प्रभारी रोशन दुबे, नगर पंचायत अध्यक्ष मित्रिन बाई मांडले, उपाध्यक्ष जसवंत साहू जी, मंडल अध्यक्ष खिलेश्वर साहू जी, विधायक प्रतिनिधि रामसुख जायसवाल, मंडल महामंत्री मनोज बंजारे , राजू चंद्रवंशी, नारद साहू, सुखमणी गोस्वामी, हिमचंद सिन्हा, तनुजा आडिले, प्रकाश साहू, दुर्गा साहू, दाऊराम छेदावी, आरती नांरगे, मिल्पी गंगासागर टंडन, उमेद दास बघेल, असमन चन्द्रवंशी, ज्ञानेश डहरिया, भरत घृतलहरे, कमलेश कोशले, कौशल तिवारी, डॉ. भरत यादव, रोहित कुमार मेरावी, ग्राम के सरपंच, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा नगरवासी उपस्थित रहे।

उफनते नाले में फंसी बस से यात्रियों को सुरक्षित निकाला

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले में लगातार 48 घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। इस बीच थाना मगरलोड जिला धमतरी क्षेत्र अंतर्गत एक बड़ा हादसा टल गया। उफनते नाले के किनारे में फंसी एक यात्री बस को थाना गरियाबंद पुलिस टीम और डायल 112 के जवानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लगभग 35 से 40 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। प्रदेश में अलग-अलग स्थान पर हो रही भारी वर्षा के चलते स्थानीय नाले का जलस्तर अचानक बढ़ गया था। इसी दौरान यात्रियों से भरी एक बस सरायीबदर और मुहाझोरी (थाना मगरलोड जिला धमतरी) नाले को पार करने का प्रयास कर रही थी। नाले में पानी का बहाव बेहद तेज था और बस में सवार यात्रियों की जान संकट में थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के निर्देशन में थाना गरियाबंद की पुलिस टीम और डायल 112 के वाहन तत्काल मौके पर पहुंचे।

साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन: परिवहन और सुरक्षा की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पुलिस की संयुक्त टीम ने बिना वक्त गंवाए राहत और बचाव कार्य शुरू किया।

जवानों ने सूझबूझ और अदम्य साहस का परिचय देते हुए रस्सी और अन्य सुरक्षा उपकरणों की मदद से बस तक पहुंच बनाई। टीम ने एक-एक कर बस में फंसे सभी 35 से 40 यात्रियों, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, उन्हें सुरक्षित नाले के पार पहुंचाया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा होने से रुक गया। सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।

पुलिस अधीक्षक की अपील: पुलिस अधीक्षक गरियाबंद ने रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल थाना गरियाबंद पुलिस टीम और डायल 112 के अधिकारी-कर्मचारियों के हौसले और त्वरित एक्शन की सराहना की है। साथ ही उन्होंने आम जनता से अपील की है कि लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए नदी, नालों और रपटों पर पानी होने की स्थिति में उन्हें पार करने का जोखिम कतई न उठाएं।

लगातार चार दिन से भारी बारिश, फिर भी नहीं डिगी आस्था

बप्पा की विदाई में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

भीगते हुए ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमे श्रद्धालु, 54 साल पुरानी परंपरा के बीच भावुक हुई गणपति बप्पा की विदाई

गरियाबंद/नवप्रदेश। लगातार तीसरे दिन हो रही बारिश से जहां गरियाबंद जिले की नदी-नालियां उफान पर हैं और जनजीवन प्रभावित है, वहीं गणपति बप्पा की विदाई के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। शुक्रवार को भारी बारिश के बीच गरियाबंद नगर में गणेश प्रतिमाओं की विसर्जन यात्रा निकली। बारिश में भीगते हुए श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमते और नाचते हुए छिंद तालाब पहुंचे। इस दौरान पूरा नगर भक्ति और उल्लास के रंग में डूबा नजर आया।

सुबह से ही गरियाबंद नगर

में गणपति विसर्जन को लेकर उत्साह का माहौल रहा। जैसे-जैसे प्रतिमाएं शोभायात्रा के साथ आगे बढ़ीं, वैसे-वैसे सड़कों पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती गई। ढोल-ताशों की गूंज, गणपति बप्पा के जयकारे और गुलाल की बौछार के बीच बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सभी भक्ति में झूमते नजर आए। लगातार बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं के कदम नहीं रुके।

54 वर्षों से चली आ रही सिन्हा परिवार की गणेश स्थापना परंपरा

पुराना मंगल बाजार स्थित सिन्हा परिवार के घर गणपति स्थापना इस वर्ष भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। परिवार द्वारा गणेशोत्सव मनाने की यह परंपरा 54 वर्षों से चली आ रही है। बुजुर्गों द्वारा शुरू की गई इस परंपरा को आज भी परिवार की नई पीढ़ी पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ आगे बढ़ा रही है। पूरे 11 दिनों तक यहां प्रतिदिन गणपति बप्पा की आरती, मोदक प्रसाद वितरण और आकर्षक रोशनी से सजावट की गई। आसपास के लोग भी परिवार के गणेशोत्सव में शामिल होते रहे। धरमीन बाई सिन्हा, बुद्धि देवी सिन्हा, लक्ष्मी सिन्हा, रेणुका सिन्हा, भारती सिन्हा, किरन सिन्हा, रचना केला, मोनिका सिन्हा और लीना वंदना सहित परिवार के सदस्यों ने विशेष पूजा-अर्चना और आरती के साथ बप्पा को विदाई दी।

धरमीन बाई सिन्हा ने कहा

कि उनके परिवार में गणपति स्थापना की परंपरा 54 वर्षों से चली आ रही है। बुजुर्गों ने जिस श्रद्धा के साथ इस परंपरा की शुरुआत की थी, उसे परिवार आज भी पूरी आस्था के साथ निभा रहा है। बारिश के बावजूद विसर्जन के दौरान लोगों का उत्साह देखकर मन भावुक हो गया। गणेश विसर्जन को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन, नगर सेना, गोताखोर दल और नगर पालिका की टीम तैनात रही। नगर के प्रमुख चौक-चौराहों से लेकर छिंद तालाब तक सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई। पुलिसकर्मी और गोताखोर दल लगातार मौके पर मौजूद रहे, ताकि विसर्जन के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति न बने। नगर पालिका की टीम ने विसर्जन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ साफ-सफाई की व्यवस्था संभाली। नपा अधिकारी अश्वनी वर्मा ने बताया कि विसर्जन की प्रक्रिया लगातार जारी है और प्रतिमाओं को निर्धारित व्यवस्था के अनुसार विसर्जित कराया जा रहा है।

जिला प्रशासन ने किया मार्ग निर्धारित

गणेश प्रतिमाएं तिरंगा चौक, मस्जिदपारा, मेन रोड और पुराने बाजार से होते हुए छिंद तालाब पहुंचीं। रास्तेभर श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा की आरती की और जयकारे लगाए। कई स्थानों पर युवा मंडलों और सामाजिक संस्थाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं।छिंद तालाब पहुंचने के बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती कर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। बप्पा को विदाई देते समय कई श्रद्धालुओं की आंखें नम भी नजर आईं।

महापौर ने वृक्षारोपण कर स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

राजनांदगांव/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा अंतर्गत साफ सफाई के अलावा जन सहभागिता से अन्य गतिविधिया संचालित करने की कडी में महापौर श्री मधुसूदनर यादव ने कौरिनभाठा तालाब के पास वृक्षारोपण कर स्वच्छता एंव पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वृक्षारोपण में निगम आयुक्त श्री जी.आर.मरकाम, स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सदस्य श्री शैकी बग्गा, पार्षद श्री सेवक राम उईके व श्री दुरेन्द्र साहू एवं वार्डवासियो की सहभागिता रही। वृक्षारोपण के अवसर पर महापौर श्री यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाने की नितांत आवश्यक है। तालाब के पास वृक्षारोपण करने से पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने की सार्थकता तभी होगी, जब उसकी नियमित देख भाल की जायेगी। उन्होंने वार्ड पार्षद एवं वार्डवासियो को इसकी सुरक्षा का संकल्प लेने कहा। उन्होने कहा कि जिस प्रकार स्वच्छता बिना जन भागीदारी के संभव नही है, उसी प्रकार पौधारोपण भी देख रेख के बिना सार्थक नही है। आज के इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता में सहभागिता निभाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्ष लगाकर उसकी रक्षा का संकल्प लेने की अपील की। निगम आयुक्त श्री मरकाम ने कहा कि इस वर्ष भी नगर निगम द्वारा शहर में स्थल चयन कर वृक्षारोपण किया जा रहा है। गत वर्ष निगम द्वारा किये गये पौध रोपण का देख-भाल भी कर रहे है, उनमें से अधिकांश पौधे वृक्ष का रूप ले रहे है। यह सबके सहयोग से ही संभव है, क्योकि यदि हर व्यक्ति अपने घर एवं संस्थान के सामने लगे वृक्ष की देख-भाल व सुरक्षा करेगा तो हमारा शहर हरा-भरा हो जायेगा।

बाढ़ संभावित क्षेत्रों का राजस्व अफसरों ने लिया जायजा

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर राजस्व अधिकारियों एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों द्वारा जिले के बाढ़ संभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं सीईओ जनपद पंचायत ने विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर जलभराव एवं बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत भंवरमरा में बाढ़ संभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। मौके पर स्थिति सामान्य पाई गई। ग्राम पंचायत के सचिव एवं सरपंच को मुनादी के माध्यम से ग्रामीणों को सतर्क करने, आवश्यकतानुसार रस्सी एवं टॉर्च की व्यवस्था रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए। डोंगरगांव तहसील के बाढ़ संभावित ग्राम आलीखूंटा एवं बाकल का निरीक्षण कर सरपंच एवं ग्रामीणों से चर्चा की गई। उन्हें नदी-नालों के किनारे जाने से बचने तथा जलस्तर बढने् की स्थिति में विशेष सावधानी बरतने की समझाइश दी गई। वर्तमान में अतिवृष्टि से किसी प्रकार की क्षति की सूचना नहीं है। भर्रेगांव एनीकट का भी निरीक्षण किया गया। तहसील छुरिया के ग्राम नांदियाखुर्द स्थित पुल का निरीक्षण किया गया। पुल के ऊपर से पानी बहने के कारण बांस से बेरिकेडिंग कर आवागमन को सुरक्षित किया गया है। ग्रामीणों को पुल पार नहीं करने तथा नदी किनारे सावधानी बरतने की सलाह दी गई। ग्राम टेका स्थित छिपा नाला एनीकट का निरीक्षण कर लोगों को एनीकट पार नहीं करने की समझाइश दी गई। तहसील डोंगरगढ़ अंतर्गत ग्राम कोलेंद्र एवं घोटिया में भी स्थिति का जायजा लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है। इसी तरह ग्राम धमनसरा से जंगलेसर जाने वाले पुल तथा सुरगी सर्किल के बाढ़ संभावित ग्रामों का निरीक्षण किया गया। धामनसरा एवं सुरगी क्षेत्र के ग्रामों में भी वर्तमान में बाढ़ जैसी स्थिति नहीं पाई गई। प्रशासन द्वारा ग्रामीणों से अपील की गई है कि नदी, नालों, एनीकट एवं पुलों पर पानी का बहाव होने की स्थिति में जोखिम न लें और सुरक्षित दूरी बनाए रखें। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन को सूचना देने कहा गया है।

बाढ़ आपदा पर एक्शन में जिला प्रशासन

कलेक्टर शर्मा ने मैनपुर क्षेत्र के वनांचलों में पहुंचकर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले में हुई मूसलाधार बारिश के बाद आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है बाढ़ आपदा की स्थिति का ग्राउंड जीरो पर जायजा लेने के लिए गरियाबंद कलेक्टर रणबीर शर्मा आज शनिवार को अचानक मैनपुर विकासखंड के विभिन्न ग्रामीण इलाकों का दौरा कर जायजा लिया उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों ग्रामीणों से सीधी बातचीत की और उनका हाल-चाल जाना। कलेक्टर रणबीर शर्मा दुरस्थ वनांचल दबनई, फरसरा, छिन्दौला, साल्हेभाठ, भाठीगढ़, हरदीभाठ एवं अनेक ग्रामो का अचानक निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बाढ़ से हुई क्षति, जलभराव और आवागमन की समस्याओं की समीक्षा किया उन्होंने मौके पर मौजूद एसडीएम और तहसीलदार को सख्त निर्देश दिए कि क्षेत्र में हुए फसल नुकसान, मकानों की क्षति और अन्य जन-धन के नुकसान का तत्काल आंकलन (सर्वे) किया जाए, ताकि प्रभावित ग्रामीणों को जल्द से जल्द शासन के नियमानुसार मुआवजा राशि वितरित की जा सके। उन्होंने राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के साथ-साथ जलभराव वाले क्षेत्रों में संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं क्षेत्र में प्रशासनिक मुस्तैदी को देखकर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। आदिवासी बालक आश्रम का जायजा लेकर छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद किया - भाठीगढ़ स्थित आदिवासी बालक आश्रम का कलेक्टर ने औचक निरीक्षण किया बातचीत के दौरान कलेक्टर ने बच्चों से पढ़ाई और उनके ज्ञान को परखने के लिए कई प्रश्न पूछे छात्र-छात्राओं ने पूरी आत्मीयता और आत्मविश्वास के साथ प्रश्नों के बेहद सटीक व बेहतरीन जवाब दिए बच्चों की प्रतिभा और कुशाग्र बुद्धि से कलेक्टर काफी प्रभावित नजर आए उन्होंने न केवल बच्चों की सराहना की, बल्कि स्वयं आगे बढ़कर उनसे हाथ मिलाया और उनका उत्साहवर्धन किया।

पैरी उद्गम पहाड़ी पर चढ़कर मंदिर तक पहुंचे कलेक्टर

क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक व प्राकृतिक पर्यटन स्थल पैरी उद्गम का दौरा किया कलेक्टर ने पहाड़ियों पर बनी सीढ़ियों के जरिए ऊपर पहाड़ी के उपर पहुंच पैरी मंदिर में दर्शन किया और स्थल का जायजा लिया। इस दौरान क्षेत्र के भाठीगढ़ राज के प्रमुख हरिशचंद नेगी, आदिवासी समाज के वरिष्ठ खेदु नेगी, ग्राम पंचायत भाठीगढ़ के सरपंच पुष्पा नेगी, पूर्व जनपद सदस्य डाकेश्वर नेगी, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष रामदास वैष्णव व क्षेत्र के लोगो ने कलेक्टर को बताया कि यह पैरी उद्गम क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल है कलेक्टर रणबीर शर्मा ने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन इस पवित्र और प्राकृतिक स्थल को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

गरियाबंद/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय वीर सुरेन्द्र साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गरियाबंद में दिनांक 24 सितंबर 2026 को राष्ट्र एवं भारत मंडल से संबंधित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कला एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे रंगों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय प्रेम, राष्ट्रीय एकता तथा जनहित में संचालित योजनाओं को आकर्षक एवं कलात्मक रंगोलियों के माध्यम से प्रस्तुत किया। रंगोलियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने राष्ट्रप्रेम, सामाजिक जागरूकता एवं जनकल्याण का संदेश प्रभावशाली ढंग से दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अनिल चंद्राकर, अध्यक्ष, जिला भाजपा गरियाबंद उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में अजय रोहरा, कोषाध्यक्ष, जिला भाजपा गरियाबंद, सुरेंद्र सोनटेके, जिला मंत्री, जिला भाजपा गरियाबंद तथा शुभम संग, युवा भाजपा नेता, गरियाबंद उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगोलियों का अवलोकन किया तथा उनकी कला एवं रचनात्मकता की सराहना की। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल द्वारा रंगोलियों का मूल्यांकन रचनात्मकता, विषयवस्तु, रंग-संयोजन एवं स्वच्छता के आधार पर किया गया। प्रतियोगिता में सीमा एवं समूह, योगिता एवं समूह तथा तुलसी एवं समूह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

सतर्कता बरतने की अपील: जलस्तर बढ़ने और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी के निर्देश

नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों में बढ़ाई निगरानी

■ लगातार बारिश को लेकर कबीरधाम पुलिस अलर्ट

कवर्धा/नवप्रदेश। जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए कबीरधाम पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव ने जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को नदी, नाले, तालाब, डैम, पुल-पुलिया तथा निचले और जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। बारिश के कारण नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने और तेज बहाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल को आवश्यक सुरक्षा एवं बचाव कार्यवाही के लिए अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर लोगों को जोखिमपूर्ण स्थानों से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

तेज बहाव वाली नदी-नालों में न उतरें

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित कुमार पटेल के मार्गदर्शन में थाना एवं चौकी स्तर पर संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी की जा रही है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि तेज बहाव वाली नदी-नालों को पैदल पार करने, तैरने, मछली पकड़ने अथवा किसी अन्य कार्य से पानी में उतरने का प्रयास न करें। पुलिस ने विशेष रूप से बच्चों एवं युवाओं को नदी-नालों और तेज बहाव वाले जलस्रोतों से दूर रखने की अपील की है। जलस्तर सामान्य दिखाई देने के बावजूद पानी के भीतर बहाव की तीव्रता और गहराई का सही अनुमान लगाना मुश्किल हो सकता है।

डैम और जलाशयों के आसपास बरतें सावधानी: लगातार बारिश के दौरान डैम एवं जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ़ सकता है। ऐसे स्थानों पर सेल्फी लेने, तैरने, मछली पकड़ने या पानी के अत्यधिक करीब जाने से बचने की सलाह दी गई है। पुलिस ने प्रतिबंधित एवं संवेदनशील क्षेत्रों में प्रवेश नहीं करने तथा सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

पुल-पुलिया और रपटों पर पानी हो तो वाहन न निकालें: पुल-पुलिया अथवा रपटे के ऊपर से पानी बहने की स्थिति में वाहन लेकर पार करने का जोखिम न उठाने की अपील की गई है। तेज बहाव वाहन का संतुलन बिगाड़ सकता है और गंभीर दुर्घटना हो सकती है। ऐसे स्थानों पर सुरक्षित जगह रुककर जलस्तर कम होने या मार्ग सुरक्षित होने की पुष्टि के बाद ही आगे बढ़ने की सलाह दी गई है। बाढ़ या जलभराव की सूचना पर तत्काल पुलिस को दें जानकारी कबीरधाम पुलिस ने कहा है कि किसी क्षेत्र में अचानक जलभराव, बाढ़, नदी-नाले में अत्यधिक तेज बहाव, पुल-पुलिया के ऊपर पानी आने या किसी व्यक्ति के फंसे होने की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें, ताकि आवश्यक बचाव एवं राहत कार्यवाही की जा सके।

कबीरधाम पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि बारिश के दौरान सतर्क रहें और किसी भी प्रकार का अनावश्यक जोखिम न उठाएं। अपनी सुरक्षा के साथ-साथ परिवार एवं आसपास के लोगों को भी जोखिमपूर्ण जलस्रोतों से दूर रखें।

कॉलेजों में सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत विकासखंड स्तरीय इनोवेशन कार्यशाला का आयोजन

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले में 'सेवा संकल्प अभियान 2026' के अंतर्गत राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज एवं विकासखंड स्तरीय इनोवेशन कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शासकीय वीर सुरेंद्र साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गरियाबंद में राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज एवं इनोवेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नवाचार, स्टार्टअप, राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान करना और उन्हें नए विचारों एवं नवाचार के लिए प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

अनिल चंद्राकर, अध्यक्ष, जिला भाजपा गरियाबंद उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में अजय रोहरा, कोषाध्यक्ष, जिला भाजपा गरियाबंद, सुरेंद्र सोनटेके, जिला मंत्री, जिला भाजपा गरियाबंद तथा शुभम, युवा भाजपा नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रभात रंजन ने की। महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यशाला के माध्यम से

विद्यार्थियों को अपने नवाचार एवं नए विचारों को पहचानने तथा उन्हें आगे बढ़ाने के अवसरों से अवगत कराया गया। साथ ही विद्यार्थियों को राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज में सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में प्राध्यापक श्री प्रभात रंजन ने उपस्थित अतिथियों एवं सभी सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यशाला में उद्योग विभाग

कार्यशाला में उद्योग विभाग, रायपुर की स्टार्टअप टीम की ओर से सुश्री रुचिरा पारिख एवं श्री अबुल हसन उपस्थित रहे। सुश्री रुचिरा पारिख ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को स्टार्टअप, नवाचार, राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज एवं संबंधित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नए विचारों की पहचान करने, उन्हें विकसित करने तथा स्टार्टअप के रूप में आगे बढ़ाने की प्रक्रिया के बारे में समझाया। इस अवसर पर श्री रविशंकर ध्रुव, सहायक प्रबंधक, उद्योग विभाग, गरियाबंद भी उपस्थित रहे।

सेल सीएमडी ने भिलाई में वृहद समूह संवाद में सुरक्षा को लेकर कर्मचारियों को किया जागरूक

■ 'मेरा क्षेत्र, मेरी जिम्मेदारी' और 'जोखिम क्षेत्र' को कार्य व्यवहार का हिस्सा बनाने पर जोर

भिलाई/नवप्रदेश। सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने सिविक सेंटर स्थित महात्मा गांधी कला मंदिर में आयोजित वृहद समूह संवाद को संबोधित किया। उन्होंने कार्यस्थल पर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए प्रत्येक कर्मचारी की सक्रिय सहभागिता और जिम्मेदारी पर जोर दिया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों, ठेका कर्मियों, पर्यवेक्षकों और सुरक्षा योद्धाओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अजय कुमार चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक

(परियोजनाएं) प्रबीर कुमार सरकार, कार्यपालक निदेशक (कार्य) राकेश कुमार तथा कार्यपालक निदेशक (खदान) कमल भास्कर मौजूद रहे।

डॉ. पंडा ने कहा कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि प्रत्येक कर्मचारी हर पाली के बाद सुरक्षित घर लौटे। उन्होंने 'मेरा क्षेत्र, मेरी जिम्मेदारी' और 'जोखिम क्षेत्र' की अवधारणा को कार्य व्यवहार का हिस्सा बनाने, असुरक्षित कार्यप्रणालियों के प्रति शून्य सहनशीलता तथा कार्य अनुमति और उचित संयंत्र बंदी प्रक्रिया जैसी निर्धारित सुरक्षा व्यवस्थाओं के पालन पर जोर दिया।

उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि असुरक्षित स्थिति दिखाई देने पर उत्पादन रोकने के लिए वे अधिकृत हैं और सुरक्षा के लिए ऐसा कदम उठाने वाले कर्मचारियों को उचित रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने भी सुरक्षा को सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए सुरक्षित कार्यप्रणालियों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग) पुष्पा एम्ब्रोस और उप महाप्रबंधक (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सचिवालय) अमित कुमार ने सुरक्षा संबंधी प्रस्तुतियां दीं। डॉ. पंडा ने प्रतिभागियों से संवाद कर उनके सुझाव भी सुने। इससे पहले उन्होंने कोक भट्ठी बैटरी-8, प्लेट मिल, इस्पात गलन संयंत्र-3 और परियोजना विभाग का दौरा कर परिचालन, सुरक्षा और परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने समयबद्ध परियोजना पूर्णता, बेहतर समन्वय और संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) निशा बाउल ने किया तथा आभार मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रशांत ओझा ने व्यक्त किया।

न्यूज गैलरी

15वें वित्त मद से 90.90 लाख की लागत से पाइपलाइन विस्तार कार्य का भूमिपूजन

भिलाई/नवप्रदेश। निगम भिलाई द्वारा पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 15वें वित्त मद से स्वीकृत 90.90 लाख रुपए की लागत से पाइपलाइन विस्तार कार्य का भूमिपूजन किया गया। कार्य पूरा होने के बाद संबंधित क्षेत्रों में जलापूर्ति व्यवस्था मजबूत होने के साथ नागरिकों को सुचारु पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। भूमिपूजन के अवसर पर महापौर नीरज पाल, आयुक्त सुरुचि सिंह, उप नेता प्रतिपक्ष एवं स्थानीय पार्षद दया सिंह, एमआईसी सदस्य संदीप निरंकारी, जोन आयुक्त येशा लहरे, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, संजय वर्मा, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, उप अभियंता आशीष भारती सहित जनप्रतिनिधि और निगम अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि कार्य निर्धारित मापदंडों और गुणवत्ता के अनुरूप पूरा कराया जाएगा।

कुम्हारी भाजपा मंडल ने मनाई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

कुम्हारी/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी कुम्हारी मंडल द्वारा शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके जीवन, विचारों और राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण किया तथा उनके सिद्धांतों को आत्मसात कर समाज एवं राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा, महामंत्री दीपक चतुर्वेदी, नपा अध्यक्ष मीना वर्मा, मंडल उपाध्यक्ष फिंगेश्वर साहू, पार्षद उमाकांत साहू, खाद्य प्रभारी रामप्रकाश गुप्ता, कार्यालय मंत्री सूरज यादव सहित भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

आईआईटी भिलाई में नराकास स्तरीय राजभाषा कार्यशाला आयोजित

भिलाई/नवप्रदेश। आईआईटी भिलाई में नराकास स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय 'संघ की राजभाषा नीति' रहा। मुख्य वक्ता भिलाई इस्पात संयंत्र के उपप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन-राजभाषा) जितेंद्र दास मानिकपुरी ने राजभाषा नीति, संवैधानिक प्रावधानों और कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग की जानकारी दी। मानिकपुरी ने विषय को सरल और रोचक तरीके से प्रस्तुत करते हुए राजभाषा नीति के विभिन्न पहलुओं को समझाया। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन रेशमा बानो ने किया। इस अवसर पर संस्थान कुलसचिव, हिंदी अधिकारी सहित अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

चटर्जी को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय वैश्विक राजदूत सम्मान

भिलाई/नवप्रदेश। इस्पात नगरी भिलाई के वरिष्ठ बांग्ला साहित्यकार एवं कवि पल्लव चटर्जी को साहित्य, समाज और वैश्विक सांस्कृतिक आदान-प्रदान में योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मान से नवाजा जाएगा। नाइजीरियाई उद्यमी एवं साहित्यिक संरक्षक सीनेटर एबेल इडामिनाबो के नेतृत्व वाले साहित्यिक मंच 'अफ्रीकन पोएट्री जायंट' और 'इडामिनाबो एम्पायर्स' ने पल्लव को वैश्विक साहित्य एवं वैश्विक राजदूत सम्मान प्रदान करने की घोषणा की है।

बारिश का 43 साल का रिकॉर्ड टूटा, महमरा एनीकट पर 10 से 12 फीट पानी, गणेश विसर्जन पर रोक

शिवनाथ उफान पर, पुराने पुल से 2 फीट ऊपर बह रहा पानी

दुर्ग-भिलाई/नवप्रदेश। जिले में दो दिनों की मूसलाधार बारिश के बाद शनिवार को बारिश थमी, लेकिन शिवनाथ नदी समेत नदी-नालों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। करीब 40 घंटे में 7.45 इंच और महज 9 घंटे में 5.53 इंच बारिश दर्ज की गई, जिससे 43 साल पुराना बारिश का रिकॉर्ड टूट गया। जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन, नगर निगम और एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी कर रही हैं।

वही भिलाई निगम क्षेत्र की कई कॉलोनियों में भी पानी भरने की शिकायतें मिली हैं। दीनदयाल कॉलोनी, जुनवानी रोड और वार्ड-1 के लोगों ने वीडियो शेयर कर घरों के आसपास पानी भरने की जानकारी दी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कुछ घरों में बिजली मीटर के पास पानी पहुंचने से करंट फैलने की शिकायत भी सामने आई है। इससे लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

दुर्ग-राजनांदगांव मार्ग स्थित शिवनाथ नदी के पुराने पुल से करीब दो फीट ऊपर पानी बह रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर नदी तट पर गणेश प्रतिमा विसर्जन पर रोक लगा दी गई है और पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। महमरा एनीकट पर भी करीब 10 से 12 फीट पानी बह रहा है, जिसका पानी पंचवटी मांगलिक परिसर तक पहुंच गया है।

गंजपारा से महमरा एनीकट मार्ग बंद कर दिया गया है। वहीं पुलगांव और शंकर नाला भी लबालब हैं। प्रशासन ने नदी-नालों के आसपास रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और जलभराव वाले क्षेत्रों में नहीं जाने की अपील की है।

200 परिवार प्रभावित, 16 राहत शिविरों में 764 लोग सुरक्षित

जिले में 24 और 25 सितंबर को लगातार हुई बारिश से नदी-नाले उफान पर आ गए। नगर निगम दुर्ग, भिलाई सहित ग्रामीण क्षेत्रों के 13 इलाकों में जलभराव से करीब 200 घर प्रभावित हुए। एसडीआरएफ, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की टीमों ने रेस्क्यू कर 764 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। प्रभावितों के लिए सामुदायिक भवन, पंचायत भवन और स्कूलों में 16 अस्थायी राहत शिविर बनाए गए हैं, जहां भोजन, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। दुर्ग तहसील में 52 परिवारों के 268 लोगों को पांच राहत शिविरों में रखा गया है। पाटन तहसील के सात गांवों में 117 परिवारों के 345 लोगों को पांच शिविरों में ठहराया गया। वहीं अहिवारा के अकोला में 46 और कुम्हारी के परसदा में 73 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। कलेक्टर अभिजीत सिंह और एसएसपी विजय अग्रवाल सहित प्रशासनिक एवं एसडीआरएफ की टीमें लगातार प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी कर रही हैं। शनिवार को महमरा ऐनीकट के ऊपर तेजी से बढ़ते जलप्रवाह को देखते हुए वहां जमा लोगों को पुलिस और प्रशासन ने हटाया। प्रशासन ने नागरिकों से आवश्यक कार्य न होने पर ऐनीकट और नदी किनारे के इलाकों में नहीं जाने तथा संवेदनशील बाढ़ क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है।

प्रभावित क्षेत्रों का महापौर और कमिश्नर ने किया निरीक्षण

पटेल चौक से हिंदी भवन तक जलनिकासी व्यवस्था सुधारने होगी टेंडर

लगातार बारिश के बीच शहर में जलभराव की स्थिति को देखते हुए महापौर अलका बाघमार एवं कमिश्नर लीना कोसम ने पटेल चौक से पोस्ट ऑफिस के सामने होते हुए हिंदी भवन तक निरीक्षण किया। उन्होंने पटेल चौक, पंचायत कार्यालय एवं हिंदी भवन तक सड़क पर जलभराव के कारणों की जानकारी अधिकारियों से ली। निरीक्षण में तेज बारिश के दौरान नालियों के भीतर पाइपलाइन और सीमित जलनिकासी क्षमता के कारण पानी का बहाव प्रभावित होने की बात सामने आई। महापौर ने बताया कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है और जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। दीपावली के आसपास जलनिकासी सुधार कार्य शुरू करने की तैयारी है। इसके तहत नाली को तीन हिस्सों में विभाजित कर वार्ड क्रमांक 37, 38 एवं 39 के विभिन्न क्षेत्रों की ओर पानी निकासी की व्यवस्था विकसित की जाएगी। इसके अलावा डेटा सेंटर के पास वार्ड 39 स्थित तालाब का भी निरीक्षण कर पानी के प्रवाह को डायवर्ट करने नई नाली निर्माण की जरूरत पर चर्चा की गई। अधिकारियों को तकनीकी परीक्षण कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने और जलनिकासी से जुड़े कार्यों में तेजी लाने कहा।

गणेश विसर्जन स्थल पहुंचे स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, बाढ़ प्रभावितों से की मुलाकात

प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने शिवनाथ नदी के गणेश विसर्जन स्थल का निरीक्षण कर जलस्तर एवं विसर्जन व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह और एसएसपी विजय अग्रवाल भी मौजूद रहे। मंत्री यादव ने नदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए लोगों से प्रशासन की व्यवस्था में सहयोग करने और सावधानी बरतने की अपील की। कलेक्टर ने बताया कि छोटे पुल के ऊपर पानी आने के कारण रात्रि से विसर्जन पर अस्थायी रोक लगाई गई है। जलस्तर कम होने के बाद विसर्जन पुनः शुरू कराया जाएगा। एसडीआरएफ, स्थानीय नाविक और नागरिक भी व्यवस्था में सहयोग कर रहे हैं। मंत्री यादव ने पुलगांव के वार्ड-55 स्थित कोसरिया यादव समाज सामुदायिक भवन और ग्राम भरदा के स्कूल में बनाए गए राहत शिविरों का निरीक्षण किया। पुलगांव शिविर में 48 और भरदा में 210 बाढ़ प्रभावित लोगों को ठहराया गया है। उन्होंने लोगों से भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा जलस्तर कम होने तक शिविर में रहने की सलाह दी। प्रभावित लोगों की पट्टे की मांग पर गोकुल नगर की घास भूमि आवास के लिए आवंटित कराने का आश्वासन दिया। ग्राम भरदा के वार्ड-12 में नाली निर्माण की मांग पर कलेक्टर को वीबीजी-रामजी योजना के तहत कार्य स्वीकृत करने के निर्देश दिए। किसानों की मांग पर फसल क्षति का सर्वे कराने तथा ग्राम चंगोरी में जलभराव की स्थिति पर नजर रखने के निर्देश भी दिए। इस दौरान निगम आयुक्त लीना कोसम, एसडीएम महेश राजपूत, अतिरिक्त आयुक्त मोहेन्द्र साहू सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

सेवा-संस्कार और राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेकर आगे बढ़ें युवा : डॉ. स्मिता सेलट

■ राष्ट्रीय सेवा योजना के 57वें स्थापना दिवस पर विविध कार्यक्रम

भिलाई/नवप्रदेश। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 57वें स्थापना दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य समारोह में विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कुलपति डॉ. स्मिता सेलट ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के प्रति दायित्वों का बोध कराने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवकों से सेवा, अनुशासन, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। रजिस्ट्रार डॉ. वैभव तिवारी ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और सामाजिक चेतना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डायरेक्टर विकास डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी है। उन्होंने एनएसएस को युवाओं को सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मंच बताया।

समारोह में एनएसएस स्वयंसेवकों को सहभागिता एवं योगदान के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा सी-सर्टिफिकेट प्राप्त करने वाले स्वयंसेवकों को बधाई दी गई। इस दौरान गीत, नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. गोविंद शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. विनय पीतांबराम सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। समारोह का समापन सेवा, सामाजिक दायित्व और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प के साथ हुआ।

नाबालिग का संदिग्ध शव मिला, युवक के साथ पति-पत्नी की तरह रह रही थी लड़की

दुर्ग/नवप्रदेश। लुचकी तालाब इलाके में एक नाबालिग लड़की का शव संदिग्ध हालत में मिलने से हड़कंप मच गया। नाबालिग एक घर में एक युवक के साथ पति-पत्नी के साथ रह रही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटाए हैं, जबकि एक संदिग्ध के फरार होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर मौत की वजह पता लगाने में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, लुचकी तालाब इलाके के वार्ड क्रमांक 7 में एक घर के अंदर सुबह करीब 11:30 बजे एक नाबालिग लड़की की लाश संदिग्ध हालत में पड़े होने की सूचना मिली। इसके बाद कोतवाली थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। नगर पुलिस अधीक्षक हर्षित मेहर ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने घर और आसपास के इलाके को जांच के दायरे में लिया है। मौके से जरूरी सबूत जुटाए जा रहे हैं और घटनास्थल की स्थिति की भी जांच की जा रही है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल की बारीकी से जांच कर जरूरी सबूत जुटाए। घर में मौजूद सामान और मौके की दूसरी परिस्थितियों को भी देखा गया। अधिकारियों के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों से ही नाबालिग की मौत की असली वजह साफ हो पाएगी।

पुलिस की जांच में एक संदिग्ध व्यक्ति के फरार होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। हालांकि, अभी पुलिस ने उसकी भूमिका को लेकर कोई अंतिम बात नहीं कही है।

पुलिस घर में रहने वाले लोगों और आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है, ताकि घटना से जुड़ी कड़ियों को जोड़ा जा सके।

कृत्रिम कुंड में गणपति विसर्जन कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

■ श्री दक्षिण कौशल गणेशोत्सव समिति की पहल, लगातार दूसरे वर्ष पंडाल परिसर में विसर्जन

दुर्ग/नवप्रदेश। 12 दिनों तक चले गणेश उत्सव के बाद गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में पद्मनाभपुर मिनी स्टेडियम स्थित श्री दक्षिण कौशल गणेशोत्सव समिति ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नदी-तालाब के बजाय पंडाल परिसर में बनाए गए कृत्रिम कुंड में भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया। समिति अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव एवं सदस्य व पूर्व पार्षद राजेश शर्मा ने बताया कि यह पहल लगातार दूसरे वर्ष की जा रही है। रामेश्वर धाम मुख्य पंडाल के सामने करीब 5 फीट गहरा कृत्रिम कुंड तैयार किया गया था। 51 पंडितों के मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना के बाद क्रेन की सहायता से प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान जबलपुर से आई श्याम बैंड पार्टी आकर्षण का केंद्र रही। श्रद्धालु बैंड की धुनों पर नाचते-गाते गणपति बप्पा के जयकारे लगाते नजर आए। संतोष खिरोड़कर, बाबा चौहान सहित समिति के अन्य सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

शिशुओं का अन्नप्राशन : महापौर अलका बाघमार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का किया सम्मान

सिकोलाभाठा आंगनबाड़ी भवन में गर्भवती माताओं की गोदभराई

दुर्ग/नवप्रदेश। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सिकोला भाठा स्थित आंगनबाड़ी भवन में 'आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से देशसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस दौरान गर्भवती माताओं की पारंपरिक रूप से गोदभराई कर उन्हें पौष्टिक आहार एवं आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। वहीं शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। कार्यक्रम में माताओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य,

पोषण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली मितानिनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं दीदियों का महापौर अलका बाघमार ने सम्मान किया। इस अवसर पर पार्षद ललिता ठाकुर, पूर्व महापौर चंद्रिका चन्द्राकर, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल, रत्नेश चन्द्राकर एवं महिला बाल विकास अधिकारी अनिता सिंह मौजूद रहीं। महापौर ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण के साथ शासन की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

शिकायतों का मौके पर हुआ त्वरित निराकरण

सेवा संकल्प अभियान के तहत निगम दुर्ग द्वारा 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे 'सेवा सेतु शिविर–समस्या का समाधान आपके द्वार' में तीसरे दिन भी नागरिक आवेदन लेकर पहुंचे। कुशाभाऊ ठाकरे भवन, आदित्य नगर एवं सिकोला भाठा माध्यमिक शाला में आयोजित शिविरों में संबंधित 10 वार्डों के नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं की जानकारी, आवेदन एवं समस्याओं के निराकरण की सुविधा दी गई। कई शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि अन्य आवेदनों को संबंधित विभागों को सौंपकर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए। महापौर अलका बाघमार ने दोनों शिविरों का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों के स्टॉलों का जायजा लिया और अधिकारियों को पात्र प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, पार्षद सुरूचि उमरे, सावित्री दमाहे, नीरा खिचरिया, ललिता ठाकुर, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उपअभियंता श्वेता महेलवार, भारती ठाकुर सहित निगम अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। 28 सितंबर को स्वामी आत्मानंद विद्यालय दीपक नगर और सरदार वल्लभभाई पटेल आत्मानंद विद्यालय दुर्ग में शिविर आयोजित होंगे।

बप्पा की विदाई में कानून की पिटाई!

सरगुजा में गणेश विसर्जन के दौरान साइड मांगने पर विवाद बढ़ा और आरोप है कि ट्रेनी डीएसपी पर हमला कर कार भी तोड़ी दी गई। यानी कुछ लोगों ने शायद तय कर लिया था कि डीजे की आवाज जितनी तेज होगी, कानून उतना ही कमजोर सुनाई देगा। भक्ति के नाम पर सड़क घेरना एक बात है, लेकिन रास्ता मांगने वाले पर टूट पड़ना दूसरी। अगर आरोप सही हैं तो यह उत्सव नहीं, भीड़ की मनमानी है। पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, बाकी की तलाश जारी है। अब जांच बताएगी किसकी कितनी भूमिका थी। इतना जरूर साफहै–गणपति बप्पा की विदाई श्रद्धा से होती है, गुंडागर्दी से नहीं। और कानून को धक्का देने वाला जुलूस आखिरकार थाने की तरफही मुड़ता है।

शराब नेटवर्क का 'सिस्टम'

डोंगरगढ़ में पुलिस ने 200 पेटी, यानी 9,600 बोतल शराब जब्त की और दो और आरोपियों को पकड़ लिया। अब तक 14 गिरफ्तारी हो चुकी है। यानी मामला दो-चार बोतलों का नहीं, बाकायदा सप्लाई, भंडारण और वितरण के नेटवर्क का है। क्रेटा, ब्रेजा, मोबाइल और लाखों की सामग्री बता रही है कि कारोबार फुटकर नहीं था। सवाल अब सिर्फ यह नहीं कि शराब किसकी थी, बल्कि यह भी कि इतनी बड़ी खेप इतने लंबे समय तक चल कैसे रही थी? पुलिस अब नेटवर्क की कड़ियां जोड़ रही है। अच्छा है, जोड़नी भी चाहिए। क्योंकि 9,600 बोतलें हवा में नहीं उड़तीं। अवैध कारोबार का असली नशा शराब में नहीं, लंबे समय तक बच निकलने के भरोसे में होता है।

ठगों ने लगा दी 'डिजिटल उधारी'

राज्यसभा सांसद फूलो देवी नेताम का वॉट्सऐप कथित तौर पर हैक हुआ और ठगों ने परिचितों से 50-60 हजार रुपये मांगने शुरू कर दिए। यानी साइबर ठग अब इतने आत्मविश्वासी हो चुके हैं कि उन्हें नेता, अफसर या आम आदमी में फर्क ही नहीं दिखता–बस कॉन्टेक्ट लिस्ट चाहिए और कहानी तैयार। मजेदार यह कि आज डिजिटल इंडिया में पहचान असली हो या नकली, मैसेज बड़ा भरोसेमंद दिखता है। जरूरी काम है, पैसे भेज दीजिए लिखा नहीं कि रिश्तेदारी और पहचान दोनों परीक्षा में बैठ जाते हैं। सांसद ने शिकायत कर दी, पुलिस जांच करेगी। मगर आम आदमी के लिए सबक सीधा है–वॉट्सऐप पर पैसा मांगे तो पहले फोन लगाओ, क्योंकि आजकल ठग चेहरा नहीं चुराते, सीधे भरोसा चुरा लेते हैं।

पहल अच्छी थी, इसमें दो राय नहीं

आरंग के कॉलेज में कार्यक्रम देर से खत्म हुआ तो छात्राओं के घर लौटने की चिंता बढ़ गई। फिर वही हुआ जो हमारे आयोजनों में अक्सर होता है–पहले समय की ऐसी-तैसी, बाद में व्यवस्था की वाहवाही। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने बसें बुलवाईं, निजी वाहन लगवाए और अपने काफिले की गाड़ियां तक छात्राओं को घर भेजने में लगा दीं। पहल अच्छी थी, इसमें दो राय नहीं। लेकिन असली सवाल यह है कि जब छात्र 25 किलोमीटर दूर से आते हैं, तो कार्यक्रम समय पर खत्म कराने की संवेदनशीलता पहले क्यों नहीं जागती? हमारे यहां घड़ी केवल दीवार पर टंगी रहती है, कार्यक्रम उसके हिसाब से नहीं चलते। फिर देर हो जाए तो उसी अव्यवस्था को संवेदनशीलता से ढक दिया जाता है। व्यवस्था का नया फॉर्मूला साफहै–पहले देर कराओ, फिर घर पहुंचाओ और तालियां भी पाओ!

फाइलों में फिट, सड़क पर धधक गई

नवा रायपुर में मंत्रालय कर्मचारियों से भरी बस में आग लगी तो कर्मचारियों का गुस्सा भी भड़क उठा। 30 से ज्यादा लोग सवार थे, गनीमत रही कि समय रहते सभी बाहर निकल आए। अब कर्मचारी कह रहे हैं–खटारा बसें हटाओ, नई बसें लाओ। सवाल भी जायज है। जिस मंत्रालय से पूरे प्रदेश की व्यवस्था चलती है, उसके कर्मचारियों की यात्रा अगर ऐसी बसों में हो जिनका भरोसा रास्ते में ही धुआं बन जाए, तो व्यवस्था की फिटनेस पर सवाल उठना स्वाभाविक है। फाइलों में शायद बसें अभी भी सेवायोग्य हों, लेकिन सड़क पर एक बस ने अपनी हालत खुद बता दी। अब देखना यह है कि प्रशासन नई बसें लाता है या फिर पुरानी बसों को नया फिटनेस प्रमाणपत्र देकर मामला ठंडा करता है। मंत्रालय का सफर है जनाब–यहां फाइल भी गरम होती है और कभी-कभी बस भी!

हेड मास्टर साहब, स्कूल है–रौब का अड्डा नहीं

जांजगीर-चांपा के भाटापारा भुईगांव स्कूल में प्रधान पाठक पर शराब के नशे में पहुंचने का आरोप लगा है। वीडियो वायरल है, बहस दिख रही है और ग्रामीण सवाल पूछ रहे हैं। नशे की आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है, इसलिए फैसला जांच के बाद ही होना चाहिए। लेकिन सवाल अभी भी खड़ा है–जिस कुर्सी पर बैठकर बच्चों को अनुशासन सिखाया जाता है, वही कुर्सी अगर विवाद का केंद्र बन जाए तो शिक्षा का सम्मान कैसे बचेगा? अगर आरोप सही हैं तो यह सिर्फ व्यक्तिगत लापरवाही नहीं, पूरे निगरानी तंत्र की विफलता मानी जाएगी। और अगर आरोप गलत हैं तो विभाग को तुरंत सच सामने रखना चाहिए। स्कूल में बच्चों को पाठ पढ़ाया जाता है, सत्ता का रौब नहीं। प्रधान पाठक की पहचान पद से नहीं, आचरण से होती है।

ध्यान से विश्व शांति तक: भारत-नेपाल की साझा आध्यात्मिक विरासत पर स्वामी आनंद अरुण से संवाद

मन में शांति होगी, तभी दुनिया में 'शांति' का रास्ता खुलेगा

विशेष बातचीत, काठमांडू से कुमार अभिनव

काठमांडू/नवप्रदेश। *दुनिया आज ऐसे दौर से गुजर रही है, जहा युद्ध और संघर्ष, धार्मिक एवं राष्ट्रीय तनाव, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाएं, तकनीकी बदलाव और बढ़ता मानसिक तनाव मानवता के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं। नेपाल में हाल के वर्षों में आई बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं ने भी जलवायु संकट की गंभीरता को रेखांकित किया है। दूसरी ओर वैश्विक मंचों पर विश्व शांति, पर्यावरण संरक्षण और मानवीय सहयोग की आवश्यकता लगातार अधिक मुखर हो रही है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या मनुष्य के भीतर शांति की स्थापना व्यापक सामाजिक और वैश्विक शांति की दिशा में कोई भूमिका निभा सकती है? इसी प्रश्न को केंद्र में रखते हुए काठमांडू में तपोवन, नेपाल के प्रमुख स्वामी आनंद अरुण से विशेष बातचीत हुई। संवाद का केंद्र ध्यान और उसकी समकालीन प्रासंगिकता रहा–व्यक्तिगत शांति से लेकर सामाजिक सद्भाव, भारत-नेपाल के आध्यात्मिक संबंधों, पर्यावरण संरक्षण, युवाओं की चुनौतियों और विश्व शांति तक। भारत और नेपाल के संबंध केवल भूगोल, राजनीति और अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सदियों पुरानी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक निकटता रही है। हिमालय, बुद्ध, योग, ध्यान और विभिन्न आध्यात्मिक परंपराएँ दोनों समाजों को एक गहरे मानवीय और सांस्कृतिक स्तर पर जोड़ती हैं। ऐसे समय में, जब दुनिया शांति और सह-अस्तित्व के नए रास्ते तलाश रही है, यह समझना महत्वपूर्ण है कि ध्यान किस प्रकार व्यक्ति के भीतर शांति, जागरूकता और करुणा को विकसित करने के साथ समाज में संवाद और सह-अस्तित्व की संस्कृति को भी मजबूत कर सकता है। प्रस्तुत है कुमार अभिनव की स्वामी आनंद अरुण से विशेष बातचीत।*

प्रश्न 1. स्वामीजी, आज की दुनिया में ध्यान की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक क्यों महसूस हो रही है?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** आज मनुष्य के पास सुविधाएं और सूचनाएं पहले से कहीं अधिक हैं, लेकिन मन की शांति कम होती जा रही है। हमारा ध्यान लगातार बाहरी दुनिया में बँटा हुआ है। मोबाइल, सोशल मीडिया, प्रतिस्पर्धा और भविष्य की चिंता ने मनुष्य को लगातार सक्रिय और व्यस्त बनाए रखा है। हमारे पास पूरी दुनिया से जुड़ने के लिए अनेक साधन हैं, लेकिन स्वयं से जुड़ने के लिए समय कम होता जा रहा है। ध्यान हमें अपने भीतर लौटने का अवसर देता है। यह दुनिया से भागना नहीं है, बल्कि अपने मन को समझने की प्रक्रिया है। जब व्यक्ति अपने भीतर की बेचैनी, भय और तनाव को देखना शुरू करता है, तभी वास्तविक शांति की यात्रा आरंभ होती है।*

प्रश्न 2. क्या ध्यान केवल व्यक्तिगत शांति का माध्यम है या इसका सामाजिक महत्व भी है?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** ध्यान की शुरुआत व्यक्ति से होती है, लेकिन उसका प्रभाव व्यक्ति तक सीमित नहीं रहना चाहिए। एक व्यक्ति जो अधिक शांत, सजग और जागरूक होता है, वह अपने परिवार, समाज और आसपास के लोगों के साथ भी अलग ढंग से व्यवहार करता है। यदि बड़ी संख्या में लोग अधिक जागरूक होकर जीने लगें, तो उसका प्रभाव सामाजिक वातावरण पर भी पड़ सकता है। विश्व शांति की शुरुआत किसी न किसी स्तर पर मनुष्य के भीतर से ही होती है।*

प्रश्न 3. युद्ध और संघर्ष से भरी दुनिया में ध्यान की क्या भूमिका हो सकती है?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** ध्यान किसी युद्ध का राजनीतिक या सैन्य समाधान नहीं है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, संवाद और राजनीतिक प्रयास आवश्यक हैं। लेकिन युद्ध की मानसिकता–भय, घृणा, क्रोध, असुरक्षा और श्रेष्ठता की भावना–मनुष्य के भीतर भी मौजूद हो सकती है। ध्यान व्यक्ति को अपने भीतर उठने वाली इन भावनाओं को देखने और समझने का अवसर देता है। इसलिए शांति के बाहरी प्रयासों के साथ-साथ आंतरिक शांति की संस्कृति भी आवश्यक है।*

प्रश्न 4. भारत और नेपाल के संदर्भ में ध्यान की क्या विशेष भूमिका हो सकती है?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** भारत और नेपाल की सभ्यताओं में ध्यान और आत्म-अन्वेषण की लंबी परंपरा रही है। दोनों देशों के बीच केवल राजनीतिक संबंध नहीं हैं, बल्कि गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध भी हैं। आज आवश्यकता है कि इन संबंधों को आधुनिक संदर्भ में आगे बढ़ाया जाए। भारत और नेपाल मिलकर ध्यान, युवाओं, मानसिक शांति, पर्यावरण और विश्व शांति जैसे विषयों पर एक सकारात्मक और रचनात्मक संवाद विकसित कर सकते हैं।*

प्रश्न 5. क्या भारत-नेपाल संबंधों को आध्यात्मिक और मानवीय दृष्टि से भी मजबूत किया जा सकता है?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** निश्चित रूप से। दोनों देशों के बीच लोगों का संपर्क सदियों पुराना है। हमें केवल यह नहीं देखना चाहिए कि भारत और नेपाल एक-दूसरे से आर्थिक या राजनीतिक रूप से क्या प्राप्त कर सकते हैं। हमें यह भी देखना चाहिए कि दोनों समाज मिलकर मानवता के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। ध्यान, योग, संस्कृति और शांति ऐसे महत्वपूर्ण माध्यम हो सकते हैं, जिनके जरिए दोनों देशों के बीच मानवीय संबंध और गहरे हो सकते हैं।*

प्रश्न 6. जलवायु परिवर्तन और ध्यान को आप किस प्रकार जोड़ते हैं?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** जलवायु परिवर्तन केवल विज्ञान या अर्थव्यवस्था का विषय नहीं है। यह हमारी जीवनशैली और हमारी चेतना से भी जुड़ा हुआ है। जब मनुष्य प्रकृति को केवल उपभोग की वस्तु समझता है, तब उसके शोषण की प्रवृत्ति बढ़ती है। ध्यान हमें अपने अस्तित्व के उस परस्पर जुड़ाव को महसूस करने का अवसर दे सकता है, जिसमें मनुष्य और प्रकृति अलग-अलग नहीं हैं। हम प्रकृति से अलग नहीं हैं; हम उसी पृथ्वी का हिस्सा हैं। नेपाल में बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाएँ हमें यह याद दिलाती हैं कि पर्यावरणीय संकट को गंभीरता से लेने और सामूहिक जिम्मेदारी विकसित करने की आवश्यकता है।*

प्रश्न 7. हिमालय और पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में भारत और नेपाल की क्या साझा जिम्मेदारी है?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** हिमालय केवल नेपाल या भारत की संपत्ति नहीं है। यह पूरे एशिया के पर्यावरणीय संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए हिमालय की रक्षा किसी एक देश का काम नहीं हो सकता। भारत और नेपाल के बीच पर्यावरण, जल और जलवायु के क्षेत्र में सहयोग तथा जन-जागरूकता आवश्यक है। प्रकृति हमें राजनीतिक सीमाओं के आधार पर विभाजित नहीं करती। इसलिए पर्यावरण की रक्षा की हमारी जिम्मेदारी भी साझा है।*

प्रश्न 8. आज के युवाओं के लिए ध्यान क्यों महत्वपूर्ण है?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** आज का युवा एक अत्यंत तेज़ी से बदलती दुनिया में जी रहा है। सोशल मीडिया, इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने जीवन की गति और स्वरूप दोनों को तेजी से बदल दिया है। लेकिन जितनी तेजी से बाहरी दुनिया बदल रही है, उतनी ही आवश्यकता भीतर स्थिर रहने की है। ध्यान युवाओं को अपनी एकाग्रता, भावनाओं और विचारों को समझने में मदद कर सकता है। यह उन्हें तकनीक से दूर नहीं करता, बल्कि तकनीक का अधिक जागरूक और संतुलित उपयोग करने की क्षमता विकसित कर सकता है।*

प्रश्न 9. सोशल मीडिया की आध्यात्मिकता और वास्तविक ध्यान में क्या अंतर है?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** सोशल मीडिया हमें लगातार बाहर की ओर ले जाता है–दूसरे क्या कर रहे हैं, क्या सोच रहे हैं और क्या दिखा रहे हैं। ध्यान हमें भीतर की ओर ले जाता है–मैं क्या महसूस कर रहा हूँ, मेरे भीतर क्या चल रहा है और मैं वास्तव में कौन हूँ? सोशल मीडिया पर हम अपनी छवि बनाते हैं, जबकि ध्यान में हम अपनी वास्तविक स्थिति को देखने का प्रयास करते हैं। इसलिए आध्यात्मिकता केवल यह नहीं है कि हम क्या पोस्ट करते हैं। वास्तविक प्रश्न यह है कि हमारे जीवन और व्यवहार में कितना परिवर्तन आया है।*

प्रश्न 10. क्या ध्यान किसी विशेष धर्म से जुड़ा हुआ है?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** ध्यान को किसी एक धर्म की सीमा में बाँधना आवश्यक नहीं है। व्यक्ति किसी भी धर्म को मानता हो, वह अपने मन को देख सकता है, अपनी श्वास के प्रति जागरूक हो सकता है और अपने भीतर शांति की खोज कर सकता है। इस अर्थ में ध्यान मानव अनुभव का हिस्सा है, केवल धार्मिक पहचान का नहीं। यही कारण है कि ध्यान भारत और नेपाल से लेकर दुनिया के अलग-अलग समाजों के लोगों के लिए एक साझा मानवीय अभ्यास बन सकता है।*

प्रश्न 11. 'वन एशिया' यानी 'One Asia' की अवधारणा में ध्यान की क्या भूमिका हो सकती है?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** एशिया की विविधता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। अलग-अलग देशों की भाषाएँ, संस्कृतियाँ और धार्मिक परंपराएँ भिन्न हैं, लेकिन ध्यान और आंतरिक चेतना की अनेक परंपराएँ पूरे एशिया को एक साझा सांस्कृतिक धारा से जोड़ती हैं। 'One Asia' का अर्थ एक जैसी संस्कृति बनाना नहीं है। इसका अर्थ है–विविधता के साथ एकता और साझा मानवता की भावना। भारत और नेपाल इस दृष्टि से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि दोनों देशों के पास आध्यात्मिक परंपराओं की गहरी और समृद्ध विरासत है।*

प्रश्न 12. विश्व ध्यान दिवस को विश्व शांति से कैसे जोड़ा जा सकता है?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** विश्व ध्यान दिवस केवल एक कार्यक्रम बनकर न रह जाए, बल्कि एक वैश्विक संदेश का माध्यम बने–यह अधिक महत्वपूर्ण है। यदि उस दिन दुनिया के अलग-अलग देशों के लोग कुछ समय के लिए रुकें, शांत हों और अपने भीतर देखें, तो यह अपने आप में शांति का प्रतीक हो सकता है। लेकिन वास्तविक उद्देश्य केवल एक दिन ध्यान करना नहीं, बल्कि ध्यान और जागरूकता को जीवन का हिस्सा बनाना होना चाहिए। यदि ध्यान को किसी एक धर्म की संपत्ति न मानकर मानव चेतना की एक सार्वभौमिक प्रक्रिया के रूप में देखा जाए, तो यह दुनिया के अलग-अलग समाजों को जोड़ने का माध्यम बन सकता है।*

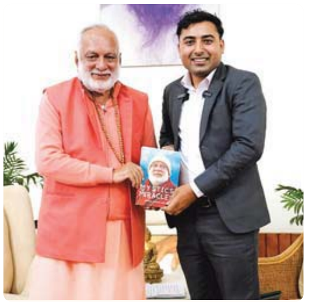

प्रश्न 13. क्या ध्यान पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी बदल सकता है?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** ध्यान हमें अपने जीवन और अपने व्यवहार को देखने का अवसर देता है। यदि व्यक्ति यह अनुभव करने लगे कि उसका जीवन प्रकृति से अलग नहीं है, तो उसकी उपभोग की आदतों और पर्यावरण के प्रति उसके व्यवहार में भी परिवर्तन आ सकता है। आज हमें केवल पर्यावरण बचाने की तकनीक नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति संवेदनशील चेतना की भी आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन हमें यह समझने का अवसर देता है कि पृथ्वी किसी एक राष्ट्र की संपत्ति नहीं है। यह हम सभी का साझा घर है।*

प्रश्न 14. गुरु से सीखने और स्वयं अनुभव करने के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** गुरु दिशा दे सकता है, लेकिन अनुभव व्यक्ति को स्वयं करना पड़ता है। ध्यान में किसी दूसरे व्यक्ति के अनुभव को अपना अनुभव नहीं बनाया जा सकता। आपको स्वयं बैठना होगा, स्वयं देखना होगा और स्वयं समझना होगा। सच्ची शिक्षा व्यक्ति को अधिक जागरूक और स्वतंत्र बनाती है। गुरु का उद्देश्य व्यक्ति को अपने भीतर की यात्रा के लिए सक्षम बनाना होना चाहिए।*

प्रश्न 15. अंत में, आज की दुनिया—जो युद्ध, धार्मिक और राष्ट्रीय विभाजन, जलवायु परिवर्तन, मानसिक तनाव और तेजी से बदलती तकनीक के दौर से गुजर रही है—के संदर्भ में ओशो की दृष्टि को एक व्यापक संदेश के रूप में देखा जाए, तो ध्यान और जागरूकता किस प्रकार एक ऐसे नए मनुष्य और नई मानवता के निर्माण में योगदान दे सकते हैं, जो भारत और नेपाल की साझा आध्यात्मिक विरासत से प्रेरणा लेते हुए पूरे एशिया और विश्व में शांति, करुणा और सह-अस्तित्व की संस्कृति को आगे बढ़ा सके?

*■■ **स्वामी आनंद अरुण:** ओशो की दृष्टि में ध्यान केवल आंखें बंद करके बैठने का नाम नहीं है। ध्यान का अर्थ है–अपने भीतर जागना, अपने विचारों और प्रतिक्रियाओं को देखना और अधिक जागरूक होकर जीना। आज दुनिया की अनेक समस्याओं के पीछे भय, क्रोध, असुरक्षा, अहंकार और विभाजन की मानसिकता दिखाई देती है। यदि मनुष्य स्वयं को समझना शुरू करे, तो उसके संबंधों और समाज के साथ उसके व्य वहार में भी परिवर्तन आ सकता है। भारत और नेपाल की साझा आध्यात्मिक परंपरा इस दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार दे सकती है। लेकिन यह संदेश केवल भारत या नेपाल तक सीमित नहीं होना चाहिए। एशिया और पूरी दुनिया के लिए ध्यान को मानवता की साझा संपदा के रूप में देखा जा सकता है। हमें ऐसी मानवता की आवश्यकता है, जिसमें व्यक्ति अपनी राष्ट्रीय और धार्मिक पहचान का सम्मान करे, लेकिन उसे मानवता से ऊपर न रखे। पहले हम मनुष्य हैं, उसके बाद हमारी बाकी पहचानें हैं। यदि यह चेतना विकसित होती है, तो ध्यान केवल व्यक्तिगत शांति का साधन नहीं रहेगा; वह करुणा, संवाद और सह-अस्तित्व की संस्कृति का आधार बन सकता है। एक पृथ्वी, एक मानवता और अनेक संस्कृतियाँ–यही वह दृष्टि है, जो भारत और नेपाल की साझा आध्यात्मिक विरासत को विश्व शांति के व्यापक संदेश से जोड़ सकती है।*

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि.शेड नं.74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806 फोन: 0771-3526755, 6262188999